हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 21.01.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 177 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

झारखंड के लिए गौरव का पल : डब्लूइएफ में पहली बार किसी आदिवसी नेता को मिला व्हाइट बैज

दावोस में झारखण्ड ने ऊर्जा के उत्पादन, उपभोग और सतत विकास पर वैश्विक साझेदारी को दिया नया आयाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दावोस/रांची : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक के दूसरे दिन झारखण्ड ने ऊर्जा के उत्पादन, उपभोग और सतत विकास और क्षेत्रीय नेतृत्व से जुड़े वैश्विक संवादों में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय नीति निर्माताओं, निवेशकों और वैश्विक संगठनों के साथ कई महत्वपूर्ण चर्चाओं में भाग लिया।

सतत और समावेशी आर्थिक विकास के लिए वैश्विक सहयोग ढांचे को सुदृढ़ करने पर रहा जोर

मुख्यमंत्री का इंटर-मिनिस्टीरियल डायलॉग में संबोधन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इस सत्र में स्लोवाकिया के पूर्व वित्त एवं अर्थव्यवस्था मंत्री वाजिल हुडाक सहित अनेक वैश्विक नेताओं ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य विषय सतत और समावेशी आर्थिक विकास के लिए वैश्विक सहयोग ढांचे को सुदृढ़ करना रहा। संवाद के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा, भारी वाहन निर्माण में निवेश की संभावनाओं और बागवानी क्षेत्र में टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने जैसे विषयों पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने 'कैपिटल इन एक्शनः स्केलिंग एनर्जी सिस्टम्स थ्रू पॉलिसी, फाइनेंस एंड रीजनल लीडरशिप' विषयक चर्चा में भी भाग लिया। इस चर्चा में स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों के विस्तार, नवाचार आधारित वित्तपोषण और प्रभावी नीतिगत समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर तय जलवायु और स्थिरता लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर लागू करने में राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने झारखंड द्वारा औद्योगिक विकास को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ संतुलित करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय आर्थिक मजबूती को सुदृढ़ करने के प्रयासों को प्रमुखता से रेखांकित किया।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दूसरे दिन झारखण्ड की यह सक्रिय भागीदारी राज्य की स्वच्छ ऊर्जा, सतत औद्योगिकीकरण और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वैश्विक मंचों पर निरंतर संवाद और साझेदारी के माध्यम से झारखण्ड भविष्य-उन्मुख, संतुलित और टिकाऊ विकास की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

डब्लूइएफ में पहली बार किसी आदिवासी निर्वाचित नेता की ऐतिहासिक उपस्थिति, झारखंड के लिए गर्व का क्षण

दावोस / स्विट्जरलैंड : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए भारत से पहले आदिवासी निर्वाचित नेता के रूप में डब्लूइएफ की वार्षिक बैठक, दावोस में भाग लिया। झारखण्ड में उनके नेतृत्व में हो रहे परिवर्तनकारी कार्यों की सराहना करते हुए तथा राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों को दिए जाने वाले स्थापित सम्मान के अनुरूप डब्लूइएफ के प्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री को प्रतिष्ठित व्हाइट बैज प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान झारखण्ड राज्य के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। व्हाइट बैज विश्व स्तर पर चयनित वैश्विक नेताओं को प्रदान किया जाता है, जिसके माध्यम से उन्हें डब्लूईएफ कांग्रेस सेंटर एवं सभी विशेष डब्लूइएफ कार्यक्रमों में समान एवं पूर्ण प्रवेश प्राप्त होता है। यह विश्व आर्थिक मंच द्वारा राष्ट्राध्यक्षों एवं सरकार प्रमुखों को दिया जाने वाला एक अत्यंत विशिष्ट सम्मान माना जाता है। आज इसी डब्लूइएफ कांग्रेस सेंटर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों की भागीदारी भी प्रस्तावित है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के वरिष्ठ प्रतिनिधियों शैलेश और अनूप ने डब्लूइएफ अध्यक्ष के विचारों से अवगत कराते हुए कहा कि डब्लूइएफ झारखण्ड राज्य के साथ एक दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करने का इच्छुक है।

झारखंड केवल खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों का निर्यातक राज्य बनकर नहीं रहना चाहता : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दावोस/रांची : हेमन्त सोरेन ने भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय राउंडटेबल मीटिंग "Delivering Sustainability at Scale: Pathways for Global Transformation" में भाग लिया। इस अवसर पर वैश्विक नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं एवं संस्थागत निवेशकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखण्ड केवल खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों का निर्यातक राज्य बनकर नहीं रहना चाहता। राज्य सरकार का लक्ष्य संसाधनों के मूल्य संवर्धन, सतत औद्योगिकीकरण और जन-केंद्रित विकास की दिशा में आगे बढ़ना है, जिससे झारखण्ड के लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिले। 'हमारा उद्देश्य केवल प्राकृतिक संसाधनों का दोहन नहीं, बल्कि उनका जिम्मेदार और सतत उपयोग सुनिश्चित करना है, ताकि रोजगार के अवसर सृजित हों और लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो।' उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सततता का अर्थ केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि आजीविका, कौशल विकास और सामाजिक समावेशन से भी है, विशेषकर स्थानीय एवं आदिवासी समुदायों के लिए। राज्य सरकार की उन पहलों का उल्लेख किया जिनके माध्यम से खनिज आधारित डाउनस्ट्रीम उद्योगों, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन विकास के जरिए रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जा रहा है। आर्थिक विकास के साथ पर्यावरणीय एवं सामाजिक संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। सीएम ने झारखण्ड की विशाल और अब तक काफी हद तक अप्रयुक्त पर्यटन संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। राज्य इको-टूरिज्म, प्रकृति आधारित पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन को सतत विकास के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में विकसित करना चाहता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हो। और प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। दीर्घकालिक विकास दृष्टि को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने वैश्विक निवेशकों और साझेदारों को जिम्मेदार खनन, सतत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा तथा पर्यटन अवसंरचना के क्षेत्र में झारखंड के साथ सहयोग के लिए आमंत्रित किया।

नितिन नबीन बने भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष

मैं भाजपा कार्यकर्ता, नितिन नबीन मेरे बॉस : नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : भाजपा को आज नितिन नबीन के रूप में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल गया। भाजपा के दीनदयाल मार्ग स्थित मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया का संचालन कर रहे मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ के लक्ष्मण ने मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे श्री नबीन के भाजपा के 12 वें अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की। घोषणा होने के साथ ही वहां बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी के कार्यकताओं में हर्ष छा गया। उन्होंने ढोल बजा कर और नारेबाजी करके खुशी का इजहार किया। प्रधानमंत्री मोदी ने नितिन नबीन को पुष्पमाला पहना कर उन्हें भाजपा अध्यक्ष बनने की बधाई एवं यशस्वी नेतृत्व की शुभकामनाएं दी। निवर्तमान अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भी श्री नबीन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। भाजपा मुख्यालय में इस मौके पर मंच पर पूर्व भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे। उन्होंने भी नितिन नबीन को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नितिन नबीन को बधाई देते हुए खुद को पार्टी का कार्यकर्ता बताया और कहा कि जब पार्टी के विषयों की बात आती है तो नितिन नबीन उनके बॉस हैं। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित समारोह में नितिन नवीन ने पार्टी अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मैं भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूं, यह मेरा सबसे बड़ा गर्व है। जब पार्टी की बात आती है तो नितिन नवीन जी मेरे बॉस हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में पद बदलते हैं लेकिन आदर्श नहीं बदलते, नेतृत्व बदलता है लेकिन दिशा नहीं बदलती। भाजपा एक परिवार है, जहां मेंबरशिप से ज्यादा रिलेशनशिप का महत्व है। श्री नड्डा ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन पदभार संभाल रहे हैं।

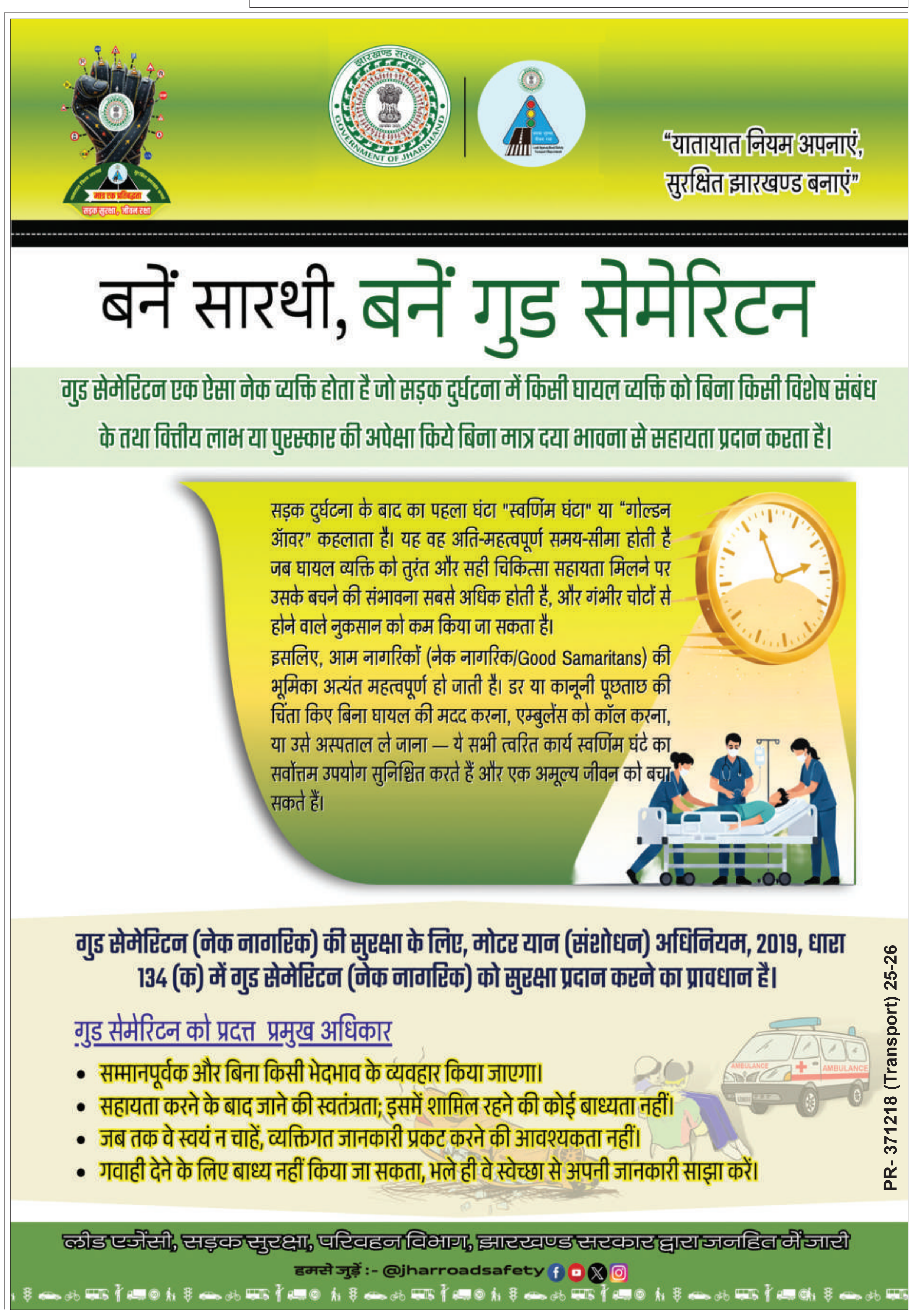

सांसद व विधायक के प्रयास से बरही के बंधक प्रवासी मजदूर अपने घर लौटेंगे

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

बरही : बरही प्रखंड के प्रवासी मजदूरों के बंधक बनाए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक व राजनीतिक स्तर पर त्वरित पहल करते हुए मजदूरों को मुक्त कराने में सफलता मिली है। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं बरही विधायक मनोज कुमार यादव के संयुक्त प्रयास से अब सभी प्रवासी मजदूर सुरक्षित अपने घर लौट सकेंगे। इस पूरे मामले में भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी और सामाजिक कार्यकर्ता अनूप कुमार की भूमिका भी काफी सराहनीय रही। जानकारी के अनुसार, बीते दिनों बरही के खोड़ाहर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अनूप कुमार अकेले ही घटनास्थल पर पहुंचकर बंधक बनाए गए मजदूरों को छुड़ाने का प्रयास किया। हालांकि, इस दौरान स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें घेर लिया गया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसके बाद मंगलवार को स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की गई और सभी बंधक मजदूरों को सुरक्षित मुक्त कराया गया। बताया जाता है कि मजदूरों के बंधक होने की सूचना भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता अनूप कुमार को दी गई थी, जिसके बाद वे तत्काल सक्रिय हुए और पूरे मामले को गंभीरता से आगे बढ़ाया। बंधक बनाए जाने की खबर मिलते ही बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने भी तुरंत संज्ञान लिया और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क कर मजदूरों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। वहीं, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के स्तर से भी आवश्यक पहल की गई, जिसके परिणामस्वरूप यह मानवीय संकट समाप्त हो सका। स्थानीय लोगों और मजदूरों के परिजनों ने सांसद, विधायक, भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी और सामाजिक कार्यकर्ता अनूप कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय रहते की गई पहल से मजदूरों की जान बच सकी और अब वे सुरक्षित अपने घर लौट पाएंगे।

एक नजर

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आज

बरही : सरस्वती पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर आज यानि बुधवार को दोपहर 3 बजे बरही थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। जिसका उद्देश्य पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना तथा आपसी समन्वय के साथ पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बरही थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बैठक में पूजा समितियों के सदस्य, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है।

विभावि में गणतंत्र दिवस पर प्रस्तुत किए जाएंगे झांकी तथा देशभक्ति समूह गान

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में समूह गायन तथा चलंत झांकी की प्रस्तुति भिन्न-भिन्न महाविद्यालय एवं विभागों के द्वारा किया जाएगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने आज एक सूचना जारी की है। सूचना में स्पष्ट किया गया है कि झांकी का स्वरूप चलंत होगा। इसमें 10 से 15 विद्यार्थी रह सकते हैं। यह अमृत महोत्सव के विषय पर आधारित होनी चाहिए। यह मुख्य मंच के सामने से गुजरेगा। इसमें किसी प्रकार की नाट्य प्रस्तुति नहीं होनी चाहिए। झांकी में किसी प्रकार के हिंसा का दृश्य दिखाने से परहेज करना है। यदि किसी संघर्ष को दिखाना है तो वह संकेतिक हो सकता है। झांकी में कोई संवाद नहीं होंगे। सभी झांकी दलों को निर्देश दिया गया है कि वह 8:45 तक बिनोदिनी पार्क में पहुंचकर उद्घोषक मंडली को अपना प्रवेश समर्पित करेंगे। समूह गान के लिए 6 विद्यार्थी होंगे। संगत करने के लिए अधिकतम चार संगीतज्ञ हो सकते हैं। संगीतज्ञ की व्यवस्था महाविद्यालय या विभाग द्वारा की जाएगी। इसमें एक दल केवल एक ही गीत की प्रस्तुति करेगा। गीत देशभक्ति पर ही आधारित होंगे। गीत की प्रस्तुति के लिए 5 मिनट तथा साज सज्जा की तैयारी के लिए अधिकतम 3 मिनट का समय दिया जाएगा। छात्र कल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने आगे बताया की प्रत्येक वर्ष की भांति मुख्यालय में अवस्थित विभागों से अधिकतम तीन दल गणतंत्र दिवस में समूह गायन की प्रस्तुति कर सकेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय मुख्यालय में अवस्थित विभागीय दल के चयन के लिए ऑडिशन का आयोजन विवेकानंद सभागार में गुरुवार 22 जनवरी को अपराह्न 12:30 से किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल

चतरा : चतरा-हजारीबाग मुख्य पथ में पत्थलगडा के नोनगांव मोड़ के समीप दो बाइक में हुई आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस से शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग भेजा है। घटना मंगलवार की है। घायल बलबल मेला से लौट रहे थे। गोपीपुर और नोनगांव के बीच पक्की सड़क में स्प्लेंडर प्लस और होंडा शाइन बाइक में टक्कर हो गई। इस घटना में तिलैया गांव निवासी विनोद भोगता और सोहर सिमरिया निवासी अर्जुन भुइयां और रंजीत भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार एक बच्ची भी घायल हुई है। दुर्घटना की सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दी। थाना प्रभारी राकेश कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग भेजा गया है।

दो साल बाद चौपारण प्रखंड में सांसद प्रतिनिधियों की घोषणा, संगठन को मिलेगी नई मजबूती

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

चौपारण : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने चौपारण प्रखंड में अपने सांसद प्रतिनिधियों की औपचारिक घोषणा कर दी है। लगभग दो वर्ष के लंबे इंतजार के बाद की गई इस घोषणा को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सांसद द्वारा जारी सूची के अनुसार प्रखंड के विभिन्न मंडलों में प्रतिनिधियों का मनोनयन किया गया है। चौपारण पूर्वी मंडल से सहदेव यादव, मध्य मंडल से रितेश वर्णवाल ऊर्फ रिशु वर्णवाल और पश्चिमी मंडल से आशीष सिंह को सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। वहीं बेंदुवारा निवासी मुकुंद साव को विधानसभा क्षेत्र का सांसद प्रतिनिधि, जबकि रामस्वरूप पासवान को सह सांसद प्रतिनिधि की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सांसद प्रतिनिधियों की इस घोषणा से क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय कार्यकताओं और समर्थकों में इस निर्णय को लेकर उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि नव-नियुक्त प्रतिनिधि क्षेत्र की जनसमस्याओं को सांसद तक पहुंचाने और विकास कार्यों को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

गोंदलपूरा कोल ब्लॉक के लिए पर्यावरण संरक्षण की जनसुनवाई हुआ रद

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बड़कागांव : प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय खेल मैदान में गोंदलपूरा कोल माइंस परियोजना के लिए मंगलवार को झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के द्वारा लोक सुनवाई, ग्रामीणों के भारी विरोध के कारण रद हो गया। इसकी आधिकारिक सूचना भूमि सुधार उपसमाहर्ता राजकिशोर प्रसाद ने विधायक रोशन लाल चौधरी को लोक सुनवाई रद्द होने से संबंधित पत्र सौंपा और विधायक ने इसे लाउडस्पीकर से अलाउंस कर लोगों को लोकसुनवाई रद्द करने की महत्वपूर्ण जानकारी दी।जनसुनवाई संख्या में पंडाल के अंदर लोग बैठे हुए थे जिसकी जानकारी मिलते ही। आंदोलनकारी ग्रामीणों ने पंडाल को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा सैकड़ो कुर्सियां तोड़ डाली, पंडाल को फाड़कर तहस नहस कर दिया। ग्रामीणों के गुस्से को देखते हुए कंपनी के समर्थक भाग खड़े हुए। जिसमें गिरने के दौरान कई लोगों को छोटे भी आई। ग्रामीणों की भारी विरोध एवं मांग को देखते हुए विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू स्थल पर पहुंचे एवं ग्रामीणों का समर्थन किया तथा उनकी मांगों को जायज बताया। वहीं विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि गोंदलपुरा के ग्रामीण जनता अपने हक अधिकार की लड़ाई संवैधानिक तरीके से लड़ रहे हैं।

जनजागरण केंद्र में संस्थापक स्व. रामेश्वर सिंह की छठी पुण्यतिथि मनाई गई, विधायक हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही पंचमाधव स्थित जनजागरण केंद्र परिसर में संस्था के संस्थापक स्व. रामेश्वर सिंह की छठी पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक, राजनीतिक एवं बौद्धिक जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना से की गई। इसके बाद स्व. रामेश्वर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि स्व. रामेश्वर सिंह समाजसेवा, जनजागरण और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में एक प्रेरणास्त्रोत थे। उन्होंने अपने जीवन को शिक्षा, सामाजिक उत्थान और जनहित के कार्यों में समर्पित किया। उनके द्वारा स्थापित जनजागरण केंद्र आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहा है, जो उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण है। प्रेस क्लब हजारीबाग के अध्यक्ष उमेश प्रताप ने कहा कि स्व. रामेश्वर सिंह ने पत्रकारिता और समाजसेवा के बीच सेतु का कार्य किया। वे हमेशा सच, न्याय और सामाजिक सरोकारों के पक्ष में खड़े रहे। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। संस्था के सचिव संजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. रामेश्वर सिंह के विचार और आदर्श ही जनजागरण केंद्र की नींव हैं। संस्था उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक जागरूकता और सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।कार्यक्रम में प्रेस क्लब हजारीबाग के अध्यक्ष उमेश प्रताप, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, जदयू नेता चंद्रमोहन पटेल, राज्य सचिव अर्जुन कुमार मेहता, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, चैंबर ऑफ कॉमर्स हजारीबाग के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, स्व. रामेश्वर सिंह की पत्नी शारदा सिंह, संस्था के निदेशक अजय सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के सचिव संजय सिंह व संचालन प्रमोद उपाध्याय ने की। मौके पर युगल किशोर यादव, सुबोध ओझा, प्रकाश कुमार, जिला उद्योग पदाधिकारी श्रीसत्रिपाठी, बसंत मेहता, अशोक शुक्ला, इंजीनियर जयमंगल सिंह, राजेंद्र यादव समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जिला परिषद सभागार में विकास व जनसमस्याओं को लेकर बैठक, जिप उपाध्यक्ष ने उठाई प्रमुख मुद्दे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग जिला परिषद सभागार में मंगलवार को जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, उप विकास आयुक्त रिया सिंह सहित सभी जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में संचालित विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इसी क्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव ने अपने क्षेत्र से जुड़ी कई ज्वलंत जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बिजैया क्षेत्र में एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखते हुए कहा कि आपातकालीन स्थिति में लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पा रही है। उपाध्यक्ष द्वारा ओरपरता पहाड़ी से गरजामू तक जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग भी रखी गई। साथ ही धोबघट क्षेत्र में पेयजल संकट को देखते हुए बोरिंग चापाकल लगाए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। उन्होंने हरिजन स्कूल से बाझेडीह तक नीचे आ चुके विद्युत तारों की मरम्मत कराने तथा सड़क में बनी पुलिया के पास बने गड्ढे की शीघ्र रिपेयरिंग की मांग की। इसके अतिरिक्त बरही बस स्टैंड में दुकानों के निर्माण को लेकर प्रस्ताव रखा गया, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें। वहीं बरही चौक में साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग भी उपाध्यक्ष द्वारा उठाई गई। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी समस्याओं पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई करने एवं योजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस सक्रिय चौपारण में पूर्व विधायक के आवास पर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से पूर्व विधायक उमा शंकर अकेला के आवास पर कांग्रेस कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष गुलाबी यादव ने की। बैठक में बीएलए पर्यवेक्षक मो० परवेज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि पूर्व जिला अध्यक्ष शालेंद्र यादव ने कार्यकताओं को संगठनात्मक एवं चुनावी प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं पूर्व उपप्रमुख प्रीति गुप्ता की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य एजेंडा एसआईआर अभियान रहा। इस दौरान नेताओं ने कार्यकताओं से अपने-अपने बूथ पर बीएलए के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची का सूक्ष्म, निष्पक्ष एवं पारदर्शी पुनरीक्षण सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक बूथ पर बीएलए की भूमिका को मजबूत किया जाएगा। मतदाताओं के नाम, पते एवं अन्य विवरणों की गहन जांच की जाएगी, साथ ही नए मतदाताओं को सूची में जोड़ने और त्रुटियों के त्वरित सुधार पर विशेष जोर दिया जाएगा। नेताओं ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही अथवा गड़बड़ी सामने आती है, तो इसकी सूचना तुरंत पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जिला कलेक्टर को दी जाए, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। बैठक के अंत में सभी कांग्रेस कार्यकताओं ने लोकतंत्र को सुदृढ़ करने, मताधिकार की रक्षा करने तथा संगठनात्मक दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नापोकलां काली मंदिर में हाई मास्ट लाईट का विधायक ने किया उद्घाटन

बड़कागांव : प्रखंड के छोटकी नापो कलां में काली पुजा मंदिर प्रांगण में हाई मास्ट लाइट नहीं होने के कारण मेले एवं पूजा में आए श्रद्धालुओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को दी तत्पश्चात विधायक ने इस समस्या को गंभीरता से समझते हुए 12 मीटर हाई मास्ट लाइट लगाने की बात ग्रामीणों को कहा था। इसके बाद विधायक रोशन लाल चौधरी मेला स्थल पर मास्ट लाइट लगवा दिया। जिसका का शुभारंभ सोमवार को विधायक रौशनलाल चौधरी ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया। मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि हमारा एक ही उद्देश्य है बड़गांव विधानसभा क्षेत्र का संपूर्ण विकास करना जिसके लिए मैं 24 घंटे कार्य कर रहा हूं। आगे उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या हो तो सीधा हमें बताएं हम जल्द से जल्द उसे समस्या का निदान करने के लिए तैयार हैं। मौके पर मुख्य रूप से नापाक खुर्द पंचायत के मुखिया गणेश साव, पंचायत समिति सदस्य गणेश साव,केंद्रीय कुशवाहा समाज अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, सुरेंद्र दांगी, तुलेश्वर राम सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

यज्ञ सहयोग राशि को लेकर उपजा विवाद सुलझा, विधायक की पहल से बनी सहमति

बरही : थाना अंतर्गत रसोईया धमना स्थित टोल प्लाजा के समीप अंसारनगर एवं कोयली गांव के युवाओं के बीच यज्ञ को लेकर सहयोग राशि लेने के दौरान उत्पन्न विवाद को मंगलवार को बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने बैठक कर सुलझा लिया। रसोईया धमना मोड़ पर बैठकर विधायक ने दोनों पक्षों से बातचीत की और शांति बनाए रखने की अपील की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी गलती को स्वीकार किया और भविष्य में आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मिलजुल कर रहने का निर्णय लिया। विवाद सुलझने के बाद क्षेत्र में पुनः शांति का माहौल कायम हो गया। इस अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि यज्ञ और ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं, न कि तोड़ने का, ऐसे कार्य में किसी भी प्रकार का विघ्न उत्पन करना गलत है, किसी भी समस्या का समाधान आपसी संवाद और समझदारी से ही संभव है। क्षेत्र में शांति, सद्भाव और भाईचारा बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। स्थानीय लोगों ने विधायक की पहल की सराहना करते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आश्वासन दिया। मौके पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव के साथ विधायक प्रतिनिधि सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, अंचलाधिकारी बरही चंद्रशेखर कुणाल, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बरही विनोद कुमार, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, स्थानीय मुखिया गोविंद प्रसाद, भंडारों मुखिया प्रतिनिधि सकलदेव यादव, सामाजिक कार्यकर्ता सह कांग्रेस नेता तौकीर रजा, तबरेज अंसारी, मुकेश साव, सीताराम साव, शंकर कुमार, शनिहाल कुमार, सूरज कुमार, निरंजन कुमार, शंकर राणा, मो जुनेद आदि उपस्थित रहे।

बरही विधानसभा में सांसद मनीष जयसवाल ने किया प्रतिनिधियों का मनोनयन

सांसद द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि

बरही : हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल ने संगठनात्मक मजबूती और क्षेत्र की जनसमस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से बरही विधानसभा क्षेत्र में अपने प्रतिनिधियों का मनोनयन किया है। सांसद द्वारा जारी सूची के अनुसार विभिन्न पदों पर अनुभवी और सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सांसद मनीष जयसवाल ने मुकुंद साव को बरही विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया है। वहीं गुरुदेव गुप्ता को जिला परिषद हजारीबाग के लिए सांसद प्रतिनिधि की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त बरही विधानसभा सह-प्रतिनिधि के रूप में मणिलाल यादव, रामस्वरूप पासवान एवं रंजीत चंद्रवंशी को मनोनीत किया गया है। पदमा प्रखंड प्रतिनिधि के रूप में अजय मेहता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बरही पूर्वी मंडल प्रतिनिधि के रूप में मोतीलाल चौधरी, बरही पश्चिमी मंडल के लिए भगवान केशरी, चौपारण पूर्वी मंडल के लिए सहदेव यादव, चौपारण मध्य मंडल के लिए रितेश कुमार बर्णवाल, चौपारण पश्चिमी मंडल के लिए आशीष सिंह तथा चंदवारा मंडल के लिए सुखदेव साव को मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर सांसद मनीष जयसवाल ने कहा कि सभी मनोनीत प्रतिनिधि जनता और संगठन के बीच सेतु का कार्य करेंगे। वे क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों तक पहुंचाएंगे तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। सांसद ने सभी नव मनोनीत प्रतिनिधियों से ईमानदारी, समर्पण और सेवा भावना के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई। इधर बरही विधान सभा प्रतिनिधि बने मुकुंद साव ने कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सांसद महोदय द्वारा दिया गया है, उसका ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे।

एक नजर

बंद घर का ताला तोड़कर कार व स्कूटी की चोरी

अनगड़ा : बिजली सब स्टेशन रोड बेड़वारी न्यु कॉलोनी में मंगलवार को कुलदीप साहू उर्फ गुड्डू के घर के मुख्य गेट का ताला तोड़कर चोरों ने वहां खड़े उसके स्विफ्ट कार व एक्टिवा स्कूटी की चोरी कर ली। कुलदीप साहू ने पुलिस को बताया कि उसने अपने नये घर पर स्विफ्ट कार जेएच 01डीएच 9362 व एक्टिवा स्कूटी जेएच 01डीजे 2072 खड़ी कर रखे थे। सुबह 10 बजे काम से निकले थे, डेढ़ घंटे में गेट का ताला टुटा हुआ गया और दोनों वाहन गायब पाये गये। घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी गौतम रजवार मौके पर पहुंचे और छानबीन किया, पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

सिल्ली के पतराहातू विद्यालय में घुसा लकड़बग्घा

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मंगलवार की सुबह में पतराहातू स्थित आदर्श उच्च विद्यालय में एक लकड़बग्घा घुस गया। लकड़बग्घा घुसने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में दहशत मच गई।सुबह में जैसे ही बच्चे विद्यालय में पहुंचे तो विद्यालय परिसर में लकड़बग्घा को देखते ही बच्चे घबरा गए और उनके बीच अफरा तफरी मच गई। लकड़बग्घा विद्यालय के उस कमरे में घुसा जिसका उपयोग काफी समय से नहीं हो रहा था। लकड़बग्घा जहां घुसा था वहां ग्रामीण डर के मारे नहीं जा रहे थे।सूचना मिलते ही बहुत सारे ग्रामीण मौके पर पहुंचे। शिक्षकों एवं ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी गई। अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ओरमांझी स्थित बिरसा जैविक उद्यान से विशेषज्ञ रेस्क्यू टीम को बुलाया एवं टीम द्वारा सावधानीपूर्वक लकड़बग्घा को सुरक्षित बाहर निकाला गया और पिंजरे में बंद कर ओरमांझी ले गए।मौके पर वन विभाग के वनपाल जयप्रकाश साहू,गौतम बॉस समेत चिड़ियाघर के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सरस्वती पूजा की तैयारी शुरू, मूर्तिकार प्रतिमाओं को दे रहे अंतिम रूप

रांची : 23 जनवरी को मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाएगी। शैक्षणिक संस्थानों में तैयारी शुरू हो चुकी है। शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर भी हर्षोल्लास से मां विद्यावाहिनी की पूजा की जाएगी। पूजा से पहले मूर्तिकारों ने मां सरस्वती की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पिस्का मोड़, अल्बर्ट एक्का चौक, चुना भट्ठा और कोकर में इस वर्ष 550 से अधिक भव्य मूर्तियां तैयार की गई हैं। इन प्रतिमाओं पर रंग रंगोन किए जा रहे है। विभिन्न थीमों पर मूर्तियां तैयार की गई है। पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ शिव मंदिर के समीप पिंटु मूर्तिकार पिछले 26 वर्षों से झारखंड में मूर्ति बना रहे हैं। इस बार उन्होंने सरस्वती पूजा के लिए 140 मूर्तियां तैयार की हैं। मूर्तियों की कीमत 2 हजार से 21 हजार रुपए तक रखी गई है।

10 कारीगरों ने बनाए 130 मां सरस्वती की प्रतिमाएं

अल्बर्ट चौक में मूर्तिकार रामचन्द्र पाल द्वारा इस वर्ष 130 मां सरस्वती की प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। इन मूर्तियों को बनाने में 10 कारीगर लगे हैं। यहां मां सरस्वती की आकर्षक प्रतिमाएं बनाई गई है। चुना भट्ठा, गाड़ी खाना चौक क्षेत्र में इस बार 100 सरस्वती प्रतिमाएं बनाई गई हैं। इनमें 50 बड़ी और 50 छोटी मूर्तियां शामिल हैं। यहां पर मूर्तियों की ऊंचाई 1 फीट से 15 फीट तक है। 500 रुपए से लेकर 30 हजार रुपए तक कीमत रखी गई है।

झारखंड में फाइलेरिया उन्मूलन को मिशन मोड अभियान, 10 फरवरी से एमडीए की शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में फाइलेरिया या हाथीपांव रोग को खत्म करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दिशा में राज्य सरकार ने मिशन मोड अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में नेपाल हाउस स्थित अपर मुख्य सचिव कार्यालय कक्ष में स्टेट टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई.बैठक की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, अजय कुमार सिंह ने की। बैठक में 10 फरवरी 2026 से शुरू होने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम की रणनीति, चुनौतियों और विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, कालाजार और जापानी

इंसेफेलाइटिस जैसी अन्य वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम पर भी विचार किया गया. इसमें अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, उप निदेशक डॉ. लाल माझी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, विश्व स्वास्थ्य संगठन और पीरामल स्वास्थ्य के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि फाइलेरिया एक गंभीर परजीवी रोग है, जो मच्छरों के माध्यम से फैलता है। दुनिया के 72 देश लिम्फेटिक फाइलेरिया से प्रभावित हैं और लगभग 88.8 करोड़ लोग जोखिम में हैं। भारत में अब तक लगभग 6 लाख लिम्फोडेमा और 2 लाख हाइड्रोसील मरीज चिन्हित किए गए हैं। झारखंड में 57,436 लिम्फोडेमा मरीज पंजीकृत किए जा चुके हैं। एमडीए-2026 कार्यक्रम के तहत 10 फरवरी 2026 से राज्य के 14 जिलों बोकारो, देवघर, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, कोडरमा, लोहरदगा, पाकुड़, रामगढ़, रांची, साहेबगंज और सिमडेगा के 87 चिंहित प्रखंडों के 14,496 गांवों में लगभग 1.75 करोड़ लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाएं दी जाएंगी। दवा का सेवन प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में सुनिश्चित किया जाएगा। राज्य सरकार ने एमडीए के सफल संचालन के लिए कई पहल की हैं। लिम्फोडेमा मरीजों के उपचार हेतु 215 कार्यशील एमएमडीपी क्लिनिक बनाए गए हैं। 5053 मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र दिए गए हैं और 1714 हाई-प्रायोरिटी गांव चिंहित किए गए हैं।

पंचायत स्तर पर 230 एमडीए मिशन स्क्वाड का गठन किया गया है और 289 सामुदायिक स्वयंसेवक इसमें भाग लेंगे। बेहतर निगरानी के लिए राज्य मुख्यालय में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जिसमें गूगल शीट के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि एमडीए केवल दवा वितरण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि दवा का सेवन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि समुदाय के सभी पात्र लोग लगातार पांच वर्षों तक वर्ष में एक बार दवा का सेवन करेंगे, तो झारखंड से फाइलेरिया पूरी तरह उन्मूलन संभव है। उन्होंने इसे जन आंदोलन के रूप में लेने और व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को जागरूक करने की अपील की।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, रांची समर्पण शाखा की ओर से मंगलवार को आर.बी. स्प्रिंगडेल स्कूल, किशोरगंज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आशा सर्राफ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड वितरित किए गए। यह जानकारी संस्था की मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन मंच के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत किया गया है, जिसके तहत समाजहित से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। सरिता बथवाल ने कहा कि मंच का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर निरंतर कार्य करना है। इसी क्रम में स्कूल परिसर में छात्राओं को मासिक स्वच्छता के महत्व, आवश्यक सावधानियों और सही जानकारी के प्रति जागरूक किया गया। बालिकाओं को स्वच्छता अपनाने, आत्मनिर्भर बनने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आगे भी जनहित से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन एवं संपूर्ण आयोजन आशा सराफ और स्मिता अग्रवाल द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से किया गया, जिससे कार्यक्रम प्रभावी और अनुशासित रूप में संपन्न हुआ।

मंत्री शिल्पी ने अल्का लांबा से की मुलाकात महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिल्ली दौरे पर मंगलवार को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा से खास मुलाकात की। राज्य में महिलाओं और मनरेगा से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए इस मुलाकात को महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा की लड़ाई को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बताया कि लांबा से बातचीत के दौरान महिलाओं पर हो रहे शोषण के खिलाफ संघर्ष को तेज करने पर सहमति बनी है। जिससे महिला कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। इसके अलावे आगामी महिला दिवस के अवसर पर झारखंड में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित करने को

लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इसमें विशेष रूप से झारखंड के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के संघर्ष, उनकी रोजमर्रा की जद्दोजहद और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों को बदलते भारत की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। चर्चा के दौरान कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे मनरेगा संग्राम में महिलाओं की अहम भूमिका को रेखांकित किया गया। मंत्री ने कहा कि मनरेगा के तहत रोजगार पाने वालों में महिला श्रमिकों की संख्या उल्लेखनीय है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा में बदलाव कर महिलाओं को उनके गांव-घर में मिलने वाले रोजगार से वंचित करने की साजिश की जा रही है। ऐसे प्रयासों के खिलाफ संगठित आंदोलन चलाने पर सहमति बनी।

प्रदेश भाजपा नेताओं ने नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू सहित भाजपा नेताओं ने नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साहू ने कहा कि नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा को नई ऊर्जा मिलेगी देश की युवा शक्ति करोड़ों की संख्या में सक्रिय रूप से पार्टी से जुड़कर प्रधानमंत्री के संकल्प आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने में योगदान करेगी। झारखंड की धरती से राष्ट्रीय अध्यक्ष का विशेष लगाव है। झारखंड इनकी जन्मभूमि है। इसलिए झारखंड के कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है।

शुभकामना देने वालों में ये रहे शामिल

राष्ट्रीय अध्यक्ष को शुभकामनाएं देने वालों में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास, मधु कोड़ा, चंपाई सोरेन, एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, पी एन सिंह, अभयकांत प्रसाद, डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, यदुनाथ पांडेय, डॉ रविंद्र कुमार राय, विकास प्रीतम, बालमुकुंद सहाय, गणेश मिश्र सहित झारखंड के सभी राष्ट्रीय परिषद के सदस्य शामिल हैं।

पंचायत सहायकों का विशाल धरना प्रदर्शन अल्पमानदेय और भविष्य की असुरक्षा पर आवाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के आह्वान पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रांची के नागा बाबा खटाल स्थित धरना स्थल पर एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में राज्य भर के हजारों पंचायत सहायकों ने हिस्सा लिया, जिसमें बड़कागांव प्रखंड के सहायकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से आए पंचायत सहायकों ने अपनी एकजुटता दिखाते हुए सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नितेश कुमार, बिरेंद्र कुमार महतो ,शंकर कुमार साव ,महुगाईकलांः श्याम कुमार भार्गव, राजू कुमार दांगी,अनिल कुमार मांझी शामिल हुए। धरना

प्रदर्शन के दौरान सहायकों ने स्पष्ट किया कि वे लंबे समय से अल्प मानदेय और अनिश्चित भविष्य के बीच कार्य कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांगों में नियमितीकरण, उचित मानदेय का निर्धारण और सेवा शर्त नियमावली को लागू करना शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पंचायत सचिवालय के माध्यम से वे सरकार की तमाम योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम करते हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

स्वास्थ्य योजनाओं में देरी पर झारखंड सरकार सख्त सहिया का लंबित मानदेय तत्काल भुगतान के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में हो रही देरी, भुगतान की धीमी गति और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मद में अब तक केवल 50 प्रतिशत राशि खर्च होने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने मंगलवार को सभी जिलों के सिविल सर्जनों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी सहिया का लंबित मानदेय तत्काल भुगतान किया जाए। साथ

ही एनएचएम मद में शेष राशि का उपयोग जनवरी माह के अंतिम सप्ताह तक अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने चेतावनी दी कि स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अजय कुमार सिंह ने एनएचएम, 15वें वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि एनएचएम मद में अब तक केवल 50 प्रतिशत राशि ही खर्च हो सकी है, जिसे उन्होंने गंभीर विषय बताया और इस पर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिया कि लंबित बिलों का शीघ्र भुगतान, मानदेय एवं वेतन मद में खर्च तथा विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन के माध्यम से व्यय की गति बढ़ाई जाए। पीएम-अभीम योजना की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने कहा कि जहां टेंडर प्रक्रिया लंबित है, वहां उसे अविलंब पूरा किया जाए और जहां टेंडर हो चुके हैं, वहां कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी आम जनता तक पहुंचेगा, जब उनका समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. सिद्धार्थ सान्याल सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मौनी अमावस्या पर संक्राचार्य के अपमान पर कांग्रेस ने की कार्रवाई की मांग

रांची : मौनी अमावस्या पर संक्राचार्य महाराज के साथ हुए कथित अपमान की घटना ने देशभर के सनातनियों में आक्रोश पैदा कर दिया है। इसकी निंदा करते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने इसे सनातन संस्कृति और हिंदू संत परंपरा के विरुद्ध सुनियोजित साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल एक संत का अपमान है, बल्कि पूरे हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य है। आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि मौनी अमावस्या का पर्व संयम, मौन, तप और आध्यात्मिक शांति का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर त्रिवेणी स्नान करने पहुंचे संक्राचार्य जैसे जगद्गुरु के साथ जिस प्रकार का दुर्व्यवहार किया गया, वह असामाजिक और विधर्मी मानसिकता की पराकाष्ठा को दशार्ता है। उन्होंने इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में अराजकता फैलाने और धार्मिक सौहार्द को तोड़ने की साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस किसी भी कीमत पर इस घटना को नजरअंदाज नहीं करेगी। यदि प्रशासन दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई करने में विफल रहता है, तो कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। दोषियों को संरक्षण देने वालों को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। मंगलवार को आनंद बिहारी दुबे ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति एवं केंद्रीय गृह मंत्री को एक मांग पत्र भेजा।

आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात, छात्रों की समस्याओं से कराया अवगत

रांची : आदिवासी छात्र संघ, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय , रांची के अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की और विश्वविद्यालय सहित राज्य के छात्रों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। विवेक तिर्की ने बताया कि झारखंड में आदिवासी, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र उच्च शिक्षा के दौरान गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और शैक्षणिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने ई-कल्याण छात्रवृत्ति योजना में हो रही देरी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि समय पर भुगतान न होने के कारण कई छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के विश्वविद्यालयों में शीघ्र स्थायी कुलपतियों की नियुक्ति की मांग की, यह बताते हुए कि वर्षों से प्रभारी कुलपतियों के भरोसे विश्वविद्यालय संचालित होने से शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही डीएसपीएमयू का नामकरण वीर शहीद बुधु भगत विश्वविद्यालय किए जाने की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने की मांग भी रखी गई। छात्र संघ चुनाव शीघ्र कराने तथा उच्च शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाने की आवश्यकता पर भी प्रतिनिधिमंडल ने जोर दिया।

रांची नगर निगम ने कर्मचारियों के लिए लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रांची : रांची नगर निगम ने अपने कर्मचारियों और सफाई मित्रों की सेहत का ध्यान रखते हुए एक मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। यह शिविर नगर निगम कार्यालय के आठवें तल्ले पर आयोजित किया गया। इस शिविर में नगर निगम की अलग-अलग शाखाओं में काम करने वाले अधिकारी, कर्मचारी और सफाई मित्र शामिल हुए। कुल 262 लोगों ने अपनी सेहत की जांच कराई। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचआईवी, डेंगू और मलेरिया की जांच की गई। डॉक्टरों ने सभी को सेहत से जुड़ी सलाह दी और जरूरत पड़ने पर नि:सुल्क दवाएं भी दी गईं। नगर निगम ने बताया कि आगे भी ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे, ताकि सभी कर्मचारी और सफाई मित्र समय-समय पर अपनी सेहत की जांच करा सकें।

हेल्थ मैप आउट, हाईटेक मशीनें इन अब रिम्स में ही होगी सभी बड़ी जांच

रांची : रिम्स में संचालित रेडियोलॉजी सेंटर हेल्थ मैप का राज्य सरकार के साथ किया गया अनुबंध समाप्त हो गया है। करार की अवधि पूरी होने के बाद रिम्स प्रबंधन ने इसे आगे विस्तार नहीं देने का निर्णय लिया है। हेल्थ मैप का राज्य का सबसे बड़ा केंद्र रिम्स परिसर में संचालित था, जहां बड़ी संख्या में मरीजों की जांच होती थी। हालांकि अब रिम्स के पास पर्याप्त आधुनिक संसाधन उपलब्ध होने के कारण मरीजों को जांच के लिए किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। पूर्व में रिम्स का रेडियोलॉजी विभाग तकनीकी रूप से कमजोर था और मशीनें भी पुरानी थी। इसी कारण मरीजों की जांच के लिए हेल्थ मैप पर निर्भरता बढ़ी थी। हेल्थ मैप में आधुनिक मशीनें उपलब्ध होने के कारण मरीजों को बेहतर गुणवत्ता की जांच कम दरों पर मिल रही थी। सरकार के साथ हुए एग्रीमेंट के तहत यहां निजी जांच केंद्रों की तुलना में 50 से 60 प्रतिशत तक कम दरों पर जांच की जाती थी। अब करार समाप्त होने के बाद हेल्थ मैप को बंद किया जा रहा है। रिम्स प्रबंधन के अनुसार, अब संस्थान पूरी तरह आत्मनिर्भर हो चुका है। एमआरआई, सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड जैसी सभी प्रमुख जांच सुविधाएं रिम्स के अपने संसाधनों से उपलब्ध हैं। मरीजों की निर्भरता अब बाहरी एजेंसी पर नहीं रही है। आरआईओ बिल्डिंग में थ्री टेस्ला एमआरआई मशीन स्थापित की जा चुकी है और जांच भी शुरू हो चुकी है. यह मशीन करीब दो महीने पहले इंस्टॉल की गई थी। फिलहाल बिना कंट्रास्ट वाली जांच की जा रही है। कंट्रास्ट जांच के लिए जरूरी व्यवस्था प्रक्रिया में है। इसके अलावा एक और अत्याधुनिक एमआरआई मशीन के लिए वर्कऑर्डर जारी किया जा चुका है, जिसकी लागत लगभग 22 करोड़ रुपये है।

आगामी नगरपालिका चुनाव 2026 की तैयारी को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले में आगामी नगरपालिका चुनाव 2026 को लेकर जिले में प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त महोदया ने स्पष्ट रूप से कहा कि चुनाव की घोषणा कभी भी हो सकती है, ऐसे में सभी संबंधित कोषांग अभी से पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने सभी कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि चुनाव से संबंधित हैंडबुक का गहन अध्ययन करें और अपने-अपने दायित्वों को भली-भांति समझें। जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफल चुनाव संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मतदान कर्मियों की नियुक्ति, चयन एवं आवश्यकता का आकलन (असेसमेंट) शीघ्र पूरा करने पर विशेष बल दिया गया। निवार्ची पदाधिकारी एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी निर्वाचन संबंधी आर ओ हस्तपुस्तिका का अध्ययन कर लें। उपायुक्त ने बताया कि सिमडेगा जिले में नगरपालिका चुनाव के लिए कुल 20 वार्ड निर्धारित हैं, जिनमें 37 मतदान केंद्रों पर चुनाव संपन्न कराया जाएगा। चुनाव की घोषणा के साथ ही नामांकन प्रक्रिया, मतपत्रों की छपाई, चुनाव सामग्री, कार्मिक, प्रशिक्षण एवं परिवहन कोषांग सहित सभी कोषांगों को सक्रिय होकर कार्य करने का निर्देश दिया गया। परिवहन कोषांग को आवश्यक वाहनों की सूची एवं उपलब्धता का आकलन करने को कहा गया। कार्मिक कोषांग आवश्यक कर्मियों की सूची तैयार कर उन्हें प्रशिक्षण के लिए अद्यतन करें। वहीं मीडिया कोषांग को आदर्श आचार संहिता से संबंधित प्रचार-प्रसार सामग्री तैयार करने, सभी पत्रकारों के लिए पहचान पत्र निर्गत करने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रवि किशोर राम, जिला पंचायती राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी, एलआरडीसी अरुणा कुमारी, जिला जन-संपर्क पदाधिकारी पलटू महतो, नगर परिषद प्रशासक, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

एक नजर

आंखों की सुरक्षा की दिशा में सिमडेगा ने बढ़ाया एक और कदम

सिमडेगा : जिले में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। सिमडेगा शहर के नीचे बाजार में आई फोर्ट आई केयर संस्थान का उद्घाटन उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह द्वारा किया गया। उद्घाटन के उपरांत उपायुक्त महोदया ने संस्थान में उपलब्ध नेत्र जांच, आधुनिक उपचार सुविधाओं एवं चश्मों की विस्तृत रेंज की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सुविधाओं के उपलब्ध होने से आम नागरिकों को बेहतर और सुलभ नेत्र चिकित्सा सेवा मिल सकेगी।

यूनिक कंसल्टेंसी सर्विसेज ने मनाई आठवीं वर्षगांठ

सिमडेगा : शहर के बीरु कॉम्प्लेक्स स्थित यूनिक कंसल्टेंसी सर्विसेज में संस्था की आठवीं वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सेंटर के निदेशक दिलीप कुमार कश्यप ने बताया कि संस्था ने अपने सफल संचालन के आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं और इस दौरान सैकड़ों लोगों को रोजगार व विभिन्न सेवाओं से लाभान्वित किया है। उन्होंने बताया कि संस्था के माध्यम से अनेक लोगों को निजी संस्थानों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। वहीं टू-लेट सर्विस के जरिए लोगों को किराये पर मकान, दुकान, कार्यालय एवं गोदाम जैसी सुविधाएं दिलाई गई हैं, जिससे आम लोगों को काफी सहूलियत मिली है। दिलीप कुमार कश्यप ने जानकारी दी कि वर्तमान में निजी विद्यालयों के लिए शिक्षक पद हेतु साक्षात्कार प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा निजी संस्थानों के लिए नर्सिंग स्टाफ, ऑपरेटर, अकाउंटेंट, रिसेप्शनिस्ट, सेल्समैन, होम मेड, ड्राइवर सहित अन्य पदों के लिए भी साक्षात्कार जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी अपनी योग्यता से संबंधित जानकारी एवं परामर्श के लिए कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 6200795150 पर कॉल कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं टू-लेट सर्विस के इच्छुक लोग किराये पर मकान, दुकान, कार्यालय या गोदाम लेने अथवा देने के लिए भी संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर संस्था के निदेशक दिलीप कुमार कश्यप के अलावा प्रवीण कुमार, प्रमिला कुमारी, प्रवेश कुमार, सौरभ कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पश्चिमी सिंहभूम ने रामगढ़ को एक विकेट से हराया

कोडरमा : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को पश्चिमी सिंहभूम और रामगढ़ के बीच चंदवारा पुलिस लाइन मैदान में मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रामगढ़ ने 46.3 ओवर में 224 रन बनाए। जिसमें विराट ने 58 रन पीयूष ने 31 रन और शशांक ने 28 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की ओर से सोहन ने चार विकेट चंदन ने दो और कृष्णा तथा ओमप्रकाश ने एक-एक विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी पश्चिमी सिंहभूम की टीम ने 44.1 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज कर ली। पश्चिमी सिंहभूम की ओर से सोहन ने 45 रन शिवम ने 29 जीशान 27 और नीतीश ने 28 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए रामगढ़ की ओर से प्रथम ने 4 विकेट आयुष ने दो और मृत्युंजय ,शशांक तथा कुमार अंसराज ने एक-एक विकेट लिए। बेहतर खेल के लिए पश्चिम सिंहभूम के सोहन मैती को मैन ऑफ द मैच कोडरमा जिला पुलिस लाइन के मेजर विधान चंद्र शर्मा के हाथों दिया गया।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या के आरोपी पति को 15 साल सश्रम कारावास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : एसटी-135/202, दहेज के लिए पत्नी की गला दबा कर हत्या किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने आरोपी पति- मोनू कुमार पिता- रामचंद्र राम, महेशपुर डोमचांच, जिला-कोडरमा निवासी को 304 बी आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 15 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 2 0,000 जुमार्ना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला वर्ष 17 सितबर 2023 का है । इसे लेकर मृतका की मां आशा देवी ने डोमचांच थाना में डोमचांच थाना कांड संख्या 121/ 2023 दर्ज कराया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान सभी 10 गवाहों का परीक्षण कराया गया। कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता तरुण कुमार मोनिका ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यो का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त को 304 बी आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए, 15 साल सश्रम कारावास की सजा मुकर्रर की और जुर्माना लगाया। कोडरमा- थाना को दिए आवेदन में मृतिका की माँ आशा देवी ने कहा था कि 17-09-2023 को 12 से 1 बजे उनकी पुत्री उन्हें फोन कर कहा कि मुझे बचा लो। उसके कुछ देर के बाद ही उन्हें सूचना मिली कि उनकी पुत्री की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी पुत्री दुर्गा कुमारी की हत्या उसके पति एवं ससुराल वालों ने एक मोटरसाइकिल (एक लाख रुपया) के लिए मिलकर कर दी है। उन्होंने कहा कि उनकी पुत्री को एक मोटरसाइकिल के लिए पति एवं ससुराल के अन्य लोगों के द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।

लापता 13 वर्षीय अभिनंदन कुमार राणा का शव झाड़ी में मिलने से गांव में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत कादोडीह पंचायत के ग्राम राजारायडीह निवासी प्रकाश राणा का 13 वर्षीय पुत्र अभिनंदन कुमार राणा का शव रास्ते के बगल झाड़ी में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक अभिनंदन कुमार राणा उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिचरिया नईटांड़ का छात्र था। अभिनन्दन सोमवार शुबह 7 बजे शौच के लिए निकला था। उसके बाद घर वापस नहीं आया।परिजन उसके लापता होने के बाद से लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। गुम होने की खबर मरकच्चो थाना को भी दी गयी। मरकच्चो थाना पुलिस के द्वारा क्षेत्र के जंगल व चौबे तरफ भी खोजबीन किया गया ।लेकिन कोई सुराग नही मिल पाया। मंगलवार सुबह जब ग्रामीणों ने शव देखा तो तुरन्त मरकच्चो थाना को सुचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नंदकिशोर तिवारी, एसआई विशाल सिंह दलबल के साथ घटना स्थल व उसके घर पहुंचे। गुस्साए परिजन व ग्रामीणों ने सुबह 10 बजे से 12 बजे तक मरकच्चो बरियारडीह मुख्य सड़क पर लाश को रखकर जाम कर दिया। बाद मे जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों के सहयोग से समझा बुझाकर सड़क जाम को हटाया गया।उसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु कोडरमा सदर भेज दिया गया है। मौके पर प्रमुख बिजय कुमार सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राज कुमार यादव, बिजय यादव, बसन्त साव, समाजसेवी बसन्त साव ,सी ओ परमेश्वर कुशवाहा, बी डी ओ हुलास महतो, एस डी पी ओ अनील कुमार, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार,थाना प्रभारी नन्द किशोर तिवारी, विशाल सिंह, नवलशाही थाना प्रभारी सुमन कुमार, चंदवारा थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार, धनन्जय कुमार समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

कोडरमा नप वार्ड नंबर 5 आंबेडकर नगर के लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

कोडरमा : वार्ड नंबर 5 सदर अस्पताल के पीछे अंबेकर नगर में पी सी सी रोड, नाली निर्माण एवं हाई मास्ट लाइट की मांग को लेकर कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति ने नगर अध्यक्ष प्रत्याशी धरतीपुत्र महेश भारती के नेतृत्व में ग्रामीणों के साथ मंगलवार को कोडरमा नगर प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा से एक प्रतिनिधि मंडल मिला जिसको संज्ञान में लेते हुए संबंधित जेई को तुरंत जांच कर उचित कार्यवाही करने का निर्देश दिए। साथ ही उक्त क्षेत्र में स्वयं भी जांच हेतु जाने की बात कहे और जल्द ही समस्या का समाधान होगा आश्वाशन दिए। वही प्रतिनिधि मंडल में भारती ने कहा कि कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति लगातार कोडरमा की जन समस्याओं जैसे चाहे वह माइनिंग कॉलेज ,जे जे कॉलेज, सदर अस्पताल, रोड, नाली, बिजली, पानी आदि को लेकर लगातार संघर्ष करते आ रही है आज इसी आलोक में चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आजाद भारत के हरियाली झारखंड का एक छोटा सा जिला कोडरमा में स्वस्छ व सुंदर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 5 सदर अस्पताल के पीछे आंबेडकर नगर के लोग नरकीय जीवन जीने को बेबस हो रहे है। वहां पर ना तो उचित रहने के लिए किसी के पास मकान है। और ना ही संपूर्ण रोड ,नाली की व्यवस्था है। और सदर अस्पताल का पूरा गंदा पानी भी उसी आंबेडकर नगर हो के गुजरता है। उचित निकासी का साधन नहीं होने के कारण गंदा पानी का जल जमाव हो रहा है। जिससे वहां के लोगों को रहने आने जाने बैठने उठने आदि जैसे अन्य जन सुविधाओं के से वंचित है। ऐसी विकट स्थिति को कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति जन हित में प्रशासक से मांग किया गया कि वार्ड नंबर 5 सदर अस्पताल के पीछे आंबेडकर नगर में पी सी सी रोड, नाली निर्माण एवं हाई मास्ट लाइट लगाया जाय ताकि आंबेडकर नगर के वासी स्वस्छ वातावरण में रह सके जिसकी प्रतिलिपि मुख्य मंत्री, नगर विकास मंत्री झारखंड सरकार रांची, विधायक कोडरमा, उपायुक्त कोडरमा को भी देने का काम करेंगे। साथ ही भारती ने कहा कि जनहित में मांगो को अविलंब पूरा नहीं किया गया तो, 5 फरवरी को जन सहयोग से जनाक्रोश आंदोलन के लिए लोग होंगे विवश।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल की छात्रा अवनी कुमारी का शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल की कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा अवनि कुमारी ने एक और शानदार उपलब्धि हासिल की है। राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद, अवनि का चयन झारखंड राज्य टीम में हुआ। मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, अवनि ने अपनी असाधारण प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी आयु वर्ग और 10 मीटर राइफल सब यूथ वुमन इवेंट में अखिल भारतीय स्तर पर 27वीं रैंक हासिल की। अवनी के इस शानदार प्रदर्शन पर विद्यालय के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने अवनी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अवनी ने अपने स्कूल का नाम पूरे देश में रौशन करने का कार्य किया है। वहीं निर्देशिका संगीता शर्मा ने कहा कि अवनी के प्रदर्शन ने ये साबित किया है अपनी मेहनत और प्रतिभा से कोई भी कार्य असंभव नहीं है और उसे हासिल किया जा सकता है । विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित कर अवनी कुमारी के अलावा विद्यालय के छात्र सिद्धार्थ कुमार जिनका चयन झारखंड की खो खो टीम में हुआ है उन्हें सम्मानित किया गया। इसके अलावा विद्यालय के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा कि आगामी सत्र के लिए नामांकन की प्रक्रिया आरम्भ हो गई है तथा सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर कक्षा प्ले ग्रुप से लेकर तृतीय कक्षा तक नामांकन फ्री है। विस्तृत जानकारी अभिभावक विद्यालय कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

जलडेगा में 48 घंटे की चेतावनी के बाद सख्त कार्रवाई, अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : प्रखंड में सड़क अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन की सख्त कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में स्पष्ट संदेश दे दिया है कि सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंचल अधिकारी, जलडेगा के आदेशानुसार दिनांक 08 जनवरी 2026 को आम सूचना जारी कर सड़क के बीच से दोनों किनारों में 20 फीट तक किए गए अतिक्रमण को पूर्णतः अवैध घोषित किया गया था और सभी अतिक्रमणकारियों को 48 घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। जारी सूचना में यह भी स्पष्ट किया गया था कि समय-सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा अतिक्रमण हटाने में प्रयुक्त जेसीबी मशीन, अमीन सहित अन्य संसाधनों का संपूर्ण खर्च अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा। साथ ही कार्रवाई के दौरान किसी भी सामग्री के क्षतिग्रस्त होने की जिम्मेदारी भी संबंधित अतिक्रमणकारियों की होगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी अंचल अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार ने साफ तौर पर कहा था कि इस दायरे में आने वाले दुकानदारों, सब्जी विक्रेताओं, ठेला संचालकों, टेंपो चालकों एवं झुग्गी-झोपड़ी लगाने वालों को अनिवार्य रूप से अतिक्रमण हटाना होगा। प्रशासन ने जलडेगा पुलिस के सहयोग से माइकिंग कर आम लोगों को बार-बार चेतावनी दी और विभिन्न स्थानों पर सूचना पोस्टर भी चिपकाए गए, लेकिन इसके बावजूद कई लोगों ने प्रशासन के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। अंततः दिनांक 20 जनवरी 2026 को प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जेसीबी मशीन के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस कार्रवाई का नेतृत्व बीडीओ डॉ. प्रवीण कुमार ने किया। उनके साथ थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार, राजस्व उप निरीक्षक, अंचल अमीन एवं पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासनिक मौजूदगी में सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था में भी सुधार देखने को मिला। इस कार्रवाई के बाद आम लोगों में प्रशासन के प्रति भरोसा बढ़ा है। लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद प्रशासन ने चेतावनी के बाद ठोस और निष्पक्ष कार्रवाई कर यह साबित किया है कि कानून सभी के लिए समान है।

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस को लेकर सिमडेगा में परेड रिहर्सल की शुरूआत

सिमडेगा : जिले में गणतंत्र दिवस 2026 के सफल आयोजन को लेकर आज से परेड रिहर्सल की शुरूआत की गई। जिला मुख्यालय स्थित अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा में आयोजित रिहर्सल में पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। रिहर्सल के दौरान जनरल सैल्यूट, राष्ट्रीय गान, अनुशासन, समयबद्धता एवं आपसी समन्वय पर विशेष ध्यान दिया गया। पदाधिकारियों द्वारा परेड की बारीकियों का अभ्यास कराते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाईक सवार को मारी टक्कर दो लोग घायल

ठेठईटांगर : प्रखंड के जोराम पंचायत अंतर्गत जामपानी गांव में एक अत्यधिक रफ्तार ट्रेलर ने मोटरसाईकिल सवार दो लोगों को धक्का मार दिया, घायल व्यक्तियों को 108 की मदद से रेफरल अस्पताल ठेठईटांगर पहुंचाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है साथ ही ग्रामीणों ने एन एच 143 को जाम कर दिया ग्रामीणों का मांग सड़क पर ब्रेकर बनाने को लेकर सड़क जाम किया गया था, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के आश्वासन देने एवं मनाने के बाद जाम खोल दिया गया है, इधर घायलों का ईलाज रेफरल अस्पताल ठेठईटांगर में चल रहा है घायल में शहादत हुसैन पिता स्वर्गीय साहिब मीर एवं अबरार खान पिता मुस्ताफा खान सिमडेगा बीच मोहल्ला निवासी है जो की फेरी का काम करते थे एवं अपने सामान बेचने केरिया की ओर गए हुए थे तभी यह घटना घटी शहादत हुसैन का दाहिना हाथ टूट गया है एवं अबरार खान को भी काफी चेटें आई है बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है, ठेठईटांगर अस्पताल में घायल व्यक्ति का हाल-चाल जानने एवं बेहतर ईलाज कराने के लिए प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज एवं विधायक प्रतिनिधि मो कारू भी पहुंचे। मौके पर जामपानी एवं आसपास के बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हुए थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन मिंज एवं थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ में मौजूद थे काफी समझाने के बाद जाम को हटा दिया गया है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025 में ग्रिजली विद्यालय के आयुष सिन्हा का शानदार प्रदर्शन, राज्य में द्वितीय स्थान

कोडरमा : ग्रिजली विद्यालय के कक्षा 7 के मेधावी छात्र आयुष सिन्हा ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025 में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए विद्यालय, जिले एवं परिवार का नाम रोशन किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आयुष का राष्ट्रीय स्तर के लिए भी चयन हुआ है, जो ग्रिजली विद्यालय समुदाय के लिए विशेष गर्व का क्षण है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन देश की सबसे बड़ी डिजिटल आधारित विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अनुसंधान की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता विज्ञान भारती द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित की जाती है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी को केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सीआईएमएफआर), धनबाद में हुआ। आयुष की इस उल्लेखनीय उपलब्धि में उनकी मेंटर एवं विज्ञान शिक्षिका शालिनी सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने उनकी वैज्ञानिक जिज्ञासा, तार्किक सोच और विषयगत समझ को निरंतर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने आयुष को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उसकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिणाम है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर निदेशक द्वय अविनाश सेठ एवं मनीष कपसीमे, सीओओ तनिष्क सेठ, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र कुमार चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट सर्विस सेल संयोजक सुधांशु कुमार, सीसीए संयोजक राजीव रंजन सिंह सहित समस्त ग्रिजली विद्यालय परिवार ने आयुष सिन्हा, उनकी मेंटर शालिनी सिन्हा एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

बरियारडीह बिरहोर कॉलोनी से 4 माह पूर्व लापता 3 वर्षीय बच्ची का अब तक कोई सुराग नहीं

मरकच्चो : जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र के बरियारडीह स्थित बिरहोर क्लोनी से चार माह पूर्व गुमशुदा हुई तीन वर्षीय बिरहोर बच्ची का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। बच्ची के माता पिता अपनी बच्ची के मिल जाने की आस लगाए हैं। चार माह पूर्व बच्ची की गुमशुदगी को लेकर बच्ची के पिता बबलू बिरहोर ने मरकच्चो थाना में आवेदन देकर अपने बच्ची के खोजबीन की गुहार लगाई थी। दिए गए आवेदन में बबलू बिरहोर ने बताया था की उसकी तीन वर्षीय बच्ची सुमन बिरहोर चार सितंबर की सुबह साढ़े नौ बजे अन्य बच्चों के साथ बरियाडीह चौक तरफ गई थी। लगभग एक घंटा बीत जाने के बाद उसके साथ गए सभी बच्चे अपने - अपने घर लौट आए लेकिन उसकी बच्ची घर नहीं लौटी। जिसके बाद वे लोग बच्ची की खोजबिन करने बरियारडीह चौक समेत अन्य जगहों कुंवे तालाबों की तरफ भी बच्ची का खोजबीन किया लेकिन उसका कुछ अता - पता अब तक नहीं चल पाया है।

विवेकानंद में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद महोत्सव का शुभारंभ, जिप अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

कोडरमा : चेचाई, चाराडीह स्थित विवेकानंद कान्वेंट स्कूल में दो द्विसीय वार्षिक खेल कूद महोत्सव का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव हाथों हुआ। विद्यालय के बैंड टीम के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। वही विद्यालय निदेशक अनिल कुमार व प्राचार्य राधेश्याम पंडित ने पौधा भेंट कर उनका अभिनन्दन किये। मुख्य अतिथि ने मशाल जलाकर वार्षिक खेल कूद का शुभारंभ किये। खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनायें दिए। वही खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए उन्हें शिक्षा के साथ साथ खेल कूद को भी अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सलाह दिए। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व बैंक पदाधिकारी व रोटरी क्लब के अध्यक्ष संतोष सिन्हा ने भी खिलाड़ियों से मिलकर उनका हौसला अफजाई किये। उन्हें सम्बोधित करते हुए उन्हें बेहतर खिलाड़ी व नेक इंसान बनने के लिए प्रेरित किये। आज पहला दिन सीनियर लड़के एवं लड़कियों के बीच हाउस वाइज खो खो एवं कबड्डी का मैच करवाया गया। खिलाड़ियों ने अपने अपने टीमों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। जिसमें खो खो में राजगुरु हॉउस एवं सोना ग्रुप विजेता रहा। वही कबड्डी में सुखदेव हॉउस व संजना ग्रुप विजेता रहा।

एक नजर

कोनजोबा मुखिया ने विभिन्न गांवों में किया कंबल वितरण

केरसई : प्रखंड अंतर्गत कोनजोबा पंचायत क्षेत्र के विभिन्न टोलों में घर-घर जाकर मुखिया मुंस खेस्स ने बढ़ती ठंड के प्रकोप को देखते हुए ठंड से राहत देने के उद्देश्य से बुजुर्ग एवं जरूरतमंद असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर वृद्ध, असहाय, विधवा व विकलांगों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। मुखिया ने कहा कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ठंड के मौसम में गरीब, बुजुर्ग और असहाय लोगों की सहायता करना पंचायत की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे भी इस तरह के जनकल्याणकारी कार्य जारी रखने की बात कही। कंबल पाकर लाभुकों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली और उन्होंने मुखिया के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला भू-अर्जन कार्यालय की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिला भू-अर्जन कार्यालय की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग NH-320G अंतर्गत कोलेबिरा बानो मनोहरपुर सड़क चौड़ीकरण से संबंधित भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त महोदया ने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अंचलाधिकारी कोलेबिरा, सीआई बानो एवं संबंधित हल्का कर्मचारियों को निर्देश दिया कि सड़क चौड़ीकरण में अधिग्रहित भूमि एवं संरचनाओं के मुआवजा भुगतान में आ रही समस्याओं का मौजा एवं प्लॉटवार निष्पादन कर अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि भूमि अधिग्रहण, संरचना मूल्यांकन, भुगतान की स्थिति एवं लंबित मामलों की सही और तथ्यपरक जानकारी संकलित कर विभाग को भेजी जाए।

अपर उपायुक्त की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस 2026 की तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : उपायुक्त के निदेर्शानुसार आज समाहरणालय सभागार, सरायकेला में अपर उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां जायबर्धन कुमार की अध्यक्षता में आगामी 26 जनवरी, 2026 के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के निमित्त समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान विगत बैठक में विभिन्न विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियों के संबंध में अब तक की गई तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अपर उपायुक्त द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि समारोह से जुड़ी समस्त व्यवस्थाएं हर हाल में 24 जनवरी, 2026 तक पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर शिथिलता अथवा विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। अपर उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर निकाली जाने वाली झांकियां देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित हों। सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि वे 24 जनवरी, 2026 तक झांकी से संबंधित अपनी सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। झांकी की विषय-वस्तु गरिमामय, अनुशासित एवं संदेशपूर्ण होनी चाहिए तथा प्रस्तुति में राष्ट्रीय भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो। अपर उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि मुख्य समारोह स्थल पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। अपर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मुख्य समारोह स्थल की साफ-सफाई, आगंतुकों के बैठने की उत्तम एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था, समुचित प्रकाश (लाइट) एवं ध्वनि (साउंड) व्यवस्था, तथा ब्रांडिंग से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि समारोह गरिमामय एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। इसके अतिरिक्त, परेड, मंच व्यवस्था, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथियों की बैठक व्यवस्था, विद्युत, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, यातायात नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित सभी दायित्वों का स्पष्ट निर्धारण करते हुए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अजय तिर्की, निदेशक, डीआरडीए, जिला योजना पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधिक्षक मुख्यालय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह- 2026 तहत विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

सरायकेला : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत आज जिले के विभिन्न स्थलों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस क्रम में जेवियर इंग्लिश स्कूल, तामोलिया में कक्षा 8वीं, 9वीं, 10वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिससे बच्चों में जागरूकता के साथ रचनात्मक सहभागिता सुनिश्चित हो सके। स्लोगन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के अंत में शैक्षणिक सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन हुआ। इसके अतिरिक्त, गम्हरिया केपीएस स्कूल के समीप छात्राओं को ले जा रहे सवारी वाहनों की सघन जांच की गई, जिसमें वाहन की सुरक्षा व्यवस्था, चालक के दस्तावेजों एवं यातायात नियमों के अनुपालन की गहन जांच की गई। ही गम्हरिया थाना के समीप बिना हेलमेट वाहन चला रहे व्यक्तियों को रोककर उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बिना हेलमेट वाहन संचालन करने वालों पर नियमानुसार जुमार्ना अधिरोपित करते हुए उन्हें हेलमेट भी प्रदान किया गया, ताकि भविष्य में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों एवं विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि यह जीवन रक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम भी है। कार्यक्रम में गिरिजा शंकर महतो, जिला परिवहन पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावाँ के साथ राजू, ट्रैफिक इंस्पेक्टर, दिलीप कुमार, रवि प्रसाद तथा सड़क सुरक्षा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जलडेगा में पीडीएस दुकानदारों की हुई बैठक

जलडेगा : प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड के सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में राशन वितरण व्यवस्था, ई-केवाईसी की प्रगति एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जलडेगा प्रखंड में अब तक 76 प्रतिशत कार्डधारियों का ई-केवाईसी कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष बचे सभी कार्डधारियों का ई-केवाईसी जनवरी माह के अंत तक अनिवार्य रूप से पूरा कराने का निर्देश सभी पीडीएस दुकानदारों को दिया गया। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि ई-केवाईसी में किसी भी प्रकार की लापरवाही या बहानेबाजी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ग्रीन राशन कार्ड योजना के तहत अब तक 60 प्रतिशत राशन का वितरण किया जा चुका है, जबकि शेष 40 प्रतिशत राशन का वितरण हर हाल में 25 जनवरी तक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही एनएफएसए के अंतर्गत भी 25 जनवरी तक शत-प्रतिशत राशन वितरण पूरा करने को कहा गया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : मंगलवार को समाहरणालय भवन स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं नगर क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा प्रस्तुत जनसमस्याओं से संबंधित आवेदनों की उपायुक्त द्वारा क्रमवार एवं गंभीरतापूर्वक सुनवाई की गई। जनता दरबार में प्रस्तुत प्रमुख प्रकरणों में अंचल कार्यालय, इचागढ़ में लंबित उत्तराधिकार म्यूटेशन से संबंधित आवेदन, सिनी थाना क्षेत्र अंतर्गत राकाकोचा में सीमेंट का पोल एवं तार के माध्यम से सड़क अवरुद्ध किए जाने, सरायकेला नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत गुद्दूसाई तालाब के ऊपर से गुजर रहे 33,000 वोल्ट विद्युत तार को गार्डवाल/जाल के माध्यम से सुरक्षित कराने, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में अधिग्रहीत भूमि के लंबित मुआवजा भुगतान कराने, सरायकेला मुड़िया मौजा में सीमांकन संबंधी प्रकरण तथा गैरज चौक निवासी गुलु मोदक के आवासीय भवन का दो माह का 4,96,000 का विद्युत बिल प्राप्त होने के मामले की जांचोपरांत निराकरण सहित विभिन्न विभागों से संबंधित अन्य आवेदन शामिल रहे। उपायुक्त द्वारा संबंधित विभागीय, अंचल एवं नगर निकाय स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनता दरबार में प्राप्त सभी प्रकरणों की विधिसम्मत, त्वरित एवं निष्पक्ष जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन मामलों में स्थल निरीक्षण आवश्यक है, वहां अविलंब स्थल निरीक्षण कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र न्याय एवं राहत प्रदान की जा सके।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक हुई आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना सहित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त महोदया ने पीएम पोषण योजना अंतर्गत नामांकित छात्रों के विरुद्ध औसत आच्छादन की स्थिति की जानकारी ली। बताया गया कि सिमडेगा जिले के कुल 961 विद्यालयों में मध्याह्न भोजन संचालित है, जिसमें कक्षा 1 से 8 तक कुल 79,339 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दिसंबर माह तक औसतन 85 प्रतिशत छात्रों का आच्छादन सुनिश्चित किया गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय त्रैमास का खाद्यान्न उठाव पूर्ण कर लिया गया है, जबकि चतुर्थ त्रैमास के लिए आर.ओ. निर्गत हो चुका है और खाद्यान्न उठाव की प्रक्रिया जारी है। साथ ही पूरक पोषाहार (अंडा/फल) की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त महोदया ने निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में बच्चों को नियमित रूप से फल एवं अंडा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। पीएम पोषण योजना अंतर्गत कुकिंग कॉस्ट (केंद्रांश एवं राज्यांश) की राशि 83 विद्यालयों को हस्तांतरित की जा चुकी है। बैठक में छात्रों के स्वास्थ्य जांच की भी समीक्षा की गई, जिसमें 79,339 नामांकित छात्रों के सापेक्ष अब तक 6,087 छात्रों की स्वास्थ्य जांच कराई गई है।

अवैध शराब के खिलाफ सघन छापामारी अभियान, दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां नितीश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार एवं अधीक्षक उत्पाद, सरायकेला के निदेश पर प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध छापामारी अभियान संचालित किया गया। इस क्रम में दिनांक 19.01.2026 को देर रात आदित्यपुर थाना अंतर्गत सुधा डेयरी, डीवीसी मोड़ तथा आज दिनांक 20.01.2026 को सरायकेला थाना अंतर्गत ग्राम सिंहपुर में उत्पाद विभाग द्वारा सघन छापामारी की गई। छापामारी के दौरान कृष्णदेव यादव के ढाबा, सुधा डेयरी, डीवीसी मोड़ से तथा अरुण महतो के किराना दुकान, ग्राम सिंहपुर से अवैध विदेशी शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 1.86 लीटर पाई गई। दोनों अवैध शराब कारोबारियों को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिसम्मत उत्पाद अधिनियम के तहत अग्रतर कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में अग्रसारित किया गया है। उत्पाद अधीक्षक, सरायकेला द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री पर प्रभावी रोकथाम हेतु नियमित एवं सघन छापामारी अभियान आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़े विधिक प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। छापामारी दल में अखिलेश कुमार, अवर निरीक्षक, उत्पाद सौदागर पंडित, प्रतिनियुक्त सहायक अवर निरीक्षक दिनेश सरदार, प्रतिनियुक्त गृह रक्षक एवं अन्य संबंधित कर्मी शामिल रहें।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा जमशेदपुर महानगर में खुशी की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के निर्वाचित होने पर देशभर के साथ लौहनगरी जमशेदपुर के भाजपा कार्यकर्ताओं में भी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। मंगलवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय के समक्ष लड्डू वितरण कर आम जनों के साथ खुशियां साझा की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने 'भाजपा जिंदाबाद' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर भावनाएं व्यक्त की। इस मौके पर कार्यकर्ताओं में उत्साह और उमंग देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनका पदभार पार्टी में एक नए युग की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है और 45 वर्षीय युवा नेतृत्व को पार्टी की राष्ट्रीय जिम्मेदारी मिलना आने वाले वर्षों में भाजपा के सिद्धांतों, विचारों और कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। संजीव सिन्हा ने विश्वास जताया कि नितिन नबीन की कार्यकुशलता, संगठनात्मक दक्षता, कार्यकर्ताओं से जुड़ाव और पार्टी के प्रति कर्तव्यनिष्ठा संगठन को और अधिक सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि एक निष्ठावान कार्यकर्ता का राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचना संगठन के आंतरिक लोकतंत्र की जीत है। जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने से भाजपा कार्यकर्ताओं में नए जोश और नई उमंग का संचार हुआ है, जिससे हमारा राष्ट्रसेवा, राष्ट्र प्रथम और जनसेवा का संकल्प और अधिक मजबूत होगा। लड्डू वितरण के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, राजकुमार श्रीवास्तव, दिनेश कुमार, व्यावसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नीरज सिंह, डॉ राजीव, जिप सदस्य कुसुम पूर्ति, जिला पदाधिकारी बबुआ सिंह, राजा सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सऊदी अरब में गोली लगने से झारखंड के प्रवासी मजदूर विजय कुमार महतो की मौत, तीन महीने बाद भी नहीं लौटा शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मधगोपाली पंचायत के दूधपनिया गांव के निवासी प्रवासी मजदूर विजय कुमार महतो की मौत सऊदी अरब में गोली लगने से 24 अक्टूबर 2025 को हो गई थी। घटना को लगभग तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उनका शव परिवार को नहीं मिला है। परिवार सदमे में डूबा हुआ है, घर में चूल्हा नहीं जल रहा और परिजन रोजाना शव के इंतजार में रहते हैं। विजय कुमार महतो हुंडई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करते थे। उनकी पत्नी बसंती देवी ने बताया कि 15 अक्टूबर 2025 की शाम को विजय का आखिरी वॉइस मैसेज आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि पुलिस किसी और पर गोली चला रही थी, लेकिन गोली गलती से उन्हें लग गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां 24 अक्टूबर को उन्होंने दम तोड़ दिया। यह घटना जेद्दाह के पास पुलिस और अवैध शराब तस्करों/उगाही गिरोह के बीच हुई गोलीबारी में फंसने के कारण हुई, जिसमें विजय अनजाने में घायल हो गए थे। घर में पत्नी बसंती देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके दो छोटे पुत्र ऋषि (5 वर्ष) और रौशन (3 वर्ष) हैं। विजय के माता-पिता भी टूट चुके हैं। परिवार बार-बार सरकार से अपील कर रहा है कि उचित मुआवजे के साथ शव जल्द से जल्द सऊदी अरब से भारत भेजा जाए ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली ने कहा कि इस क्षेत्र की बड़ी आबादी विदेशों में काम करती है। ऐसी घटनाओं में मुआवजा और शव वापसी बड़ी समस्या बन जाती है। कई महीनों तक शव विदेश में पड़ा रहता है, जिससे परिवार को भारी मानसिक पीड़ा होती है। उन्होंने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। झारखंड श्रम विभाग ने पहले ही भारतीय दूतावास से संपर्क किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। परिवार न्याय और सहायता की आस में गुहार लगा रहा है।

उपायुक्त–सह–जिला दंडाधिकारी, का कार्यालय, गुमला।
(पंचायत शाखा)
ई0मेल आई0डी0– dprogumla11@gmail.com

–: अति अल्पकालीन निविदा :–

आगामी नगरपालिका आम निर्वाचन, 2026 के निमित्त **विभिन्न सामग्री अल्पाहार/भोजनादि, टेन्ट–समियाना/लाईट/साउण्ड, स्टेशनरी सामग्री एवं विडियोग्राफी/फोटोग्राफी/सी0सी0टी0भी0** की आपूर्ति/कार्य के लिए एक अल्पकालीन निविदा दिनांक 23.01.2026 के अपराहन् 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा जिला क्रय समिति के समक्ष दिनांक 24.01.2026. को **पूर्वा0/अपराहन् 11:00** बजे उप विकास आयुक्त, गुमला के कार्यालय कक्ष में निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा खोलने के समय निविदादाता को स्वयं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि को उपस्थित होना अनिवार्य होगा। कार्य एवं सामग्री जिसकी निविदा आमंत्रित की जा रही है, की विवरणी एवं शर्त्ते जिला के वेबसाईट पर अपलोड कर दिया गया है।

वैसे निविदादाता जो निविदा शर्त के अनुरूप निविदा भरने के इच्छुक है, वे अपना भरा हुआ निविदा लिफाफा निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक जिला पंचायत कार्यालय, गुमला में जमा कर सकते है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)
–सह–उपायुक्त, गुमला।

PR 371249 (Gumla) 25-26 (D)

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, राँची
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
ई–मेलः adss.socialsec.ranchi01@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) अन्तर्गत केन्द्र प्रायोजित योजनाओं (इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (IGNOAPS), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (IGNWPS), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना (IGNDPS)) के लाभुकों का जीवन प्रमाण पत्र Online DLC (Digital Life Certificate) निर्गत करने संबंधी कार्य राँची जिला अन्तर्गत विभिन्न प्रखण्डों/शहरी क्षेत्र के अंचल कार्यालयों/ जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, राँची (**कमरा सं0– 316, ब्लॉक–A, समाहरणालय भवन, राँची**) में सम्पन्न किया जा रहा है। उपर्युक्त योजनाओं के पेंशनधारी स्वयं भी मोबाईल से **"Beneficiary Satyapan App"** के द्वारा अथवा प्रज्ञा केन्द्रों के माध्यम से अपना जीवन प्रमाण पत्र Online DLC (Digital Life Certificate) निर्गत करा सकते हैं। उक्त कार्य हेतु लाभुक का आधार कार्ड एवं मोबाईल नम्बर (स्वयं अथवा परिवार के किसी एक सदस्य का) आवश्यक है।

अतः संबंधित योजना अन्तर्गत राँची जिला के वैसे लाभुकों से जिनका अबतक जीवन प्रमाण पत्र Online DLC (Digital Life Certificate) निर्गत नहीं हुआ है, अनुरोध है कि वे अपना जीवन प्रमाण पत्र यथाशीघ्र संबंधित कार्यालयों में उपस्थित होकर/ स्वयं **"Beneficiary Satyapan App"** के द्वारा/ प्रज्ञा केन्द्रों के माध्यम से निर्गत कराने का कष्ट करेंगे, ताकि उन्हें निर्बाध पेंशन राशि का भुगतान सम्पन्न किया जा सके। जीवन प्रमाण पत्र Online DLC (Digital Life Certificate) निर्गत नहीं होने की स्थिति में यदि पेंशन बाधित होता है, तो इसकी समस्त जवाबदेही संबंधित पेंशनधारी की होगी।

उपायुक्त, राँची के आदेश से
सहायक निदेशक,
समाजिक सुरक्षा, राँची

PR 371182 (District)25-26*D

झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), राँची
के तत्वावधान में
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा

राष्ट्रीय लोक अदालत, 2025
दिनांक–14 मार्च, 2026 शनिवार
स्थान– व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा
समय– 10:30 बजे

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार,राँची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा के तत्वावधान में दिनांक 14 मार्च, 2026 को पूर्वाहन 10:30 बजे से व्यवहार न्यायालयपरिसर, सिमडेगा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्न प्रकार के मामलें का निष्पादन किया जाना है:–

1. बैकिंग सम्बंधी मामलें	5. पारिवारिक विवाद	9. राजस्व मामले
2. धारा 138 एन आई एक्ट	6. भू–अर्जन	10. खनन सम्बंधी मामले
3. मोटर दुर्घटना दावा वाद	7. सेवा सम्बंधी मामलें	11. बिजली एवं पानी से सम्बंधित
4. श्रम विवाद सम्बंधी मामलें	8. दिवानी मामले	12.दूरभाष सम्बंधी मामले ।

दिनांक 14 मार्च, 2026 को प्रातः 10:30 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का कार्य व्यवहार न्यायालय सिमडेगा में अपराहन 04:00 बजे तक चलेगा।
अतः सिमडेगा वासियों से निवेदन है कि उपरोक्त वादो से संबंधित मामलों को संबंधित विभाग से सम्पर्क कर अधिक से अधिक वादों का निपटारा कर राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठायें तथा इसे सफल बनायें।
नोटः आप QR Code एवं नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 के माध्यम से भी अपने शिकायत/वाद/मामलों का आवेदन कर सकते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस के दिन व्यवहार न्यायालय के परिसर में स्थित जि0 वि0 से0 प्र0 सिमडेगा के कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा सचिव, जि0 वि0 से0 प्र0 सिमडेगा मो0 नं0 +916525299949 से संपर्क कर सकते हैं।

मुफ्त कानूनी सहायता के लिए:
कॉल : 15100
टोल फी हेल्पलाइन नंबर
ऑनलाइन आवेदनः https://www.nalsa.gov.in/lsams/

व्यवहार न्यायालय सिमडेगा Civil Court Simdega
शिकायत-सह-आवेदन पत्र Complain-Cum-Application Form
Scan
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा DLSA, Simdega

श्रीमती मरियम हेमरोम, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा
श्री एस0 एस0 खोटरे, पुलिस अधीक्षक सह सदस्य, जि0 वि0 से0 प्राधिकार, सिमडेगा
श्रीमती कंचन सिंह, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष, जि0 वि0 से0 प्रा0,सिमडेगा
श्री राजीव कुमार सिन्हा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जि0 वि0 से0 प्रा0,सिमडेगा

PR 371100 (Simdega) 25-26 (D)
निवेदक– जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा।

राहुल-प्रियंका का ग्लैमर, मीडिया की बेवकूफी या साजिश

कांग्रेस का गांधी परिवार भारतीय राजनीति का एक ऐसा रहस्य बना हुआ है जो दशकों से अनसुलझा है। आश्चर्य होता है कि गांधी परिवार की नाकामियां साफ नजर आने के बावजूद कांग्रेसी नेता उनके आगे नतमस्तक क्यों बने रहते हैं? नेहरू युग से शुरू हुआ यह सिलसिला राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा तक पहुंचा है, जहां परिवार के दोनों वारिसों का योगदान कांग्रेस के पतन में कहीं ज्यादा साफ दिखता है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी का बुरा हाल रहा सीटें घटकर महज 44 और फिर 52 रह गईं। फिर भी कांग्रेसी नेता चुपचाप उनके पीछे लाइन लगाए खड़े हैं। यह वफादारी समझ में आ सकती है, क्योंकि उनके पास परिवार से जुड़े हित, पुरानी दोस्तियां और राजनीतिक उत्तराधिकार की मजबूरियां हैं। लेकिन मीडिया, खासकर इलेक्ट्रॉनिक चैनल्स का यह आकर्षण क्या है? राहुल-प्रियंका की हर छोटी-मोटी गतिविधि, हर बयान को ब्रेकिंग न्यूज बना देना? यह ग्लैमर कहां से आता है, जब तथ्य इनकी राजनीतिक साख को धूल चटाते हैं? कांग्रेसियों की स्थिति तो कुछ हद तक सहानुभूतिपूर्ण लग सकती है। नेहरू-इंदिरा राज की चमक अभी भी उनके दिमाग में बसी है। गांधी परिवार को पार्टी का सूत्रधार मानना उनकी रणनीति का हिस्सा है। राहुल के अध्यक्ष बनने पर भी पार्टी ने हार स्वीकार की, लेकिन विद्रोह नहीं किया। प्रियंका की उत्तर प्रदेश में एंट्री को मास्टर स्ट्रोक समझा गया, पर 2022 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। कांग्रेसी जानते हैं कि गांधी परिवार के बिना पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। कांग्रेसियों की मजबूरी है उनको गांधी परिवार से इतर वैकल्पिक चेहरा न होने से डर लगता है। लेकिन मीडिया की यह भक्ति कहां से उपजी क्या यह नेहरूवादी विरासत का भूत है या कुछ और राहुल गांधी पर पप्पू का तमगा चिपक चुका है। संसद में नारे लगाना, विदेश यात्राओं पर बयानबाजी, और चुनावी हार के बाद भगोड़ा बन जाना ये सब तथ्य हैं। 2024 लोकसभा में इंडी गठबंधन में उनकी भूमिका रही, लेकिन कांग्रेस फिर 99 सीटों पर सिमट गई। प्रियंका वाड्रा की कहानी भी कमाल की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रभारी बनीं, लेकिन योगी आदित्यनाथ के सामने धराशायी। वायनाड उपचुनाव में राहुल की हार, प्रियंका की सड़क यात्राएं ये मीडिया में सब सुर्खियां बटोरती रहीं। मीडिया इन्हें मोदी-योगी जैसे दिग्गजों से तौलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात से केंद्र तक का सफर तय किया, योगी ने उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त और विकास के पथ पर ला खड़ा किया। ममता बनर्जी ने बंगाल में टीएमसी को मजबूत बनाया, मायावती ने दलित राजनीति को नई ऊंचाई दी, अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी को युवा चेहरा दिया। इनकी साख तथ्यों पर टिकी है विकास, सुशासन, जीत। परंतु राहुल-प्रियंका की साख सिर्फ वंशवाद और हार की कहानियां। फिर भी टीवी चैनल्स पर राहुल का हर ट्वीट ब्रेकिंग न्यूज। प्रियंका का कोई सड़क शो तो जैसे चुनाव जीत लिया। क्यों तथ्य बताते हैं कि मीडिया का एक बड़ा हिस्सा वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है। नेहरू युग में प्रेस को संरक्षण मिला, आज भी वही पुराना कनेक्शन काम करता है। टीआरपी की होड़ में विवादास्पद बयान बिकते हैं। राहुल का चौकीदार चोर है या प्रियंका का मोदी पर हमला ये चटपटे हैं। मोदी का कोई भाषण बोरिंग विकास गाथा। योगी का बुलडोजर एक्शन तो सांप्रदायिक करार दो। लेकिन गांधी परिवार को ग्लैमर का चोला पहनाना क्यों शायद इसलिए कि वे विपक्ष के प्रतीक हैं। विपक्ष कमजोर हो तो सरकार की जवाबदेही कम। मीडिया जानबूझकर गांधी भाइयों-बहनों को फुल कवरेज देता है ताकि विपक्ष का भ्रम बना रहे। तथ्यों पर गौर करें। 2019 चुनाव में राहुल की अमेठी हार ने परिवार की राजनीतिक पूंजी को चकनाचूर कर दिया। प्रियंका को सोनिया ने मैदान में उतारा, लेकिन परिणाम जीरो।

सूडोकु नवताल- 7681

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7680 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

ललित गर्ग

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा ढकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय ह्यमैं पहलेह्ल की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

ट्रंप युग की आक्रामक नीतियां और बदलती वैश्विक व्यवस्था

प्रहलाद सबनानी

हाल के वर्षों में अमेरिकी नीतियों और निर्णयों पर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका एक बार फिर अपनी पुरानी साम्राज्यवादी मानसिकता की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन द्वारा उठाए गए कई कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक मयार्दाओं को चुनौती देते हैं, वहीं वैश्विक शक्ति संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को रात्रि में गिरफ्तार कर अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चलाने की धमकी और वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास इसी साम्राज्यवादी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

इसी क्रम में अमेरिका की निगाह डेनमार्क द्वारा शासित ग्रीनलैंड द्वीप पर भी टिकी हुई है। ग्रीनलैंड सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, परंतु यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता कि डेनमार्क नाटो का सदस्य और अमेरिका का मित्र राष्ट्र है। किसी मित्र राष्ट्र की संप्रभुता को चुनौती देकर उसके अधीन क्षेत्र को बलपूर्वक अपने अधिपत्य में लेने का प्रयास अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्वीकार्य है। इससे पहले ट्रम्प द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी भी इसी मानसिकता को उजागर करती है। कनाडा भी अमेरिका का घनिष्ठ सहयोगी रहा है, किंतु साम्राज्यवादी सोच के आगे मित्रता और साझेदारी भी गौण हो जाती है।

अमेरिका द्वारा ब्रिक्स देशों भारत, रूस, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी को केवल व्यापारिक नीति के रूप में देखना भूल होगी। यह कदम वास्तव में उभरती बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। ब्रिक्स देशों द्वारा डीडोलराइजेशन की दिशा में उठाए जा रहे कदम, अर्थात आपसी व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग, अमेरिकी डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधी चुनौती देते हैं। डॉलर आधारित वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अमेरिका की शक्ति का प्रमुख आधार रही है, और जब यह आधार हिलता है, तो अमेरिका असहज हो जाता है।

ब्रिक्स देशों की बढ़ती आर्थिक साझेदारी, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां और साझा वित्तीय संस्थाएं अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही हैं। इसी कारण अमेरिका न केवल छोटे और निर्भर देशों पर, बल्कि भारत, चीन और रूस जैसे बड़े और आत्मनिर्भर देशों पर भी दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। किंतु अमेरिका यह भूल जाता है कि जिन देशों की अर्थव्यवस्था, जनसंख्या, संसाधन और बाजार विशाल हैं, वे किसी एक शक्ति के दबाव में आने वाले नहीं हैं।

ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति को यदि 'हस्तक्षेपवाद 2.0' कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतिहास गवाह है कि पिछले ढाई सौ वर्षों में अमेरिका ने विश्व के विभिन्न देशों में लगभग 400 बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप किया है। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य कार्रवाई, सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना अमेरिका की नीति का हिस्सा रहा है। आज भी यही प्रवृत्ति नए रूप में सामने आ रही है। भारत और चीन पर रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण दबाव बनाना इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका अब यह तय करना चाहता है कि कौन सा देश किससे व्यापार करेगा। यह न केवल साम्राज्यवाद, बल्कि अधिनायकवादी मानसिकता की चरम अवस्था है।

अमेरिका द्वारा 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपनी सदस्यता समाप्त करना भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। यह कदम वैश्विक सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था को कमजोर करता है। अमेरिका अब किसी साझा मंच पर विश्व का नेतृत्व करने के बजाय एकपक्षीय शक्ति मॉडल के माध्यम से विश्व पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर कर अमेरिका यह संदेश दे रहा है कि वह केवल उन्हीं नियमों को मानेगा जो उसके हित में हों।

वर्तमान में ट्रंप प्रशासन इस बात से भी चिंतित है कि वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र पश्चिम से पूर्व की ओर खिसकता जा रहा है। एशियाई देशों की बढ़ती भूमिका, विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तकनीकी क्षमता अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती दे रही है। चीन, रूस और भारत का एक साथ उभरना अमेरिका को स्वीकार नहीं है। साथ ही, अमेरिका नहीं चाहता कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाए, यूरोपीय यूनियन स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए या डीडोलराइजेशन को गति मिले।

यूरोपीय यूनियन के देशों में भी अमेरिका के प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि वे अपने रक्षा बजट में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहे हैं। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच उत्पन्न तनाव नाटो जैसे सैन्य गठबंधन के अस्तित्व पर भी प्रश्नचिह्न लगा सकता है। नाटो के कई सदस्य देशों ने स्पष्ट कहा है कि ग्रीनलैंड पर हमला नाटो पर हमला माना जाएगा, जो भविष्य में गंभीर टकराव का संकेत है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों को एक 'सर्वांगी कूटनीतिक युद्ध' के रूप में देखा जा सकता है। इसमें प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय तेल, मुद्रा, तकनीक, समुद्री मार्ग, सप्लाई चेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे साधनों के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा है। अमेरिका चाहता है कि वित्त, व्यापार, सैन्य गठबंधन और तकनीक एक बार फिर उसी की चौखट पर खड़े हों। उसका उद्देश्य तीसरा विश्व युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था का अपने पक्ष में पुनर्गठन है।

अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस जैसे मंच से अमेरिका का बाहर निकलना यह दशार्ता है कि वह पर्यावरण और वैश्विक कल्याण जैसे मुद्दों पर भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है। जबकि जलवायु परिवर्तन जैसे संकट से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। भारत और फ्रांस के नेतृत्व में बना यह मंच विकासशील देशों के लिए आशा की किरण है।

आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अकेले चलना संभव नहीं है। परस्पर सहयोग, मुक्त व्यापार समझौते और क्षेत्रीय साझेदारियां ही भविष्य का मार्ग हैं। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व नए समीकरण गढ़ रहा है। यह संकेत है कि यदि अमेरिका अपनी साम्राज्यवादी सोच पर अड़ा रहा, तो वह स्वयं को वैश्विक मंच पर अकेला पा सकता है। यही कारण है कि अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियों के विरुद्ध आज नए वैश्विक समीकरण आकार ले रहे हैं।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ और वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

किशनगंज में प्रस्तावित सैन्य छावनी के मायने

ओम पराशर

भारत का सिलिगुड़ी कॉरिडोर, जिसे प्रचलित रूप से 'चिकन नेक' कहा जाता है, राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से देश की सबसे संवेदनशील और रणनीतिक बिंदुओं में से एक है। मात्र लगभग 22 किलोमीटर चौड़ी यह संकरी पट्टी भारत के मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर के सात राज्यों और लगभग साढ़े चार करोड़ नागरिकों से जोड़ती है। बदलते क्षेत्रीय हालात लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर चीन की आक्रामक गतिविधियां, बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और उससे उपजी अवैध घुसपैठ के बीच इस कॉरिडोर को सुदृढ़ करना अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुका है। ऐसे में बिहार के किशनगंज जिले में प्रस्तावित भारतीय सेना का अग्रिम शिविर इसी दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

सिलिगुड़ी कॉरिडोर न केवल सैन्य रसद, व्यापारिक मार्गों और आपदा प्रबंधन के लिए अहम है, बल्कि यह देश की सामरिक एकता का प्रतीक भी है। इसके पश्चिम में नेपाल, उत्तर में भूटान और पूर्व व दक्षिण में बांग्लादेश की सीमाएं इसे और अधिक संवेदनशील बनाती हैं। यदि किसी भी कारण प्राकृतिक आपदा जैसे तीस्ता नदी क्षेत्र में बार-बार आने वाली बाढ़ या शत्रुतापूर्ण कार्रवाई, से इस मार्ग में व्यवधान उत्पन्न होता है, तो पूरा पूर्वोत्तर भारत मुख्यधारा से कट सकता है, जिससे देश की रक्षा क्षमता पर गंभीर असर पड़ेगा।

भारतीय सेना की योजना किशनगंज के बहादुरगंज-कोचाधामन प्रखंडों में लगभग 250 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर एक अग्रिम सैन्य अड्डा स्थापित करने की है। यह पहल असम के बामुनी, पश्चिम बंगाल के चोपड़ा और किशनगंज में नए सैन्य ठिकानों की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बहुस्तरीय खतरों के खिलाफ त्वरित तैनाती क्षमता को मजबूत करना है। भारत-बांग्लादेश-नेपाल त्रिजंक्शन के निकट स्थित किशनगंज सिलिगुड़ी कॉरिडोर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य कर सकता है। यहां से सीमा पार गतिविधियों पर निगरानी, तस्करी पर नियंत्रण और संकट के समय मानवीय सहायता को तेजी से पहुंचाना संभव होगा। ये ऐसी भूमिकाएं हैं, जिन्हें भारतीय सेना ने डोकलाम गतिरोध (2017) से लेकर बिहार और बंगाल में बाढ़ राहत अभियानों तक बखूबी निभाया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस रणनीतिक परियोजना को स्थानीय राजनीति का विषय बना दिया गया है। बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा सैन्य स्थापना पर सवाल उठाना, और अतीत में सर्जिकल स्ट्राइक (2016) व बालाकोट एयरस्ट्राइक (2019) जैसी कार्रवाइयों पर संदेह जताने की पृष्ठभूमि, यह संकेत देती है कि कहीं न कहीं संकीर्ण हित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर हावी हो रहे हैं। यह विरोध भी तब हो रहा है जब वहां के स्थानीय किसानों ने पहले जमीन देने के लिए सहमति दे दी, जिलाधिकारी दफ्तर में जाकर जमीन स्थानांतरण पर हस्ताक्षर कर दिया, सेना से इसके लिए जमीन के एवज में भारी रकम ले ली और अब स्थानीय मुस्लिम सांसदों और जनप्रतिनिधियों के उकसावे के बाद सैन्य छावनी बनाने की राह में उग्र प्रदर्शन करते हुए रोड़ा बनकर खड़े हो गए हैं। यह कश्मीर में भारत के खिलाफ दुश्मन देशों के उकसावे पर होने वाले प्रदर्शन रणनीति की तरह ही बेहद चिंताजनक स्थिति बन गई है। किशनगंज जैसे सीमावर्ती जिले में, जहां जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर पहले से ही संवेदनशीलता है, इस तरह का विरोध भारत की अखंडता के लिए प्रतिकूल संदेश दे सकता है। बांग्लादेश के करीब होने की वजह से यहां 70 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिम है और स्थानीय मूल निवासी हिंदू समुदाय को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है। लगातार घुसपैठ यहां न केवल राज्य, बल्कि देश के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। खासकर चिकन नेक के करीब होना, इसे और अधिक चिंताजनक बना रहा है। किशनगंज में जनसंख्या संरचना में आए बदलावों और बांग्लादेश से अवैध आव्रजन के आरोपों ने सुरक्षा चिंताओं को और गहरा किया है। सीमाओं की भौगोलिक जटिलता और प्रशासनिक ढिलाई ने इस समस्या को बढ़ाया है। ऐसे में सैन्य उपस्थिति न केवल सुरक्षा को मजबूती देगी, बल्कि कानून-व्यवस्था और सीमाई निगरानी को भी सुदृढ़ करेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि जहां एक ओर असम में अवैध घुसपैठ के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में अपेक्षित कठोरता की कमी पर सवाल उठते रहे हैं।

सैन्य छावनी का अर्थ केवल हथियारबंद सुरक्षा नहीं है। इसके साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार, आधारभूत ढांचे का विकास, सड़क और संचार सुविधाओं में सुधार तथा आपदा के समय त्वरित राहत जैसी बहुआयामी संभावनाएं जुड़ी होती हैं। 2023 की सिक्किम बाढ़ जैसी घटनाओं में सेना की भूमिका इस बात का प्रमाण है कि स्थायी सैन्य उपस्थिति कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है। एनडीआरएफ विशेषज्ञों और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों का भी मानना है कि किशनगंज जैसे बाढ़-प्रवण क्षेत्र में सेना की मौजूदगी जान-माल की रक्षा में निर्णायक सिद्ध होगी।

खास बात ये है कि वर्तमान समय में भारत जब बांग्लादेश के साथ प्रत्यर्पण समझौतों और संयुक्त गश्त जैसे सहयोगी कदम बढ़ा रहा है, तब किशनगंज में सेना शिविर का निर्माण बिना बाधा आगे बढ़ना चाहिए। तथाकथित राष्ट्रविरोधी आपत्तियों को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो वे देशविरोधी ताकतों का मनोबल बढ़ा सकती हैं। आज आवश्यकता है पारदर्शी संवाद, समावेशी विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता की। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता। किशनगंज में प्रस्तावित सेना छावनी केवल एक सैन्य ढांचा नहीं, बल्कि भारत की एकता, संप्रभुता और भविष्य की सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

दैनिक पंचांग

21 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

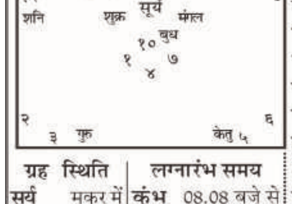

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.08 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	09.41 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	11.11 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.49 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	17.03 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.19 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.31 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.41 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.56 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	04.12 बजे से
बजे तक		मकर	06.17 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 21 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 02.48 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 13.58 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 18.59 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.48 बजे तदनन्तर गर 02.48 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 2.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872596
जूलियन दिन 2461061.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 01

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

नाबालिग की दर्दनाक मौत, जवाहरनगर में फांसी लगाकर आत्महत्या से मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा थाना क्षेत्र के जवाहरनगर में बीती रात्रि एक नाबालिग बच्ची ने गले में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव के पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार, मनीषा कुमारी, पिता अशोक शर्मा, उम्र 14 वर्ष का बीती रात्रि किसी बात को लेकर अपनी माता से विवाद हो गया था। जिसके बाद उसने घर के एसबेस्टस सीट के नीचे लगे लोहे के एंगल में दुपट्टा का फंदा बनाकर लटक गई। जब कमरे से किसी प्रकार की आवाज नहीं आ रही थी, तब घरवाले कमरे में गए तो देखकर आवाक रह गए। उनकी लड़की एंगल के सहारे लटक रही थी। जिसके बाद लोगों ने तत्काल उसे नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस घटना के बाद से परिवार में मचा हुआ है। मनीषा के परिवार वाले सदमे में हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि उनकी बेटी ने ऐसा कदम क्यों उठाया। मनीषा के पिता अशोक शर्मा ने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में बहुत अच्छी थी और वह हमेशा खुश रहती थी। उन्होंने बताया कि बीती रात्रि किसी बात को लेकर उनकी पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद मनीषा ने यह कदम उठाया। इस घटना के बाद से जवाहरनगर में शोक की लहर है। लोगों ने मनीषा की आत्महत्या की निंदा की है और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही इसका खुलासा करने का आश्वासन दिया है। मनीषा की आत्महत्या ने एक बार फिर से नाबालिगों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को उठाया है। यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि हमें अपने बच्चों की भावनाओं को समझने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता है। हमें उन्हें यह महसूस कराने की आवश्यकता है कि हम उनके साथ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

पंचवटी अपार्टमेंट की सुरक्षा पर सवाल धनंजय कुमार पुटूस ने उठाई जांच की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के पंचवटी अपार्टमेंट में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने वहां रह रहे नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। इस मुद्दे को लेकर भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने अपार्टमेंट में कार्यरत सिक्योरिटी एजेंसी एवं अपार्टमेंट कमिटी की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए हैं। पुटूस ने कहा कि पंचवटी अपार्टमेंट में किसी भी अनजान व्यक्ति के प्रवेश के दौरान गेट पर बार-बार पूछताछ की जाती है, लेकिन इसके बावजूद चोरी की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब गेट पर इतनी सख्ती है, तो चोरी करने वाले अंदर कैसे पहुंच रहे हैं? और यदि सुरक्षा के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई जा रही है, तो इसका जिम्मेदार कौन है? सिक्योरिटी एजेंसी या अपार्टमेंट कमिटी? उन्होंने कहा कि यह बयान किसी व्यक्ति या संस्था को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं है, बल्कि रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम सवाल है, जिस पर चुप नहीं रहा जा सकता। पुटूस ने जिला पुलिस एवं प्रशासन से मांग की कि पंचवटी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी सिस्टम, गार्ड ड्यूटी और सिक्योरिटी एजेंसी की जवाबदेही की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुटूस ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और इस मुद्दे पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचवटी अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपार्टमेंट कमिटी और सिक्योरिटी एजेंसी की है, और उन्हें इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर पंचवटी अपार्टमेंट के निवासियों में आक्रोश है, और वे अपनी सुरक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, और इसके लिए वे प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

कांग्रेस मनरेगा को नहीं होने देगी कमजोर : जोसिमा खाखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : कांग्रेस महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा ने पाकरटांड प्रखंड के ग्रोंडाबेड़ा एवं पूरनापानी गांव में मनरेगा बचाओ अभियान के तहत चौपाल का आयोजन किया। चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधा संवाद कर मनरेगा से जुड़ी समस्याओं और जमीनी हकीकत को जाना गया। चौपाल को संबोधित करते हुए जोसिमा खाखा ने कहा कि मनरेगा गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों की जीवनरेखा है। यह योजना रोजगार के साथ-साथ सम्मान और आत्मनिर्भरता देती है। लेकिन वर्तमान समय में मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मजदूरों का बकाया भुगतान, जॉब कार्ड से छेड़छाड़ और काम के दिनों में कटौती जैसे मुद्दे सीधे तौर पर ग्रामीणों के हक पर केंद्र की भाजपा सरकार के द्वारा हमला है। जोसिमा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा को कमजोर नहीं होने देगी और मजदूरों के अधिकार की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगी। उन्होंने ग्रामीणों से एकजुट होकर अपने अधिकार के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। जिस पर जोसिमा खाखा ने संबंधित विभाग तक मामला पहुंचाने और समाधान के लिए हर संभव पहल करने का भरोसा दिलाया। मौके पर प्रमुख रजत लकड़ा, उर्मिला केरकेट्टा, अभय कुल्लू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कायस्थ महासभा रामगढ़ ने नितिन नवीन को दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रामगढ़ जिला ने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं कुशल संगठनकर्ता नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि कायस्थ महासभा के लिए यह गौरव का क्षण है। नितिन नवीन की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए सिन्हा ने कहा कि वे अपनी संगठनात्मक क्षमता और दृढ़ संकल्प से भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं को अधिक सशक्त बनाया जाएगा और राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम के संकल्प को आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री अमित कुमार सिन्हा, अशोक कुमार सिन्हा, रंजीत कुमार सिन्हा, राजीव पामदत्त, रणंजय कुमार, मुन्ना श्रीवास्तव, राजेश कुमार, प्रो प्रदीप कुमार सिन्हा, सुजीत कुमार सिन्हा पप्पु, कुंवर बक्सी, अनिल कुमार सिन्हा, उमेश प्रसाद सिन्हा, सूर्यदेव प्रसाद कर्ण, मनोज कुमार सिन्हा, सूर्यवंश श्रीवास्तव, संजय लाला, डॉ संजीव कृष्ण जमुआर, योगेन्द्र सिन्हा, प्रशांत कुमार सिन्हा, राकेश कुमार सिन्हा, कुश श्रीवास्तव, पूनम सक्सेना, रंजना सिन्हा, विजय वर्मा, विश्व रंजन सिन्हा, संजीव कुमार सिन्हा, संजय श्रीवास्तव, आशुतोष कुमार सिन्हा, रवि कुमार सिन्हा नितेश रंजन, रितेश रंजन सहित समस्त चित्रांश परिवार ने भी बधाई और शुभकामनाएं दीं।

हॉस्टल में सल्फास सेवन की कोशिश, अत्रिया पावर स्किल सेंटर की सुरक्षा पर सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : साहा बिल्डिंग नियर फॉरेस्ट कॉलोनी झंडा चौक रामगढ़ अत्रिया पावर स्किल सेंटर रामगढ़ में एक छात्रा ने सल्फास नामक जहरीला पदार्थ सेवन कर जान देने की कोशिश की। श्वेता कुमारी नामक छात्रा, जो चान्हो की रहने वाली है, बीते रात करीब दस बजे अपने हॉस्टल में सल्फास सेवन कर ली। अब सवाल खड़ा होता है कि अत्रिया पावर स्किल सेंटर रामगढ़, जो मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र है, वहां सल्फास नामक जहरीला पदार्थ कहां से आया? श्वेता कुमारी की स्थिति चिंताजनक है और वह रिम्स में इलाजरत है। बीते रात साढ़े दस बजे श्वेता कुमारी को सदर अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए रिम्स रेफर किया गया था। इस घटना के बाद से हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई है। अत्रिया पावर स्किल सेंटर रामगढ़ के अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आखिर सल्फास नामक जहरीला पदार्थ हॉस्टल में कैसे पहुंचा? क्या हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था में चूक हुई है? इस घटना के बाद से श्वेता कुमारी के परिवार वाले सदमे में हैं। वे सरकार और प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अत्रिया पावर स्किल सेंटर रामगढ़ के सिस्टम पर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर कैसे एक छात्रा हॉस्टल में सल्फास नामक जहरीला पदार्थ ले जा सकती है? क्या हॉस्टल में चेकिंग नहीं होती है? क्या सुरक्षा व्यवस्था इतनी लचर हुई है? इन सवालों का जवाब अभी तक नहीं मिला है, लेकिन एक बात साफ है कि श्वेता कुमारी के साथ जो हुआ, वह किसी भी छात्रा के साथ नहीं होना चाहिए। सरकार और प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

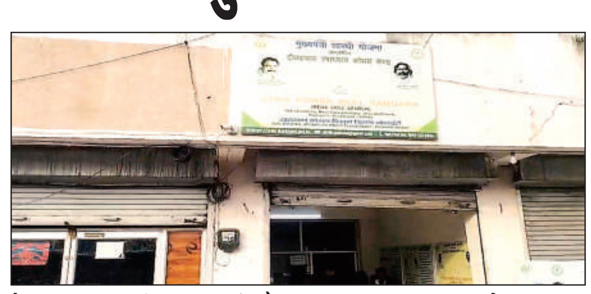

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने रामगढ़ थाना प्रभारी से की मुलाकात, चोरी और ट्रैफिक समस्या पर चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने रामगढ़ शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं और ट्रैफिक समस्या के निदान के लिए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रतिनिधिमंडल ने गश्ती दल बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने, पार्किंग की स्थाई व्यवस्था करने और आम जनता को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने थाना प्रभारी को बताया कि रामगढ़ शहर में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं और ट्रैफिक समस्या भी एक बड़ा मुद्दा बन गया है। थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय ने प्रतिनिधिमंडल को सूचित किया कि इस दिशा में वे लगातार स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं और सकारात्मक पहल कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाएगा और ट्रैफिक समस्या का समाधान किया जाएगा। थाना प्रभारी के जवाब से प्रतिनिधिमंडल के सदस्य संतुष्ट हुए और उन्हें आश्वस्त किया कि वे इस समस्या का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में मंडल अध्यक्ष सुशांत पांडेय, राजीव पामदत्त, शशि शेखर सिंह, संतोष कुमार साह, ऋषिकेश सिंह, सौरभ जायसवाल, अमित ठाकुर और अंशु पांडेय शामिल थे। इस मुलाकात के बाद, प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि वे जल्द ही इस मुद्दे पर फिर से थाना प्रभारी से मुलाकात करेंगे और समस्या का समाधान नहीं होने तक अपनी मांगों को उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि रामगढ़ की जनता की सुरक्षा और सुविधा के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे।

एक नजर

सुढ़ी समाज का पारिवारिक मिलन समारोह आठ फरवरी को

रामगढ़ : सुढ़ी समाज की बलकुदरा पेट्रोल पंप स्थित बाबा होटल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के प्रबुद्ध और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में समाज की एकजुटता को मजबूत करने के उद्देश्य से पारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 8 फरवरी को सुढ़ी समाज का पारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम पतरातू डैम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा और नौकरी में चयनित सुढ़ी समाज के महिला और पुरुषों को भी सम्मानित किया जाएगा। बैठक में समाज के लिए सुढ़ी भवन निर्माण की भी चर्चा की गई और इस पर विचार विमर्श किया गया।

स्वर्णरेखा नदी के तट पर वृद्ध वनभोज का हुआ आयोजन

गोला : डिमरा स्वर्णरेखा नदी के तट पर वृद्ध सेवा समिति द्वारा वृद्ध वनभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों वयोवृद्ध, गरीब और असहाय वृद्ध महिला और पुरुष शामिल हुए। कार्यक्रम में कई जन प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध लोगों ने बुजुर्गों के बीच विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे, जिनका उन्होंने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य प्रीति दीवान ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से गरीब और वयोवृद्ध लोगों के साथ संवेदना और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है, जो समाज के लिए अत्यंत प्रेरक और भविष्य के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बहुत कम लोग बुजुर्गों के दुख-दर्द को समझते हुए उनके साथ समय बिताते और एक साथ भोजन करते हैं। समाजसेवी पीयूष चौधरी ने कहा कि बुजुर्ग ही समाज के आधार स्तंभ हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर हम आगे बढ़ते हैं। वहीं समाजसेवी लक्ष्मण महतो ने कहा कि यह आयोजन कई वर्षों से निरंतर किया जा रहा है, हर वर्ष कई गांवों के वयोवृद्ध और असहाय लोग इसमें शामिल होकर सामूहिक रूप से वन भोज का आनंद लेते हैं और उन्हें वस्त्र और कंबल देकर सम्मानित किया जाता है।

करियर काउंसलिंग सत्र का हुआ आयोजन

रामगढ़ : इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ ने अपने यूथ डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत गुरु नानक पब्लिक स्कूल में एक करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य युवाओं को सही दिशा प्रदान करना और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में मदद करना था। कैरियर लॉन्चर, रांची के निर्देशक संतोष कुमार ने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा के अवसरों और लक्ष्य निर्धारण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुसार करियर चयन की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान किया। सत्र के दौरान, विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, सही मार्गदर्शन और भविष्य की योजना बनाने के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए गए। इस काउंसलिंग सत्र से विद्यार्थियों को करियर से संबंधित भ्रम दूर करने, सही निर्णय लेने और प्रतिस्पर्धात्मक युग में स्वयं को तैयार करने की प्रेरणा मिली। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने प्रश्न पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया, जिससे उनमें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास बढ़ा। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संक्षिप्त खबरें

बीएफसीएल ने निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत रामगढ़ में एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर आईआरआईएस आई हॉस्पिटल के सहयोग से रांची रोड रेलवे स्टेशन के समीप स्थित राधा कृष्णा मंदिर में आयोजित किया गया था। शिविर का आयोजन प्रातः ग्यारह बजे से सायं चार बजे तक किया गया, जिसमें कुल एक सौ छह लाभार्थियों की विस्तृत नेत्र जांच की गई। आसपास के क्षेत्रों के निवासियों, विशेषकर बुजुर्गों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मरीजों को नेत्र देखभाल एवं आगे के उपचार संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इस पहल के माध्यम से बीएफसीएल ने एक बार फिर सामुदायिक कल्याण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आसपास के लोगों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में सार्थक प्रयास किया। बीएफसीएल के अधिकारियों ने शिविर का निरीक्षण किया और लाभार्थियों से बातचीत की। शिविर में आईआरआईएस आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने मरीजों की नेत्र जांच की और उन्हें आवश्यक सलाह दी। शिविर में निःशुल्क दवाएं और चश्मे भी वितरित किए गए। बीएफसीएल की यह पहल समुदाय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कंपनी ने अपने सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। शिविर के आयोजन में बीएफसीएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने शिविर के आयोजन में सहयोग किया और लाभार्थियों की सहायता की।

माइका ओलिंपियाडः श्री अग्रसेन स्कूल के 8 विद्यार्थियों को मिला डेस्कटॉप कंप्यूटर

भुरकुंडा : श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा के विद्यार्थियों ने माइका द्वारा आयोजित ओलिंपियाड परीक्षा में राज्य में उल्लेखनीय रैंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया है। मंगलवार को आयोजित एक समारोह में इन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि माइका के सीईओ डॉ संजय जैन ने कहा कि यहां के बच्चों ने ओलिंपियाड जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में अपनी काबिलियत साबित की है। यह कोई साधारण परीक्षा नहीं होती, बल्कि बच्चे की सोच, समझ और आत्मविश्वास की असली परीक्षा होती है। डॉ जैन ने कहा कि सफलता संयोग से नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत से मिलती है। विद्यालय का प्रयास सराहनीय है, जो शिक्षा को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है। विशिष्ट अतिथि ऑरेंज एजुकेशन के निदेशक विदित गुप्ता ने कहा कि ओलिंपियाड जैसी परीक्षाएं बच्चों के भीतर छुपी प्रतिभा को पहचानने का अवसर देती हैं। उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देती हैं। समारोह में 8 विद्यार्थियों अफान रजा खान, साक्षी मुंडा, शिवांगी प्रसाद, अंकित कुमार उपाध्याय, आर्यन सिन्हा, आर्यन कुमार, शैलजा और अनुष्का कुमारी को डेस्कटॉप कंप्यूटर सेट मिला। इसी तरह 6 विद्यार्थियों अंश कुमार वर्मा, आकांक्षा कुमारी, समीक्षा गुप्ता, अंकिता कुमारी, आर्यन कुमार बेदिया और अंश कुमार ठाकुर को झोन किट, 11 विद्यार्थियों साक्षी गोस्वामी, अर्णव आर्या, अमर्त्य कुमार, जीवन बेदिया, पीयूष गुप्ता, जयश कुमार, रुषांक आयंक, गौरव सिंह, रूद्र सोनी, आदित्य सिन्हा और दंडामुडी अमूल्या को एआई किट मिला।

झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का रामगढ़ व्यवहार न्यायालय में भव्य स्वागत

रामगढ़ : झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दीपक रौशन ने मंगलवार, 20 जनवरी 2026 को रामगढ़ व्यवहार न्यायालय का दौरा किया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो. तौफिकुल हसन, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय राजीव आनन्द, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम विशाल श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मनोज कुमार राम, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी संदीप बर्तम, अवर न्यायाधीश-सह-न्यायिक दण्डाधिकारी शिवेन्द्र द्विवेदी, अवर न्यायाधीश-सह-न्यायिक दण्डाधिकारी संजीविता गुईन, न्यायिक दण्डाधिकारी आलोक कुमार, प्रभारी न्यायाधीश (प्रशासन) सह-न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी हर्षित तिवारी तथा न्यायिक दण्डाधिकारी आयशा सिंह सरदार ने उनका भव्य स्वागत किया। रामगढ़ जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, महासचिव सीताराम समेत अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने भी माननीय न्यायाधीश का स्वागत किया। रामगढ़ पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। न्यायाधीश ने परिसदन में उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक रामगढ़ के साथ बैठक कर व्यवहार न्यायालय से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की और यथाशीघ्र उनका समाधान करने का आदेश दिया। उन्होंने व्यवहार न्यायालय में विटनेस सेड से संबंधित निर्माण के संबंध में भी चयनित स्थल, हाजत तथा व्यवहार न्यायालय परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीसीएल राजरप्पा परियोजना पर गंभीर आरोप बिना अधिग्रहण घर धंसने के मामले में अदालत ने सीएमडी को जारी किया नोटिस

रामगढ़ : दिनांक 28 दिसंबर 2024 को बिना भूमि अधिग्रहण किए सीसीएल राजरप्पा परियोजना द्वारा कथित रूप से घर धंसने की घटना के मामले में दर्ज परिवाद अब न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। इस संबंध में केस संख्या 63/2025 की शिकायत माननीय न्यायालय, रामगढ़ कोर्ट में प्रस्तुत की गई है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 223(2) के तहत सीसीएल के सीएमडी (CMD), दरभंगा हाउस, रांची को नोटिस जारी किया है। न्यायालय द्वारा निर्देश दिया गया है कि संबंधित पक्ष 22 जनवरी 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बिना वैधानिक भूमि अधिग्रहण और उचित मुआवजा दिए खनन गतिविधियों के कारण आवासीय भवन को गंभीर क्षति पहुंची, जिससे पीड़ित परिवार को भारी नुकसान हुआ है।

पूर्वी सिंहभूम में जागरूकता अभियानों के बीच अतिक्रमण अव्यवस्था और सवालों में घिरी यातायात पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन की ओर से 01 से 31 जनवरी तक पूरे जिले में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस क्रम में उपायुक्त ने प्रेस वार्ता कर जनवरी माह में आयोजित जागरूकता और प्रवर्तन कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा नागरिकों से सुरक्षित सड़क व्यवहार अपनाने की अपील की। प्रशासन का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और नियमों के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाना बताया गया। उपायुक्त के अनुसार, 01 जनवरी को जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरूआत की गई। इसके बाद नियम तोड़ने वालों को प्रतीकात्मक रूप से फूल-माला पहनाना, बस स्टैंडों पर

स्वास्थ्य जांच शिविर, नशे में वाहन चलाने के खिलाफ विशेष जांच, सरकारी कर्मियों को शपथ, ओवरलोडिंग व गलत दिशा में वाहन चलाने पर कार्रवाई जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक, स्कूल जागरूकता, ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान, गुड सेमेरिटन योजना और हिट एंड रन मुआवजा सहायता शिविर भी लगाए गए। प्रेस वार्ता में उपायुक्त ने दो टूक कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा और नशे में ड्राइविंग से परहेज ही दुर्घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। लेकिन इन दावों के ठीक उलट, शहर की व्यस्त सड़कों पर हालात चिंताजनक बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर का दिल कहे जाने वाला साकची बाजार आज पैदल यात्रियों के लिए सबसे असुरक्षित इलाकों में शामिल हो चुका है। फुटपाथ पूरी तरह दुकानों के कब्जे में हैं, जबकि सड़कें ठेले, ऑटो और अवैध पार्किंग से जाम रहती हैं। मजबूरी में पैदल यात्री सड़क पर चलने को विवश हैं, जहां हर पल दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह अतिक्रमण अचानक नहीं, बल्कि यातायात पुलिस की मौन सहमति से फल-फूल रहा है। जुगसलाई, मानगो, बिष्टुपुर खाऊ गली, सिदगोड़ा, धातकीडीह और कदमा जैसे इलाके भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नाम पर यातायात पुलिस की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है। हेलमेट जांच के दौरान पुलिसकर्मियों के पेड़ों, मोड़ों और झोपड़ियों की आड़ में छिपकर कार्रवाई करने के आरोप आम हैं। अचानक रोकने-दौड़ाने की वजह से कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद पुलिस और आम लोगों के बीच टकराव भी सामने आया, जिसको लेकर आजसू, भाजपा समेत कई राजनीतिक दलों ने आंदोलन किया। बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर यातायात व्यवस्था में ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा। उपायुक्त ने कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा का पालन और नशे में वाहन न चलाना दुर्घटनाओं को रोकने के प्रभावी उपाय हैं। हालांकि, प्रशासनिक दावों के विपरीत शहर की सड़कों की जमीनी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

डीसी ने स्नेह स्पर्श वृद्ध आश्रम व बाल गृह का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती द्वारा आज स्नेह स्पर्श वृद्ध आश्रम एवं बाल गृह का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने आश्रम एवं बाल गृह में रह रहे वृद्धजनों एवं बच्चों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। डीसी ने भोजन व्यवस्था, आवासीय सुविधा, स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा व्यवस्था तथा बच्चों के शैक्षणिक एवं मानसिक विकास से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लाभार्थियों को सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने कहा कि वृद्धजनों एवं बच्चों की देखभाल प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवश्यक सुधारात्मक कदम अविलंब उठाने तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये गये। मौके पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी, आश्रम एवं बाल गृह के प्रभारी सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

साहिबगंज में मामूली कहासुनी बनी खूनी संघर्ष, युवक की गोली मारकर हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा रक्सो पंचायत में एक मामूली कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया। पंचायत भवन के समीप एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बड़ा रक्सो निवासी दिलीप मड़ैया के 23 वर्षीय पुत्र संजू मड़ैया के रूप में हुई है। संजू ग्रामीण चौकीदार सोना सिंह मड़ैया का चचेरा भतीजा बताया जा रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार, सोमवार शाम बांझी हाट में संजू मड़ैया और गांव के ही युवक धुमा किस्कु के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। उस वक्त आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को समझा-बुझाकर मामला शांत करा

दिया था।

गोली लगते ही मौके पर हुई मौत, आरोपी फरार

बताया जा रहा है कि हाट से लौटने के बाद भी दोनों के बीच तनाव बना रहा। इसी दौरान रात करीब आठ बजे बड़ा रक्सो पंचायत भवन के पास आरोपी धुमा किस्कु ने संजू मड़ैया पर गोली चला दी। गोली लगते ही संजू जमीन पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की जान जा चुकी थी। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे। उनका रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

पुलिस जांच में जुटी, आरोपी की तलाश जारी

घटना की जानकारी मिलते ही बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, साहिबगंज भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके घर पर छापेमारी की, लेकिन वह फरार पाया गया।

डिजिटल सुशासन में पाकुड़ जिला प्रशासन को मिली राष्ट्रीय पहचान

▸ "प्रोजेक्ट दीप" को गवर्नेंस नाउ 6th डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवॉर्ड-2026

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में डिजिटल नवाचार, ई-गवर्नेंस एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पाकुड़ जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। प्रतिष्ठित "गवर्नेंस नाउ 6th डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समिट एंड अवॉर्ड्स-2026" के अंतर्गत पाकुड़ जिला प्रशासन को अपने महत्वाकांक्षी एवं अभिनव पहल "प्रोजेक्ट दीप- डिजिटली एजुकेटिंग एंड एम्पावरिंग पाकुड़" के लिए चयनित किया गया है। ज्ञात हो कि यह सम्मान ई-लर्निंग, असेसमेंट एवं डिजिटल

एजुकेशन प्लेटफॉर्म में उत्कृष्टता श्रेणी में प्रदान किया गया, जो जिले द्वारा डिजिटल तकनीक के माध्यम से शिक्षा के सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास तथा समावेशी विकास को गति देने के प्रभावी प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता है।

डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर

"प्रोजेक्ट दीप" के माध्यम से पाकुड़ जिले में विद्यार्थियों एवं युवाओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने, आधुनिक शिक्षण संसाधनों तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करने तथा तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद यह परियोजना डिजिटल परिवर्तन को जमीनी स्तर तक सफलतापूर्वक पहुंचाने का एक अनुकरणीय मॉडल बनकर उभरी है।

नई दिल्ली में मिला राष्ट्रीय सम्मान

गवर्नेंस नाउ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवॉर्ड समारोह का आयोजन 16 जनवरी 2026 को होटल एरोज, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर पाकुड़ जिले की ओर से जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी को "प्रोजेक्ट दीप" के लिए सम्मानित किया गया।

रेलवे सुविधाएं न मिलने पर पाकुड़-साहिबगंज में पत्थर लोडिंग ठप

▸ हड़ताल से अब तक करोड़ों का नुकसान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : पाकुड़ और साहिबगंज जिलों के पत्थर क्वारी ओनर एसोसिएशन से जुड़े पत्थर व्यवसायियों ने विगत १६ जनवरी २०२६ से रेलवे में पत्थर की लोडिंग पूरी तरह बंद कर दिया है। यह कदम रेलवे द्वारा क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त सुविधाएं न दिए जाने के विरोध में उठाया गया है। ज्ञात हो कि झामुमो के पंकज मिश्रा ने हाल ही में पाकुड़ और साहिबगंज के पत्थर व्यवसायियों के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया था कि यदि रेलवे द्वारा सुविधाएं प्रदान नहीं की जाती है, तो १६ जनवरी से पत्थर की लोडिंग पूरी तरह बाधित कर दी जाएगी। इसी घोषणा के तहत शुक्रवार से व्यवसायियों ने लोडिंग रोक दी।

पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन है प्रमुख मांग

व्यवसायियों की प्रमुख मांगों में कोविड-19 महामारी के दौरान बंद की गई कई ट्रेनों का परिचालन फिर से शुरू करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस मार्ग से गुजरने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों का पाकुड़ और साहिबगंज रेलवे स्टेशनों पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई है। पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सुविधा की मांग की जा रही है। झामुमो के पंकज मिश्रा ने पत्थर के बाद अब कोयला लोडिंग बंद करने की बात कही है। उन्होंने साफ किया कि अगर रेलवे को जनता से कोई सरोकार नहीं तो पाकुड़, साहिबगंज और दुमका तीनों जगहों से बाध्य होकर कोयला लोडिंग भी बंद करवाया जाएगा।

साइकिल चालकों को सुरक्षित यातायात का संदेश राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत चलाया जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिले में "सिख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन" थीम के साथ 20वें दिन साइकिल चालकों के बीच विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम साहिबगंज जिले के प्रमुख स्थलों–रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड–पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान साइकिल चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा सुरक्षित रूप से सड़क पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। रात्रि अंधेरे एवं कोहरे में दुर्घटनाओं से बचाव हेतु साइकिल के आगे-पीछे

रिफ्लेक्टिव टेप (परावर्तक पट्टी) लगाने की अनिवार्यता पर विशेष जोर दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करने वाले नेक नागरिकों को गुड सेमेरिटन पॉलिसी के अंतर्गत सरकार द्वारा 25,000 की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है, इसलिए बिना किसी भय के मानवता का परिचय देते हुए सहायता करनी चाहिए। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट एवं बुकलेट का वितरण कर आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह केवल दुर्घटना के आंकड़े कम करने का प्रयास नहीं, बल्कि जीवन के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का संदेश है। कार्यक्रम में एम.भी.आई. कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, अभिषेक वत्स, कार्तिक कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

एक नजर

जहरीले केमिकल से तीन बीघा फसल नष्ट, किसान चिंतित

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी बहियार में जहरीले केमिकल देने से तीन बिघा जमीन पर लगे फसल जल गए हैं। जानकारी के अनुसार असाड़ी मौजा में मनारुल शेख नामक किसान ने पांच दिन पहले श्रीधर के उर्वरक दुकानदार से लहसून के खेती के लिए विटामिन केमिकल लिया था। किसान का आरोप है कि दुकानदार विश्वजीत मंडल से विटामिन केमिकल के स्थान पर कीटनाशक दवा मेटाशिट दे दिया है। जिसे खेत पर देने से तीन दिनों बाद खेत देखने के लिए पहुंचे तो देखा कि सभी लहसून के फसल जल कर नष्ट हो गया है। इधर खेत के फसल नष्ट होने से किसान बहुत चिंतित हैं।मामले को लेकर पीड़ित किसान मनारुल शेख ने राधानगर थाना पुलिस व बीडीओ को आवेदन देकर उक्त दुकानदार के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है। विदित हो कि उधवा में दर्जनों उर्वरक दुकानदार बिना किसी लाइसेंस के ही दुकान संचालित कर रहे हैं।

इंजीनियरों ने पश्चिमी रेलवे फाटक के समीप प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज निर्माण जमीन की मापी

साहिबगंज : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के आह्वान पर रेलवे के विकास एवं सुविधा विस्तार को लेकर पत्थर व्यवसायियों द्वारा किया जा रहा आंदोलन अब असर दिखाने लगा है। साहिबगंज जिले में पश्चिमी एवं पूर्वी रेलवे फाटक सहित रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर 16 जनवरी से आंदोलन जारी है। आंदोलन के चौथे दिन मंगलवार को इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिला, जब मालदा रेलवे डिवीजन के इंजीनियरों ने साहिबगंज के पश्चिमी रेलवे फाटक के समीप प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर जमीन मापी का कार्य किया। जिला प्रशासन के सहयोग से की गई इस मापी कार्य में रेलवे विभाग के इंजीनियरों के साथ–साथ स्थानीय प्रशासन के इंजीनियर एवं जिला प्रशासन के पदाधिकारी सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइंद भी उपस्थित रहे। जमीन मापी की प्रक्रिया शुरू होने से यह संकेत मिल रहा है कि लंबे समय से लंबित आरओबी निर्माण की दिशा में अब ठोस पहल की जा रही है।

सदर अस्पताल के ब्लड बैंक पर फिर गंभीर आरोप, एक ही परिवार के तीन सदस्य एचआईवी पॉजिटिव

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा सदर अस्पताल का ब्लड बैंक एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है। एक ही परिवार के महिला, उसके पति और बच्चे के एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने के बाद परिजनों ने आरोप लगाया है कि महिला को जनवरी 2023 में हुई सी–सेक्शन डिलीवरी के दौरान ब्लड बैंक से संक्रमित रक्त चढ़ाया गया था, जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। पीड़ित परिवार के अनुसार, महिला ने जनवरी 2023 में चाईबासा सदर अस्पताल में पहले बच्चे को जन्म दिया था। प्रसव के दौरान अस्पताल के ब्लड बैंक से रक्त चढ़ाया गया था। इसके बाद जून 2025 में महिला दूसरी बार गर्भवती हुई। रूटीन जांच के दौरान उन्हें एचआईवी पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद जब पति की जांच कराई गई तो उनकी रिपोर्ट भी एचआईवी पॉजिटिव आई। महिला ने दो जनवरी 2026 को दूसरे बच्चे को जन्म दिया। कुछ समय बाद पहला बच्चा बीमार पड़ा, जिसके बाद उसकी जांच चाईबासा सदर अस्पताल में कराई गई।

संक्षिप्त खबरें

जिला परिवहन कार्यालय साहिबगंज में आईआरएडी से संबंधित बैठक आयोजित

साहिबगंज : जिला परिवहन कार्यालय, साहिबगंज में जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आईआरएडी एवं ईडीएआर से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों को आईआरएडी/ईडीएआर ऑनलाइन पोर्टल पर ससमय एवं सही तरीके से एंट्री सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। इस क्रम में पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा मोटरयान निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि किसी भी स्तर पर डाटा लंबित न रहे और समयबद्ध तरीके से अपलोड किया जाए।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी थाना प्रभारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में आईआरएडी/ईडीएआर पोर्टल के प्रयोग के साथ–साथ सड़क सुरक्षा उपायों पर भी विशेष जानकारी दी जाएगी। एल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की जांच की पद्धति का प्रशिक्षण, हिट एंड रन मामलों के प्रबंधन से संबंधित दिशा–निर्देश (नेक नागरिक) से संबंधित प्रावधानों का प्रशिक्षण।इस अवसर पर एमवीआई अभिषेक मुंडा कुमार उत्कर्ष, आईआरएडी मैनेजर मनोज कुमार एवं जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक अनुज पराशर उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित डाटा प्रबंधन एवं सड़क सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाना था।

आकांक्षी जिला मद से संचालित मोबाइल ओपीडी वैन को डीसी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

साहिबगंज : समाहरणालय परिसर से आज आकांक्षी जिला मद से संचालित मोबाइल ओपीडी वैन को डीसी हेमंत सती द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह मोबाइल ओपीडी वैन जिले के सुदूरवर्ती एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर आमजनों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण भी करेगी। दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुलभ, सस्ती एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें इलाज के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुझू कुमार मिश्रा, जिला भू–अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मोबाइल ओपीडी वैन के माध्यम से अधिकतम जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा नियमित रूप से भ्रमण कार्यक्रम तैयार कर सेवा प्रदान की जाए।

सीनियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने 3 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो–कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत मंगलवार को नार्थ कॉलोनी बनाम राजमहल बी के बीच मैच खेला गया। राजमहल बी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 26.2 ओवर में 136 रन बना कर ऑल आउट हो गई। फैज आलम ने 37, राजकुमार घोष ने 16 व समीर रविदास ने 12 रन की पारी खेली। नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब में गेंदबाज केशव कुमार ने 5 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने 14.1 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 137 रन बना कर 3 विकेट से मैच जीत लिया। अंकित कुमार ने 22, आनंद मोहन ने 18 व विकास कुमार ने नाबाद 16 रन की पारी खेली। राजमहल बी के गेंदबाज हलीम शेख ने 3 विकेट लिए। नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी केशव कुमार को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि चैंबर अध्यक्ष राजेश अग्रवाल व जाहिद खान ने केशव को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह ने किया। जबकि स्कोरिंग अनाउल्लाह अंसारी ने किया। मौके पर जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफा, सतीश सिन्हा, चंदन यादव सहित अन्य मौजूद थे।

तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर एक युवक हुए बुरी तरह घायल

साहिबगंज : तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की सुबह ट्रेन से गिर कर एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार 13071 अप हावड़ा जमालपुर सुपर एक्सप्रेस ट्रेन तीनपहाड़ स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म से खुल कर सहेबगंज की ओर जा रही थी उसी दरम्यान इस ट्रेन में यात्रा कर रहे एक यात्री ट्रैन से स्टेशन के आगे गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था मे ही यात्री स्टेशन की तरफ आ रहा था वहीं आने के दरम्यान प्लेटफार्म पर आ कर गिर गया। वहीं ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के जवान ने इसको देखा और जा कर उठाया और बैरक में लाया वहाँ लाने के बाद आरपीएफ के हेड कॉन्टेबल अमल चंद्र दास और कांस्टेबल रमेश यादव ने उसे प्राथमिक उपचार किया और बेहतर इलाज के लिये अनुमंडल अस्पताल राजमहल ले जाया गया। जहाँ उसका इलाज कराने के बाद वापस तीनपहाड़ स्टेशन के बैरक लाया गया और उससे पूछताछ किया गया। जहां घायल यात्री अपना नाम मिथलेश बेसरा बिहार के मुंगेर जिला के करेली बंगालमा बताया और यह भी बताया कि वह हावड़ा से इस ट्रेन में सफर कर जमालपुर में उतर कर अपना घर जाता। वहीं आरपीएफ के जवानों ने घायल व्यक्ति को मालदा क्युल इंटरसिटी एक्सप्रेस में चढ़ा कर उसे घर भेज दिया।

सरकार का एक नियम...15 लाख लोगों की कमाई घटेगी !:70 हजार की नौकरी जाएगी

बिहार। पटना नीतीश सरकार 2021 में अपनी इथेनॉल नीति लेकर आई थी। मकसद था बिहार को इथेनॉल उत्पादन में अव्वल राज्य बनाना। इसके लिए 100 से ज्यादा प्लांट लगाने की तैयारी थी। 2017 में इसकी मंजूरी मिली, लेकिन अब 4 साल के भीतर ही इनमें से 10 प्लांट बंदी के कगार पर हैं। नतीजा, सीधे तौर पर बिहार में 5 हजार से ज्यादा लोग बेरोजगार हो जाएंगे। 70 हजार से ज्यादा लोगों पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सीधा असर पड़ेगा। उनकी नौकरी जाएगी। 15 लाख मक्का किसानों की आमदनी घटेगी। देश में फिलहाल इथेनॉल के खरीदार केवल तेल वितरण कंपनियां (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम) हैं। उनके अलावा इथेनॉल किसी और को नहीं बेचा जा सकता। बिक्री करने वाले इथेनॉल प्लांट के संचालक हैं। बिहार इथेनॉल एसोसिएशन के सचिव कुणाल किशोर ने बताया कि तेल कंपनियां दो तरह के इसकी खरीदारी करती है। ऐसे प्लांट संचालक, जिनके साथ तेल कंपनियों ने इथेनॉल खरीदने के लिए करार किया है। करार के तहत इनसे वे तय मात्रा में इथेनॉल जरूर खरीदेंगे। उन्होंने कहा, 'इसके साथ तेल कंपनियों ने एग्रीमेंट के दौरान प्लांट संचालकों से एक और बात की रजामंदी दी थी कि अगर करार की मात्रा से अधिक इथेनॉल की जरूरत होगी तो इसे खरीदने के लिए प्राथमिकता उस प्लांट को देंगे, जिसके साथ पहले से करार है। अगर इनके पास पर्याप्त मात्रा में इथेनॉल नहीं होगा तब बिना एग्रीमेंट वाले प्लांट से संपर्क करेंगे।'

2. जब कंपनी तेल खरीद रही है तो प्लांट बंद होने की बात कहां से आ रही?

किशोर कुणाल ने बताया कि बिहार के 17 लोगों ने प्लांट में निवेश कर लाइसेंस लिया है। कंपनियों ने 10 साल का एग्रीमेंट किया है। एग्रीमेंट में इथेनॉल खरीद की मात्रा को दो हिस्से में बांटा गया है। 50 प्रतिशत एग्रीमेंट के तहत और 50 प्रतिशत दूसरे से पहले।

उन्होंने कहा, 'समस्या ये है कि अभी तक कंपनी एग्रीमेंट से ज्यादा मात्रा में इथेनॉल इन प्लांटों से ले रही थी। ऐसे में बिहार के जितने भी प्लांट हैं, उन्होंने अपने तय एग्रीमेंट से दोगुनी क्षमता का प्लांट बना लिया है। अभी तक जितना उत्पादन हो रहा था, सब बिक भी जा रहा था।'

अब समझिए क्या है परेशानी...

बिहार में 10 प्लांट ऐसे हैं, जिनकी क्षमता कुल मिलाकर 47.64 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पादन की है। तेल कंपनियों के साथ एश्योर्ड तेल खरीदी का करार 16.5 करोड़ लीटर प्रति वर्ष का है। 31.31 करोड़ लीटर एग्रीमेंट के बाद प्रेफरेंस के तौर पर इनसे खरीदा जा रहा था।

वित्त वर्ष 2025-26 के आवंटन में तेल कंपनियों ने अपनी नीति बदली। वे करार के तहत 16.5 करोड़ लीटर इथेनॉल खरीदेंगी, लेकिन प्रेफरेंस खरीदारी में कटौती कर उसे 7.32 करोड़ लीटर कर दिया। यानी बिहार के एग्रीमेंट वाले 10 प्लांट से तेल कंपनियां 23.82 करोड़ लीटर इथेनॉल खरीदेगी। यह सभी 10 प्लांट की उत्पादन क्षमता का आधा है।

3. ऑयल कंपनी के इस फैसले का प्लांट संचालकों पर क्या असर पड़ेगा?प्लांट संचालक बताते हैं, 'समस्या ये है कि इथेनॉल को दूसरी जगह बेचा नहीं जा सकता। इसे 30 दिन से ज्यादा स्टोर नहीं कर सकते। प्लांट आधी क्षमता पर नहीं चला सकते। जितनी डिमांड तेल कंपनियों की तरफ से की गई है। अपनी क्षमता के मुताबिक ये प्लांट 3-4 महीने में उतना उत्पादन कर देंगी।

ऐसे में 8 महीने तक प्लांट बंद रखना पड़ेगा। ऐसे में एक प्लांट को चलाने के लिए जो फाइनांशियल सपोर्ट की जरूरत है वो हासिल नहीं हो पाएगी। ओवरऑल साल भर में जितना कमाएंगे बैंक का ईएमआई भी नहीं दे पाएंगे। न ही अपने कर्मचारी को सैलरी दे सकेंगे।

4. प्लांट बंद होने का असर कितने लोगों पर पड़ेगा?

बिहार इथेनॉल एसोसिएशन के सचिव किशोर कुणाल ने कहा, 'औसतन 100 किलो लीटर के एक प्लांट में 250 हाइली ट्रेंड एंप्लॉइज होते हैं। केमिकल इंजीनियर से लेकर टेक्निकल इंजीनियर तक, जिनकी सैलरी लाखों में रहती है। इनके अलावा प्रत्यक्ष तौर पर सैकड़ों लोगों को काम मिलता है। अप्रत्यक्ष तौर लाखों लोगों का इकोसिस्टम जुड़ा होता है। इसमें किसान से लेकर ट्रैक्टर ड्राइवर तक शामिल होते हैं। ये प्लांट सरकार को सालाना लगभग 20 करोड़ रुपए का टैक्स देते हैं।'बिहार में देशभर का 25% मक्का उत्पादन होता है। बिहार में ज्यादातर प्लांट मक्का से इथेनॉल बनाते हैं।

पटना में चोरी के मामले में 6 अरेस्ट:घर से चोरी की बाइक, गहने और कैश बरामद

बिहार। पटना में 28 अक्टूबर 2025 को कदमकुंआ इलाके के पूर्वी लोहानीपुर में रात के समय चोरी की घटना हुई थी। इस मामले का पटना पुलिस ने खुलासा किया है। टाउन DSP 1 राजेश रंजन ने बताया कि इस मामले में 6 अप्राथमिक अभियुक्तों को सीसीटीवी फुटेज और इन्वेस्टिगेशन के आधार पर अरेस्ट किया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों का नाम राज कुमार जायसवाल, आशीष जैम्स उर्फ आशू, गौतम प्रसाद उर्फ गौतम कुमार, संजीव कुमार उर्फ विनीत, संजीत प्रसाद, अशोक प्रसाद है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और इन्वेस्टिगेशन के आधार पर राज जयसवाल नाम के शख्स को अरेस्ट किया। इससे जब पूछताछ हुई तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। उसने बताया कि इसके अलावा 5 अन्य आरोपी शामिल थे। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर छापेमारी शुरू की। पूछताछ के दौरान ही यह भी पता चला कि कुछ गहने दुकान में बेच दिए हैं। निशानदेही पर जब दुकान में छापेमारी हुई तो वहां से भी गहने की रिकवरी हुई। चोरी के वक्त आशीष नाम के अभियुक्त ने जो कपड़े पहने थे, उस कपड़े को भी पुलिस ने घर से बरामद किया है।

चोरी के बाद बरामद सामान

पकड़े गए अभियुक्तों के पास से चोरी के आईफोन समेत 6 मोबाइल फोन, 2 अंगूठी, 2 चांदी के पायल, सोने की जितिया, ढोलना के अलावा 1 बाइक और 12000 कैश बरामद किए गए हैं।

पटना में 2.97 एकड़ में बनेगा पीएम एकता मॉल

बिहार सहित अन्य राज्यों के पारंपरिक प्रोडक्ट एक ही छत के नीचे मिलेंगे

बिहार। पटना में पीएम एकता मॉल (यूनिटी मॉल) का निर्माण किया जाएगा। इसे 2.97 एकड़ भूमि पर अटल पथ के पास बनाया जाएगा। इस प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत 3069.67 वर्गमीटर क्षेत्र में ग्राउंड कवरेज निर्धारित है। मॉल का निर्माण बेसमेंट, ग्राउंड और 5 तल (B+G+5) के रूप में किया जाएगा। इसमें से कुल 19466.1 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र शामिल है। यूनिटी मॉल का निर्माण 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODP)' योजना के तहत किया जा रहा है। इस मॉल में बिहार के सभी जिलों के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पारंपरिक प्रोडक्ट एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। इससे मार्केटिंग का अवसर प्राप्त होगा, जिससे स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान होगी। पीएम एकता मॉल बेसमेंट सहित ग्राउंड प्लस पांच मंजिला होगा। नगर आयुक्त ने मॉल का स्थल निरीक्षण किया नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने मॉल के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। दौरान स्थल की उपलब्धता, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और प्रस्तावित सुविधाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना का निर्माण तय समय-सीमा और गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूरा किया जाए। उन्होंने पर्यावरणीय नियमों के पालन, बेहतर पार्किंग व्यवस्था और आगंतुकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा।

कांग्रेस के विधायकों को दिल्ली से बुलावा: 23 जनवरी को इंदिरा भवन में होगी बैठक, राहुल-खड़गे रहेंगे मौजूद

बिहार। बिहार के सभी 6 विधायकों को दिल्ली से कांग्रेस का बुलावा आया है। 23 जनवरी को बिहार के विधायकों को राहुल गांधी ने दिल्ली बैठक के लिए बुलाया है। इंदिरा भवन में बैठक होगी। इस बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए चर्चा होगी। इसके साथ ही अभी तक कांग्रेस ने अपने विधायक दल का नेता नहीं चुना है। इस बैठक के बाद प्रदेश के विधायकों को अपना नेता मिलने की उम्मीद है। बिहार कांग्रेस ने अपने विधायकों के साथ बैठक की है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों, विभागों के चेयरमैन और विधायकों से मिल कर आगे की रणनीति तैयार की। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर और संगठन की मजबूती के विषय पर चर्चा हुई। इसके साथ ही मनरेगा कानून पर आंदोलन को जिलों में मजबूती से पहुंचाने की भी जिम्मेदारी तय की गई।

NEET छात्रा मौत मामला में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कांग्रेस ने आज NEET छात्रा से रेप-मौत मामले में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में महिला कार्यकर्ता गृहमंत्री के लिए चूड़ियां लेकर पहुंची। कांग्रेसियों ने सीएम नीतीश का पुतला भी फूंका। प्रदर्शन में बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम और प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी शामिल हुए। कृष्णा अल्लावरू ने कहा, 'पुलिस ने मामले को दबाने की पूरी कोशिश की। जनता के दबाव के कारण FIR लिखी गई। SIT बनी है, लेकिन जांच सही से हो।'

भागलपुर में हत्या से पहले हथियार संग दो शूटर अरेस्ट

बिहार। भागलपुर में एक टीचर की हत्या से पहले 50 हजार रुपए की सुपारी लेने वाले दो शूटरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हथियार के साथ दोनों शूटरों को गिरफ्तार किया गया है। मामला पीरपैंती थाना क्षेत्र के बसंतपुर रेलवे स्टेशन अंडरपास के पास का है। जानकारी के अनुसार, जमीन विवाद में इलाके के रहने वाले एक शिक्षक की हत्या के लिए बदमाशों को 50 हजार रुपए की सुपारी दी गई थी। इसकी गुप्त सूचना पुलिस को मिली, जिसके बाद एसएसपी के निर्देश पर एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने छापेमारी करते हुए बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में बदमाशों ने अपना जुर्म कबूल किया है। उन्होंने बताया कि शिक्षक की हत्या के लिए उन्हें सुपारी मिली थी। पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब 8 बजे गुप्त सूचना मिली कि पीरपैंती के लक्ष्मीपुर के रहने वाले पवन कुमार साह ने पीरपैंती के सुंदरपुर के रहने वाले पप्पू साह की हत्या के लिए 50 हजार रुपए की सुपारी दी है। गुप्त सूचना के बाद एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी और कहलगांव के एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने छापेमारी कर दोनों अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनकी निशानदेही पर बसंतपुर रेलवे अंडरपास के पास से हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किया।

जमुई में अज्ञात गाड़ी की टक्कर से हेडमास्टर की मौत

बिहार। जमुई में सिकंदरा थाना क्षेत्र में सोमवार को हुई सड़क दुर्घटना में उत्क्रमित मध्य विद्यालय जाजल के हेडमास्टर विजय कुमार की इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। इस घटना से शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक हेडमास्टर विजय कुमार शेखपुरा के नीमी गांव के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, वह स्कूल से संबंधित किसी आवश्यक कार्य से सिकंदरा आए हुए थे। इसी दौरान सिकंदरा क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद, घायल अवस्था में उन्हें जमुई थाना क्षेत्र के डुंडो गांव स्थित ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा तत्काल इलाज के लिए शेखपुरा जिले के शेखोपुरसराय अस्पताल ले जाया गया।

मिलन टेंट हाउस सेमीफाइनल में पहुंचा :ग्राउंड ब्रेकर भलूरा को हराकर बनाई जगह

बिहार। मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड में आयोजित औराई टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला सोमवार को खेला गया। इस मैच में मिलन टेंट हाउस ने द ग्राउंड ब्रेकर भलूरा को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। राम जेवर उच्च विद्यालय खेल स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में द ग्राउंड ब्रेकर भलूरा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने निर्धारित 16 ओवरों में सभी विकेट खोकर 153 रन बनाए। जवाब में, 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मिलन टेंट हाउस की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने महज 11.3 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मिलन टेंट हाउस की जीत में बल्लेबाज शिवम का अहम योगदान रहा। उन्होंने केवल 31 गेंदों में 89 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया।

31 जनवरी तक हर हाल में हो जाएगा जमीन से जुड़ा काम, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कर दी बड़ी घोषणा

बिहार। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय को पूरी करने की दिशा में सीएम नीतीश कुमार ने एक और बड़ी पहल की है। उन्होंने आज कुल चार निर्णय लिए हैं। यह सभी जमीन मामले से जुड़े हैं। सीएम का कहना है कि यह सभी निर्णय जमीन विवाद को कम करने के उद्देश्य से लिए गए हैं। सीएम नीतीश कुमार ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने समृद्धि यात्रा पर गोपालगंज रवाना होने से पहले जमीन विवाद के मामले को कम करने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि 20 नवंबर 2025 को राज्य में नई सरकार के गठन के कुछ ही दिनों बाद हमलोगों ने बिहार को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 (2025-30) के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' (Ease of Living) का मुख्य मकसद राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। इसे लेकर हमलोग लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कई बार ऐसा देखा गया है कि राज्य में जमीन मापी कराने के इच्छुक लोगों द्वारा आवेदन देने के पश्चात जमीन मापी की प्रक्रिया संपन्न होने में काफी वक्त लग जाता है। इस कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जमीन की समय पर मापी नहीं होने के कारण अनावश्यक भूमि विवाद उत्पन्न होते हैं।

ऐसे में 'सबका सम्मान-जीवन आसान' (Ease of Living) के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भूमि मापी की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं नागरिक अनुकूल बनाने के लिए निम्न निर्णय लिए गए हैं 31 जनवरी 2026 तक जमीन मापी के लिए लंबित आवेदनों का निपटारा विशेष भूमि मापी अभियान चलाकर कर दिया जाएगा।

एक अप्रैल 2026 से अविवादित जमीन की मापी के लिए आवेदक द्वारा मापी शुल्क जमा किए जाने के अधिकतम 7 कार्य दिवस में जमीन की मापी सुनिश्चित की जाएगी तथा विवादित जमीन की मापी के लिए आवेदक द्वारा मापी शुल्क जमा किए जाने के अधिकतम 11 कार्य दिवस में जमीन की मापी सुनिश्चित की जाएगी।

अविवादित तथा विवादित जमीन की निर्धारित कार्य दिवस में मापी की प्रक्रिया पूर्ण कर अमीन द्वारा मापी का प्रतिवेदन मापी के पश्चात आवेदक के आवेदन की तिथि के 14वें दिन निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा।

पटना में 1 साल के बच्चे का कटा मिला सिर :धड़ को तलाशने में जुटी है पुलिस, ग्रामीणों ने जताई नरबलि की आशंका

फतुहा, पटना पटना के फतुहा में सोमवार की रात कच्ची दरगाह स्थित मजार के पीछे गंगा नदी की ओर जाने वाली ढलाई सड़क से पुलिस ने 1 साल के बच्चे का कटा सिर बरामद किया है। बच्चे के सिर पर ग्रामीणों की पहले नजर पड़ी थी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय ग्रामीण नरबलि की आशंका जता रहे हैं। पुलिस के अनुसार मासूम की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई। साक्ष्य मिटाने के लिए शव को गंगा नदी के किनारे फेंक दिया गया, जहां से आवारा कुत्ते सिर वाले हिस्से को खींचकर मुख्य सड़क तक ले आए। पुलिस को अभी धड़ नहीं मिला है। सिर को किसी धारदार हथियार से धड़ से अलग किया गया है। कान और बालों पर ताजे खून के धब्बे लगे हुए थे और चेहरे पर मिट्टी लिपटी हुई थी। घटना नदी थाना क्षेत्र की है। नदी थाना के अपर थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि शव के अवशेष को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि हत्या कब और किस प्रकार की गई है। फिलहाल बच्चे की शिनाख्त नहीं हो पाई है। लापता बच्चों का खंगाला जा रहा है। पुलिस आसपास के थानों और जिलों से संपर्क कर पिछले कुछ दिनों में गायब हुए बच्चों का रिकॉर्ड खंगाल रही है, ताकि मृतक की पहचान हो सके। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी का बच्चा लापता है या किसी ने कोई संदिग्ध गतिविधि देखी है, तो तुरंत सूचना दें।

मुजफ्फरपुर में ब्लेड से झोला काटकर 1.40 लाख कैश चोरी

मुजफ्फरपुर के नगर थाना क्षेत्र स्थित पंकज मार्केट में सोमवार को दिनदहाड़े एक व्यक्ति के झोले से 1.40 लाख रुपए चोरी हो गए। अपराधी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से पैसे निकालकर फोटोस्टेट कराने रुके व्यक्ति को निशाना बनाकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, कथैया थाना क्षेत्र के रहने वाले उदय कुमार सिंह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। वे सोमवार को अपने निजी काम के लिए पैसे निकालने के लिए पंकज मार्केट स्थित पीएनबी ब्रांच पहुंचे थे। उन्होंने बैंक से 1.40 लाख रुपए निकाले और उन्हें एक झोले में रखकर बाहर निकले। बैंक से कुछ ही दूरी पर स्थित एक दुकान पर उदय कुमार कुछ जरूरी कागजात की फोटोस्टेट कराने के लिए रुके। जैसे ही वे दुकानदार से बातचीत करने में व्यस्त हुए, उनके पीछे लगे चार शातिर अपराधियों ने मौका पाकर झोले को ब्लेड से नीचे से काट दिया।अपराधियों ने इतनी सफाई से वारदात को अंजाम दिया कि उदय कुमार को इसकी भनक तक नहीं लगी। पलक झपकते ही अपराधी नकदी लेकर भीड़ का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए। जब उदय कुमार ने झोला उठाया, तो वह हल्का महसूस हुआ। नीचे देखने पर उन्हें पता चला कि झोला कटा हुआ था और पूरी रकम गायब थी।

मुजफ्फरपुर सरैया में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना :लाखों के जेवर और कीमती सामान चोरी, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरपुर के सरैया थाना क्षेत्र के रामकुरवा गांव में रविवार रात एक बंद घर में लाखों की चोरी हुई है। अज्ञात चोरों ने गणेश सिंह के घर को निशाना बनाया और लाखों रुपए के जेवरात और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। गणेश सिंह दिल्ली में व्यवसाय करते हैं और अपने परिवार के साथ वहीं रह रहे थे। घर में उनका छोटा बेटा मौजूद था। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के लिए पहले घर के बगल में स्थित सरकारी स्कूल का ताला काटा और फिर पीछे के रास्ते से घर में प्रवेश किया। मकान में चल रहे निर्माण कार्य का फायदा उठाकर चोर आसानी से भीतर दाखिल हो गए। सुबह जब गणेश सिंह के बेटे की नींद खुली, तो उसने कमरों के ताले टूटे और सामान बिखरा हुआ पाया। शोर मचाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पारु के पूर्व विधायक अशोक सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और सरैया थाना प्रभारी सुभाष मुखिया को फोन पर जानकारी दी। सूचना मिलते ही सरैया पुलिस और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) गरिमा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। एसडीपीओ गरिमा ने मीडिया को बताया कि शुरुआती जांच में घर का सामान बिखरा हुआ मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि कीमती सामान के साथ ज्वेलरी चोरी होने की बात सामने आ रही है, लेकिन कितने रुपए के कीमती सामान और ज्वेलरी की चोरी हुई है, इसकी सटीक जानकारी परिजनों के दिल्ली से आने के बाद ही मिल पाएगी।

भागलपुर में अनियंत्रित ई-रिक्शा खाई में गिरा :महिला समेत 3 लोग घायल, अस्पताल में एडमिट ; ड्राइवर मौके से फरार

भागलपुर में यात्रियों से भरी ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर 25 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ई-रिक्शा मथुरापुर हाट से सब्जी लेकर नाथनगर की ओर जा रहा था। सड़क की जर्जर हालत और गहरे गड्ढों के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। खाई में गिरते ही चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने गाड़ी को खाई से बाहर निकालने में मदद की। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोटें नहीं आईं और कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाथनगर को शहजादपुर पंचायत से जोड़ने वाली यह मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। चंपानाल पुल से लेकर मथुरापुर और राघोपुर तक सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस बदहाल सड़क के कारण आए दिन साइकिल, टोटो और बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त होते रहते हैं।

पति की हत्या के मामले में प्रेमी और पत्नी को उम्र कैद की सजा

गयाजी । 5 अक्टूबर 2020 को राकेश कुमार की हत्या के मामले में कोर्ट ने पत्नी रेखा देवी और प्रेमी अशोक दास को उम्रकैद की सजा सुनाई। दोनों को धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और जुर्माना, साथ ही धारा 201/34 के तहत पांच साल की सजा और जुर्माना मिला। गयाजी में हुए चर्चित हत्याकांड में सोमवार को गया सिविल कोर्ट ने पत्नी और उसके प्रेमी को उम्रकैद की सजा सुनाई। पांच वर्षों के लंबित मामले में कोर्ट के फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने इसे न्याय की जीत बताया। मिली जानकारी के अनुसार, पति की हत्या में पत्नी और प्रेमी की मिलीभगत को कोर्ट ने गंभीर अपराध माना। अदालत ने दोनों को धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माना, तथा धारा 201/34 के तहत 5 साल की सजा और 10 हजार रुपये जुर्माना दिया। गया सिविल कोर्ट ने अपने फैसले में धारा 357(A) (CrPC) के तहत मृतक के आश्रित बच्चे को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुआवजा देने का भी आदेश जारी किया। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एकादश डॉ. प्रतिज्ञा व्यास की अदालत ने प्रेमी अशोक दास और पत्नी रेखा देवी को यह सजा सुनाई। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक खगेश चंद्र झा और राजीव नारायण ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि मृतक राकेश कुमार के भाई पंकज कुमार ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से नौ लोगों की गवाही हुई। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अजय कुमार सिंह, सुमन सिंह और अजीत कुमार सिंह ने भी अपना पक्ष रखा।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं–

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

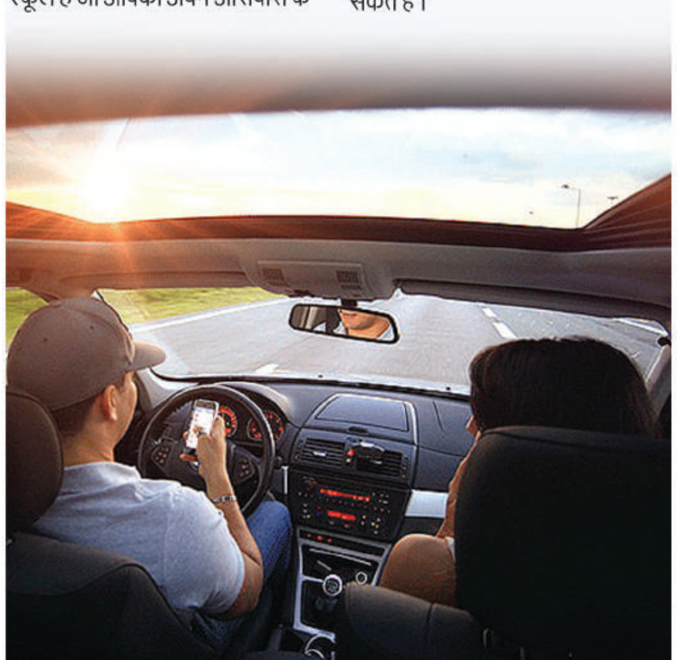

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं–

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी– एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।
आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।
आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं –
लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ–साथ इंटरव्यू देना होता है।
लेखपाल दो तरह के होते हैं – राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।
कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूंढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कंटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने खेल से संन्यास ले लिया है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइन ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनकी फिटनेस पहले जैसी नहीं रही है। इसी कारण वह प्रतिस्पर्धी खेलों में अब नहीं उतरेंगी। साइना ने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने अंतिम बार कोई मुकाबला साल 2023 में सिंगापुर ओपन में खेला था। वह गत ढाई-तीन साल से पेशेवर बैडमिंटन से दूर रही हैं। उनके घुटने में भी समस्या है। इस कारण वह काफी समय से खेल से दूर चल रहीं थीं। उनकी उम्र भी 35 के करीब पहुंच रही है जिससे भी उनके खेल पर प्रभाव पड़ा है। उन्हें अपने योगदान के कारण अर्जुन पुरस्कार (2009), मेजर ध्यानचंद खेल रत्न (2010), पद्म श्री (2010) और पद्म भूषण (2016) जैसे अवार्ड मिले हैं।

साइना ने पिछले कुछ समय से बैडमिंटन नहीं खेला है और उसके बाद से ही उनके संन्यास की अटकलें लगायी जा रहीं थीं। साइना ने कहा, ''मैंने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था मैंने अपनी अनुसार ही खेला और अब संन्यास की घोषणा की है। साथ ही कहा कि अगर आप और खेलने में सक्षम नहीं हैं तो खेल में बने रहने का मतलब नहीं है।'' नेहवाल ने कहा कि यह फैसला उन्होंने घुटने की गंभीर समस्या से लिया, जिसकी वजह से लगातार उच्च दबाव वाली ट्रेनिंग कठिन हो गयी थी।

नेहवाल ने कहा, ÷ उनका घुटना दर्द कर रहा है। कार्टिलेज पूरी तरह से खराब हो गया है, इसके अलावा उन्हें जोड़ो की बिमारी है, यह बात मेरे माता-पिता को पता होनी चाहिए थी, मेरे कोच को यह जानना जरूरी था और मैंने बस उनसे कहा, 'अब शायद मैं यह और नहीं खेल पाऊंगी, यह कठिन है।÷ संन्यास की घोषणा पर साइना ने कहा, लोगों को धीरे-धीरे पता चल ही रहा था कि साइना नहीं खेल रही है। घुटने की चोट को लेकर साइना ने कहा, खेल में शीर्ष पर आने आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग की जरुरी होती है पर अब मेरा घुटना एक या दो घंटे में ही दर्द करने लगा था।

गौरतलब है कि बैडमिंटन में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली साइना पहली भारतीय खिलाड़ी थीं। इसके अलावा वह साल 2015 में विश्व रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी भी रही थीं। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2008 में उन्होंने जीत हासिल की जबकि सुपर सीरीज खिताब 2009 इंडोनेशिया ओपन 2009 उन्होंने जीत हासिल की। 2010 और 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने स्वर्ण पदक भी जीता है। वह इन खेलों में दो एकल स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

तनावपूर्ण माहौल में खेले गए मैच में सेनेगल ने मोरक्को को हराकर जीता अफ्रीका कप

रबात (मोरक्को) (एजेंसी)। सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे।

फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे। इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया। इसके बाद गुये ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में विजयी गोल दागा। मोरक्को की पराजय के कारण 69,500 दर्शकों की क्षमता वाला प्रिंस मौले अब्देललाह स्टेडियम अंतिम सीटी बजते ही खाली होने लग गया था। सेनेगल के खिलाड़ियों को ट्रॉफी उठाते हुए देखने के लिए बहुत कम लोग बचे थे। सेनेगल ने दूसरी बार अफ्रीका कप जीता। इससे पहले वह 2021 में चैंपियन बना था।

केन्द्रीय अनुबंध में विराट, रोहित का डिमोशन तय, बी ग्रेड में रखे जाने की संभावना

इंदौर (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा का डिमोशन होना तय है। अभी ये दोनो ही खिलाड़ी ए प्लस ग्रेड में हैं। ये ग्रेड उन खिलाड़ियों को मिलता है जो तीनों ही प्रारुप खेलते हैं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। ऐसे में इनका डिमोशन तय है। इसका एक और कारण ये है कि बीसीसीआई अनुबंध से ए प्लस कैटेगरी को समाप्त कर उसकी जगह पर केवल ए, बी और सी कैटेगरी को जारी रख सकती है। अगर ऐसा होता है तो फिर विराट कोहली और रोहित शर्मा के अलावा जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा का भी डिमोशन क्योंकि ये दोनो भी पिछली बार ए प्लस कैटेगरी में शामिल थे।

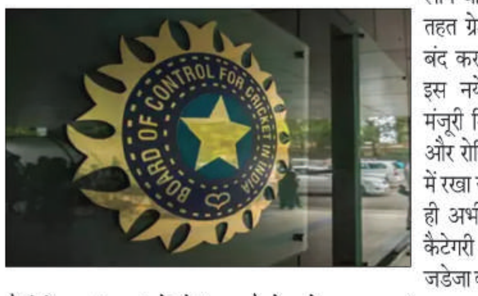

बीसीसीआई को अक्टूबर 2025 से सितंबर 2026 तक के लिए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा करनी है। ऐलान बीसीसीआई को करना है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई एक बदला हुआ केन्द्रीय अनुबंध सिस्टम लाने वाला है, जिसके तहत ग्रेड ए प्लस को बंद कर दिया जाएगा। इस नये सिस्टम को मंजूरी मिली तो विराट और रोहित को बी ग्रेड में रखा जाएगा। ये दोनो ही अभी तक ए प्लस कैटेगरी में थे। रविंद्र जडेजा का भी यही हाल होगा पर जसप्रीत बुमराह ए कैटेगरी में चले जाएंगे।

चयहन समिति ने अनुबंध प्रणाली में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। कमिटी ने 7 करोड़ राशि वाले ए प्लस वर्ग को समाप्त कर केवल तीन वर्ग ए, बी और सी रखने को कहा है। इससे वेतन पर भी प्रभाव पड़ेका। ए प्लस कैटेगरी के लिए पहले 7 करोड़ मिलते थे, ए के लिए 5, बी के लिए 3 और सी के लिए 1 करोड़ रुपये सालाना मिलते थे। अगर ये मॉडल अप्रूव हुआ तो केवल एकदिवसीय खेल रहे रोहित और विराट को बी कैटेगरी में रखा जाएगा।

आरसीबी ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाली पहली टीम बनी

वडोदरा (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2026 में इतिहास रचते हुए गुजरात जायंट्स को 61 रनों से करारी शिकस्त दी और प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला वडोदरा के कोटांबी स्थित बीसीए स्टेडियम में खेला गया। इस जीत के साथ RCB ने टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। गौतमी नाइक की संयमित अर्धशतकीय पारी और शानदार टीम प्रदर्शन के दम पर RCB इस सीजन नॉकआउट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई।

लगातार जीतों का रिकॉर्ड, WPL में पहली बार हुआ ऐसा

RCB की यह जीत सिर्फ प्लेऑफ टिकट तक सीमित नहीं रही। 2025 सीजन के अंत से लेकर मौजूदा सीजन तक RCB अब लगातार छह मुकाबले जीत चुकी है, जो WPL इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है।

अब तकः मुंबई इंडियंस ने दो बार लगातार 5 मैच जीते थे, RCB ने पहले भी एक बार 5 मैचों की जीत दर्ज की थी, दिल्ली कैपिटल्स का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 लगातार जीत रहा है; लेकिन स्मृति मंधाना की कप्तानी में RCB WPL के चार साल के इतिहास में लगातार छह जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई है।

दिल्ली के खिलाफ नजर सातवीं जीत पर

अगर RCB 24 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स को हरा देती है, तो वहः WPL सीजन की शुरुआत में लगातार 6 जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बनेगी, कुल मिलाकर जीतों की संख्या 7 तक पहुंच जाएगी, फिलहाल, सिर्फ मुंबई इंडियंस ही 2023 में सीजन की शुरुआत लगातार पांच जीत के साथ कर पाई थी।

कैसे RCB ने गुजरात जायंट्स को दी मात

टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी RCB की शुरुआत खराब रही। शुरुआती दो ओवरों में ही ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वोल आउट हो गईं और टीम का स्कोर 9/2 हो गया।

इसके बादः गौतमी नाइक ने मोर्चा संभाला, कप्तान स्मृति मंधाना के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 60 रनों की अहम साझेदारी की, मंधाना 26 रन बनाकर ऐश्ले गार्डनर की गेंद पर LBW आउट हुई। नाइक की जिम्मेदार पारी की बदौलत RCB ने मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद गेंदबाज़ों ने गुजरात को पूरी तरह दबाव में रखा और 61 रन से बड़ी जीत दर्ज की।

आईपीएल की तरह ही पीएसएल में भी होगी खिलाड़ियों की नीलामी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर ही खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित करेगा। पीसीबी इस साल अपने 11 वें सत्र से पहले ये बदलाव करेगा। इसके तहत ही अब तक जारी प्लेयर ड्राफ्ट प्रणाली की जगह प्लेयर नीलामी मॉडल रखा जाएगा। पीसीबी का कहना है कि वह विकास , प्रतिस्पर्धा के साथ ही नये तरीके अपनानो पर जोर दे रहा है। जिससे कि टूर्नामेंट का आकर्षण बढ़ सके। पीसीबी ने कहा कि बदलाव का लक्ष्य खेल में पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ ही खिलाड़ियों को कमाई के अधिक अवसर देना है में नए नियमों के अनुसार हर फेंचाइजी ज्यादा से ज्यादा चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, जिसमें हर वर्ग से एक खिलाड़ी शामिल होगा। वहीं पहले हर फेंचाइजी को अपनी टीम से 8 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी जिसमें एक मेंटर, एक ब्रांड एंबेसडर और प्लेयर ड्राफ्ट में नौवें खिलाड़ी को रिटेन करने के लिए राइट टू मैच विकल्प शामिल था। पीएसएल 11 के लिए मेंटर, ब्रांड एंबेसडर और आरटीएम से जुड़े नियम हटा दिए गए हैं। नई शामिल होने वाली टीमों को प्लेयर नीलामी से पहले उपलब्ध प्लेयर पूल से चार खिलाड़ियों को चुनने और रिटेन करने की अनुमति होगी। हर फेंचाइजी को एक विदेशी खिलाड़ी की सीधे शामिल करने की भी इजाजत होगी। जो पीएसएल 10 में नहीं खेला था जिससे टीमें नई अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा के साथ लाकर अपनी टीमों को मज़बूत कर सकेंगी। इसके अलावा खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाकर प्रति फेंचाइजी 16 लाख रुपये कर दिया गया है।

15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच होंगे दो क्रिकेट मुकाबले

- पुरुष टीमें टी20 विश्वकप, महिला टीमें एशिया कप राइजिंग स्टार्स मुकाबले में टकरायेंगी

मुम्बई । भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबलों का प्रशंसकों को इंतजार रहता है। इन मैचों में काफी रोमांच रहता है। अब एक बार फिर 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप में दोनो ही टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। इस दिन दोनो ही टीमों के बीच एक नहीं दो मुकाबले होंगे क्योंकि इसी दिन दोनों देशों की पुरुष टीमों जहां टी20 विश्वकप, वहीं महिला टीमें एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में मुकाबला करेंगी। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 13 से 22 फरवरी तक बैंकॉक, थाईलैंड में खेला जाएगा और इसमें कुल 8 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो समूहों रखा गया है। इस टी20 टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष महिला क्रिकेटर नजर आयेंगी। इसमें चार सदस्य देशों की 'ए' टीमें और क्षेत्र की चार शीर्ष एसोसिएट टीमें भी शामिल रहेंगी। इसकें ग्रुप ए में भारत ए, पाकिस्तान ए, यूएई और नेपाल हैं। भारत ए टीम अपना अभियान 13 फरवरी को यूएई के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद 15 फरवरी को पाकिस्तान ए से उसका मुकाबला होगा। वहीं टीम 17 फरवरी को नेपाल से खेलेगी। ग्रुप बी में श्रीलंका ए, बांग्लादेश ए, मलेशिया और मेजबान थाईलैंड के बीच मुकाबला होगा। वहीं दूसरी ओर भारतीय पुरुष टीम को टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप ए में पाकिस्तान, नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका से खेलेगी। भारतीय टीम अपने विश्वकप अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को यूएसए के खिलाफ करेगी। वहीं 12 फरवरी को उसे नामीबिया, 15 फरवरी को पाकिस्तान और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलना है।

मोहम्मद शमी ने एसआईआर सुनवाई पूरी की, कहा- यह ऐसी चीज नहीं जिससे आपको नुकसान होगा

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को कोलकाता में चुनाव आयोग के दफ्तर से अपनी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) सुनवाई पूरी करने के बाद कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान कोई समस्या नहीं हुई। शमी ने नागरिकों से आगे आकर चल रही SIR प्रक्रिया में हिस्सा लेने का भी आग्रह किया और जोर देकर कहा कि इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होगा।

शमी ने अपनी SIR सुनवाई के बाद पत्रकारों से कहा, 'कोई समस्या नहीं थी... स्द्धक्र ऐसी चीज नहीं है जिससे आपको नुकसान होगा... जिनके पास SIR फॉर्म नहीं है, उन्हें भी आना चाहिए।' मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शमी द्वारा भरे गए जनगणना फॉर्म में कुछ जगहों पर गड़बड़ियां थीं, जिसके कारण उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया था। उत्तर प्रदेश के रहने वाले शमी अपने क्रिकेट करियर के लिए पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल टीम का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें भारत के चुनाव आयोग (ECI) को पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) अभियान में 'लॉजिकल गड़बड़ियों' की श्रेणी में आने वाले मतदाताओं के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया था। CJI सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने पश्चिम बंगाल में स्द्धक्र प्रक्रिया में प्रक्रियात्मक अवैधताओं का आरोप लगाने वाली विभिन्न याचिकाओं पर ECI को निर्देश जारी किए।

सूर्यकुमार पहले टी20 में कर सकते हैं अपने 9000 रन पूरे

नागपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में 25 न बनाते ही अपने 9000 रन पूरे करे लेंगे। ये रन बनाते ही सूर्या 9000 रन बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और शिखर धवन ने ही 9000 रन बनाये हैं। पिछले एक साल में सूर्यकुमार का टी20 में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वह अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाये। कप्तानी की जिम्मेदारी के कारण उनकी बल्लेबाज़ी पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। यूर्या ने अब तक 346 मैच में 8,975 रन बनाये हैं। उनका औसत 34.78 जबकि स्ट्राइक रेट 152 से अधिक है। उनके नाम 6 शतक और 59 अर्धशतक हैं। भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट के नाम है, जिन्होंने 414 मैचों में 13,543 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिनके खाते में 463 मैचों में 12,248 रन हैं। वहीं शिखर धवन के नाम 334 मैचों में 9,797 रन हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं।

लेह में छठे खेलो इंडिया शीत खेलों की शुरूआत, आइस हॉकी सहित ये खेल भी होंगे शामिल

लेह । उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने अत्याधुनिक एनडीएस आइस हॉकी स्टेडियम पर छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2026 की शुरूआत की मंगलवार को घोषणा की। खेल अगले सात दिन तक चलेंगे और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर इनका समापन होगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि 19 प्रदेशों के 1060 प्रतिभागी इन खेलों में भाग लेंगे जिनमें खिलाड़ी, तकनीकी अधिकारी, सहयोगी स्टाफ और वालिंटियर के साथ भारतीय सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस शामिल है। उन्होंने कहा कि आइस हॉकी और स्पीड स्केटिंग के अलावा पहली बार फिगर स्केटिंग की स्पर्धायें भी होंगी। उद्घाटन समारोह में गुप्ता ने कहा कि लगातार तीसरे साल खेलों की मेजबानी से लद्दाख की क्षमता, प्रतिबद्धता और चुनौतीपूर्ण उच्च पर्वतीय हालात में बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी की तैयारियों पर देश का भरोसा झलकता है। उन्होंने खेलों के विकास के लिये विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एनडीएस आइस हॉकी रिंक, गुपुक तालाब और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर रिंक खेलों के लिये पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीएस स्टेडियम पर 53.58 करोड़ रूपए की लागत से आइस हॉकी रिंक बड़ी उपलब्धि है और कारगिल में एक और आइस हॉकी रिंक तैयार हो रही है जिससे लद्दाख में शीतकालीन खेलों का बुनियादी ढांचा और मजबूत होगा।

भारतीय टीम पहले टी20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

नागपुर (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को यहां पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर अगले माह होने वाली टी20 सीरीज के लिए लय हासिल करना रहेगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टी20 में अच्छा रहा है पर सूर्यकुमार के बल्ले से रन नहीं निकले हैं। ऐसे में सूर्यकुमार का लक्ष्य इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर टी20 विश्वकप के लिए फार्म हासिल करना रहेगा। सूर्यकुमार ने साल 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद से ही भारतीय टीम को अधिकतर मुकाबलों में जीत मिली है।

पिछले दो साल में भारतीय टी20 टीम को कुछ मुकाबलों में ही हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में भी वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम को हालांकि बल्लेबाजी तिलक वर्मा की कमी खेलेगी। तिलक सर्जरी के कारण इस इस मैच में नहीं खेलेंगी। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम भी काफी अच्छी है। इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा हालांकि उसकी राह इतनी आसान नहीं है। भारतीय टीम ने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। टीम के पास अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाज और वरुण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। वहीं न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से केवल 13 में जीत हासिल की है। उसके पास आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे हैं। टीम के पास कप्तान मिचेल सैंटनर जैसा स्पिनर और जैकब डफी जैसा तेज गेंदबाज है। अच्छी फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के रहने से टीम काफी मजबूत हुई है। तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क इस मैच में रहेंगे। इसका कारण है कि माइकल ब्रैसवेल और एडम मिल्ने दोनो ही फिट नहीं हैं।

वहीं भारतीय टीम के पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं। स्पिनर वरुण भारतीय टीम के मुख्य हथियार होंगे। वरुण के सातवें से 15वें ओवर के बीच के चार ओवर अक्सर मैच का रुख बदील देते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंडः मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

सिनर ने खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत की, ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में बनाई जगह

मेलबन। मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की। विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा, 'मैंने देखा कि वह दूसरे सेट में बहुत तेज गति से सर्व नहीं कर रहा था लेकिन मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता था।' सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार तीन बार चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी बनने की राह पर हैं।

कोहरे के कारण दर्जनों ट्रेनें लेट, यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने जारी की सूची

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोहरे के कारण उत्तर भारत में करीब 99 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। ज्यादातर ट्रेनें दिल्ली की ओर आ रही हैं। कई ट्रेनें छह से सात घंटे तक देरी से चल रही हैं। इनमें बरौनी नई दिल्ली, दरभंगा नई दिल्ली जैसी क्लोन ट्रेनें भी शामिल हैं। रेलवे ने देरी से चल रही ट्रेनों की सूची जारी की है। यात्री घर से निकलने से पहले सूची देखें और परेशानी से बचें। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक कोहरे की वजह से ट्रेनें प्रभावित हो रही हैं। उत्तर भारत में कई जगह घना कोहरा छाया होने की वजह से विजिबिलिटी बहुत कम है। यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की प्राथमिकता है। देरी से चलने वाली ट्रेनों में 22823 भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12301 हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12313 सियालदाह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12259 सियालदाह-बीकानेर दूरंतो एक्सप्रेस, 12225 कैफियत एक्सप्रेस, 12309 राजेंद्रनगर टर्मिनल-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस, 54044 हिसार-जींद पैसेंजर, 12367 विक्रमशिला एक्सप्रेस (भागलपुर से आनंद विहार टर्मिनल तक), 64111 शकूरबस्ती-खुर्जा मेमू, 22437 प्रयागराज-आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस, 12393 संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, 12559 शिव गंगा एक्सप्रेस, 12435 जयनगर-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 15565 वैशाली एक्सप्रेस, 12581 मंडुआडीह-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 64581 हाथरस किला-दिल्ली मेमू, 15705 दिल्ली-कटिहार अमृत भारत एक्सप्रेस, 12877 रांची-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 02563 बरौनी-नई दिल्ली हमसफर स्पेशल, 12349 कोलकाता-भगत की कोठी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 22361 पटना-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस, 12419 गोमती एक्सप्रेस, 12429 लखनऊ-नई दिल्ली राजधानी, 12557 सत्याग्रह एक्सप्रेस, 64567 अलीगढ़-खुर्जा मेमू आदि शामिल हैं, जो कई जोनों जैसे एनसीआर जोन, नार्दन जोन, और ईस्टर्न जोन से चलती हैं और ज्यादातर सुपरफास्ट, राजधानी, हमसफर, दूरंतो या एक्सप्रेस कैटेगरी की हैं, जबकि कुछ मेमू और पैसेंजर ट्रेनें भी हैं।

बेंगलुरु में 25 वर्षों के बाद नगर निकाय चुनाव बैलट पेपर से

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में 25 वर्षों के बाद नगर निकाय चुनाव बैलट पेपर से होने है। कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) के तहत आने वाले 5 नई नगर निगमों के चुनावों के लिए ईवीएम की बजाय पारंपरिक बैलट पेपर से करने का निर्णय किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी.एस. संगरेशी ने बताया कि यह फैसला कानूनी रूप से वैध है और सुप्रीम कोर्ट के किसी भी आदेश का उल्लंघन नहीं करता। पिछली बार बेंगलुरु में बैलट पेपर का इस्तेमाल 2000 में हुआ था, उसके बाद ईवीएम का प्रयोग होता रहा। चुनाव 25 मई के बाद और 30 जून से पहले संपन्न कराए जाएंगे, ताकि 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं पर असर न पड़े। इस चुनाव में करीब 88.91 लाख मतदाता शामिल हो सकते है। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि इस साल के अंत में होने वाले जिला और तालुक पंचायत चुनाव भी बैलट पेपर से होगा। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने और मतदाताओं का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया है। मतगणना में देरी की चिंता नहीं है, क्योंकि पर्याप्त लॉजिस्टिक व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। चुनाव एक ही दिन में संपन्न कर परिणाम घोषित करने की योजना है। जीबीए के तहत 5 नगर निगमों सेंट्रल, नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट बेंगलुरु में कुल 369 वार्ड हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची 19 जनवरी को जारी की गई, आपत्तियां 20 जनवरी से 3 फरवरी तक दर्ज की जा सकती हैं और अंतिम सूची 16 मार्च को प्रकाशित होगी। यह निर्णय पिछले साल कर्नाटक कैबिनेट की सिफारिश के अनुरूप है और कांग्रेस सरकार ने लागू किया है। पार्टी ने पहले ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। बैलट पेपर वापसी से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और मतदाताओं का भरोसा मजबूत होगा।

कोकराझार में युवक की हत्या के बाद तनाव...भड़की हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत

कोकराझार (एजेंसी)। पश्चिमी असम के कोकराझार जिले में युवक की हत्या के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। घटना के बाद भड़की हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि जिले के कई हिस्सों में जनजीवन पूरी तरह ठप है। मृतकों की पहचान सुनील मुर्मू और सिखना ज्वह्लाओ बिस्मित के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, गौर नगर इलाके में एक सड़क हादसे के बाद दो समूहों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि उग्र भीड़ ने सिखना ज्वह्लाओ बिस्मित की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सिखना, लोकल ठेकेदार बरोंडा बसुमतारी के दामाद थे, जो क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य से जुड़े हैं। घटना के विरोध में भड़के प्रदर्शन के दौरान सुनील मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी बाद में मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने करीगांव इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। हिंसा के दौरान प्रदर्शनकारियों पर दो अस्थायी बिरसा कमांडो फोर्स कैंपों को आग के हवाले करने का आरोप है। इसके अलावा सिदु कान्हू भवन में तोड़फोड़ की गई और कई दुकानों को भी आग लगा दी गई। मौके पर एक स्कॉर्पियो को जला दिया गया। स्थिति को देखकर भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी संवेदनशील इलाकों में तैनात किए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने अब तक हत्या और हिंसा के मामलों में 29 लोगों को हिरासत लेकर जांच जारी है।

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने का अलर्ट, यूपी में कोहरा और औली में पारा माइनस 8 डिग्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी इलाकों में मंगलवार को भी मौसम में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के आने का अलर्ट जारी किया गया है। यहां 5 दिन बाद आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। फिलहाल कई जिले कोहरे की चपेट में हैं, जिसके कारण विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 10 शहरों में मंगलवार को भी कोहरा छाया है। आगरा में ताज महल धुंध में छिप गया है। अगले 5 दिन तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लखनऊ, बाराबंकी, हाथरस सहित 5 शहरों में बारिश हुई, जबकि अलीगढ़ और लखीमपुर खीरी में एक दिन पहले ओले भी गिरे। उत्तराखंड के पिथौरागढ़, चमौली, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में नदी-नाले और झरने जम चुके हैं। औली में पारा माइनस 8 डिग्री तक पहुंच गया है, जिसके कारण पानी जमने लगा है। मौसम यह पूरा बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के आने से पहले ही होने लगा है। दरअसल, यह पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम है। जैसे ही यह सक्रिय होगा, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी।

मनरेगा का नाम बदलकर किया गांधी जी का अपमानः राहुल गांधी

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मनरेगा का नाम बदलने और नयी नीति बनाने को लेकर केन्द्र सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में मनरेगा को लेकर जो सोच थी, उसमें पंचायतों को जिम्मेदारी देने की बात थी और उन्हें आर्थिक रुप से सक्षम बनाना था। उस दौरान दूसरा लक्ष्य था कि हिंदुस्तान के जो गरीब लोग हैं, उनके लिए न्यूनतम मजदूरी बने और उससे कम कहीं भी किसी को मजदूरी न मिलें। कांग्रेस सांसद ने कहा कि नरेंद्र मोदी पावर को 'पावर कांसेप्टेड' करना चाहते हैं। वह पावर को अपने हाथों में लेना चाहते हैं और ब्यूरोक्रेसी के हाथों में देना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं। मनरेगा का नाम बदलकर उन्होंने गांधी जी का अपमान किया है। उन्होंने गरीब जनता की सुरक्षा को ही हटा दिया है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ''मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान'' की मंगलवार को यहां शुरुआत की। उन्होंने ऊंचाहार विधानसभा के उमरन गांव में सीधे मनरेगा मजदूरों और गांव के लोगों से संवाद किया और केंद्र सरकार पर सियासी हमला बोला। मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल के दौरान राहुल गांधी ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा मजदूरों को न तो समय पर काम मिल रहा है और न ही मजदूरी का भुगतान हो पा रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण ग्रामीण गरीबों की रोज़ी-रोटी पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने से ज़मीनी हकीकत नहीं बदलती, ज़रूरत इस बात की है कि मजदूरों को काम और समय पर मजदूरी मिले। केंद्र सरकार मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी तीसरी बार की सरकार की जो सोच थी, उसकी जड़ को काटा गया है। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। जो मजदूरी करते हैं उनकी सुरक्षा में लगे हुए हैं। नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश का पूरा धन अडानी और अंबानी के पास में चला जाए। हम जनता की रक्षा कर रहे हैं, वहीं नरेंद्र मोदी देश की जनता के रुपये अडानी और अंबानी को देने में लगे हैं।

एक दिवसीय दौरे पर उत्तर प्रदेश के रायबरेली पहुंचे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने राजीव गांधी स्टेडियम में युवा खेल अकादमी के रायबरेली प्रीमियर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। उन्होंने क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों के खिलाड़ियों से भी मुलाकात की। इसके अलावा सांसद राहुल गांधी मंगलवार आनंद नगर स्थित नगर पालिका के अध्यक्ष के घर पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ दिन पहले नगर पालिका अध्यक्ष के बेटी की हुई शादी के बाद परिजनों को आशीर्वाद दिया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक

कर पंचायत चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। इसके बाद वो कई कार्यक्रमों में शामिल हुए।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बयान, जिस दिन तिरंगे में चांद आ गया... उस दिन

-देश में जातिवाद नहीं राष्ट्रवाद होना चाहिए

बांदा (एजेंसी)। उत्तप्रदेश के बांदा में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने ऐसा बयान दिया है कि सुर्खियों में आ गया। उन्होंने कहा कि जिस दिन तिरंगे में चांद आ गया, उस दिन न शर्मा न वर्मा बचने वाले हैं, न क्षत्रिय, न रैदास वाले बचने वाले है। इतना ही नहीं धीरेंद्र कृष्ण ने कहा कि न तुलसी दास वाले बचने वाले हैं, न अगड़ा बचेगा ना पिछड़ा बचेगा। इसका सबसे बड़ा उदाहरण बांग्लादेश है। जहां एक-एक विधवा से 40-40 लोगों ने बलात्कार किया है। इसलिए उन्होंने कहा कि जातिवाद नहीं इस संकट से बचाने के लिए देश में राष्ट्रवाद

होना चाहिए। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि इस समय वहीं व्यक्ति सफल है, वहीं ताकतवर है, उसी की सत्ता है, वहीं बच सकता है जो एकजुट है। उन्होंने बताया कि मुसलमानों में 72 फिरके हैं, पठान, खान, सिया, सुन्नी मगर उनके मजहब पर बात आती है, लेकिन जब उनके मजहब पर बात आती हैं, तब सिर्फ मुसलमान हैं। हमारे भारत में 9 राज्यों में हिंदुओं की घटती हुई आबादी इसका बात कि सूचक है कि हम हिंदू हैं, मगर हम एक नहीं हो सके। हिंदू विचारधारा वाले लोगों के अलावा किसी भी हिंदू से अगर पूछो, तब वह या अपने को वर्मा बताता है या शर्मा बताता है या फिर पंडित बताता है या अन्य। मगर मेरी सबसे प्रार्थना है कि हमारा परिचय जाति से नहीं हिंदू से होना चाहिए। हिंदुओं को बचाने का एकमात्र यही रास्ता है कि हिंदुओं को अपनी जनसंख्या बढ़ानी चाहिए। जब चच्चे के 30-30 बच्चे हो सकते हैं, तब हिंदुओं के क्यों नहीं? इसलिए हिंदुओं के बेटे 4 यही लगाएंगे बेड़ा पार। 2 बच्चे घर के लिए, 1 बच्चा स्वयं सेवक संघ के लिए व 1 बच्चा हिंदू राष्ट्र के लिए।

रियासत को तोड़ने वाले बहुत से लोग हैं, वे कभी कामयाब नहीं होंगे

-नए जिले बनाने की मांग पर महबूबा को फारूक अब्दुल्ला ने दिया जवाब

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की जम्मू संभाग में नए जिले बनाने की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि रियासत को तोड़ने वाले बहुत से लोग हैं, लेकिन वे कभी कामयाब नहीं होंगे। कोई नया जिला नहीं बनाया जाएगा। फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मेलन में कहा कि हम लोग अपने ब्लॉक अध्यक्ष और ब्लॉक सचिवों को सुन रहे हैं। उनकी तकलीफों को सुन रहे हैं और उन्हें किस प्रकार मजबूत किया जाए, इस पर विचार कर रहे हैं।

महबूबा मुफ्ती के नए जिलों की मांग पर उन्होंने कहा कि कोई जिला नहीं बनना चाहिए। पहले से ही बहुत जिले हैं। इन्हें कोई संभाल सके वही बड़ी बात है। इसी बीच फारूक अब्दुल्ला ने पूछा कि वह भी सीएम रहीं हैं और उनके पिता भी सीएम थे, तब उन्होंने क्या किया? उन्होंने कहा कि उंगली उठाना आसान होता है, लेकिन देखना चाहिए कि तीन उंगलियां आपकी तरफ भी इशारा करती हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि डिक्सन प्लान बहुत पुराना था कि डिवाइड करो। चिनाब नदी के उस पार ग्रेटर कश्मीर है, और इसे अलग करो। हिमाचल के परमार साहब थे, जिन्होंने चंबा और कांगड़ा के लोगों से कहा कि आपकी जुबान हिमाचली है, वरना तो बहुत बड़े-बड़े ख्याल थे। रियासत को तोड़ने वाले बहुत से लोग हैं, लेकिन वे कभी कामयाब नहीं होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फारूक अब्दुल्ला ने श्रीनगर के पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू को नासमझ बताते हुए कहा कि हमने कभी ऐसा सोचा नहीं है। हम तो लद्दाख को भी अलग नहीं करना चाहते थे। उससे लद्दाखियों को क्या फायदा मिला? आज तो लद्दाखी भी कहते हैं कि हमें वापस रियासत के साथ जोड़ दो। हमें यूनियन टेरिटरी नहीं चाहिए। उम्मीद है कि एक दिन फिर से लद्दाख वापस आ जाएगा।

बंगाल में फतह के लिए बीजेपी ने अपने अनुभवी वरिष्ठ नेताओं को जमीन पर उतारा

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करने का आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपनी व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है और इसके लिए बीजेपी ने अन्य राज्यों के कई अनुभवी नेताओं को चुनाव की तैयारियों में लगा दिया है। पिछले एक महीने में भाजपा ने अन्य राज्यों के कई अनुभवी वरिष्ठ नेताओं (प्रवासी सदस्य) को बंगाल इकाई में मंडल से लेकर जिला स्तर तक आंतरिक मतभेदों को सुलझाने और चुनाव की तैयारियों का प्रबंधन का काम दिया गया है। इन प्रवासी सदस्यों में उत्तर प्रदेश के मंत्री जेपी एस राठौर, उत्तराखंड के मंत्री धन सिंह रावत, राजस्थान भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, हरियाणा भाजपा के महासचिव संजय भाटिया और कर्नाटक के पूर्व मंत्री सी टी रवि शामिल हैं। चूंकि ये नेता मुख्य रूप से हिंदी बोलते हैं, इसलिए उनके साथ स्थानीय नेता भी होते हैं जो जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत के दौरान मदद करते हैं। बंगाल में तैनाती के बाद से, इन नेताओं ने मंडल, विधानसभा और

जिला इकाइयों में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।

राठौर, जिन्हें 2017 और 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों और 2019 के लोकसभा चुनावों के प्रबंधन का अनुभव है, को बंगाल की 35 विधानसभा सीटों की जबावदेही दी गई हैं। उनके अधीन पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कोंटाई और तामलुक तथा पश्चिमी मेदिनीपुर जिले के घाटाल और मेदिनीपुर शहर आते हैं। वहीं राणा उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर, बारासात और बोंगाँव का काम देख रहे हैं। राणा पश्चिमी यूपी के शामली जिले से हैं और उन्होंने हरियाणा, दिल्ली, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में पार्टी के चुनावी प्रयासों का नेतृत्व किया है। उनके पास 28 विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी है और हाल ही में उन्होंने संदेशखाली का दौरा किया, जहां 2024 में स्थानीय टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। वहीं भाटिया को आरामबाग उपमंडल और श्रीरामपुर सहित हुगली जिला और हावड़ा शहर सौंपा गया है, जबकि चौधरी को कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और उत्तरी बंगाल के अन्य जिलों में पार्टी की तैयारियों की निगरानी का जिम्मा मिला है। ये सभी नेता राज्य के प्रभारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करते हैं।

अपने-अपने राज्यों के अनुभव के आधार पर हम राजनीतिक और संगठनात्मक प्रबंधन की देखरेख कर रहे हैं। हम संगठनात्मक अभियानों और कार्यक्रमों का भी ध्यान रख रहे हैं और उन मतदान केंद्रों में अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं जहां हमारी पकड़ कमजोर दिख रही है। हालांकि, हमारा मुख्य ध्यान लोकल पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच मतभेदों को सुलझाने पर ज्यादा है। महीने की शुरुआत में पार्टी के राज्य स्तरीय नेताओं के साथ हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनावों से पहले सभी मतभेदों को भुलाने का निर्देश दिया था। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने इस बैठक को राज्य स्तर पर पार्टी के पुराने और नए नेतृत्व के बीच की खाई को पाटने का प्रयास बताया। हालांकि, टीएमसी ने पिछली बार भाजपा को बाहरी लोगों की पार्टी के रूप में पेश करने में सफलता हासिल की थी और इस बार भी वही कहानी दोहरा रही है, इसके बाद भाजपा इसका क्या जवाब देती है, यह देखना बाकी है।

जब ज्योतिषपीठ के अधिकृत नहीं तो कैसे कर रहे 'शंकराचार्य' शब्द का प्रयोग

-धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को भेजा नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज संगम में मौनी अमावस्या पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को रोकने और शिष्यों के साथ मारपीट करने का विवाद बढ़ा ही जा रहा है। संगम में स्नान से इनकार करने और धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने नोटिस भेजा है। नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए पूछा कि संबंधित व्यक्ति ज्योतिषपीठ के अधिकृत शंकराचार्य नहीं हैं, ऐसे में वे अपने नाम के साथ 'शंकराचार्य' शब्द का प्रयोग किस आधार पर कर रहे हैं? नोटिस में मेला प्रशासन ने 24 घंटे में लिखित जवाब मांगा है। इसमें यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि वे किस वैधानिक या धार्मिक आधार पर स्वयं को शंकराचार्य कहते हैं। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन ब्रह्मलीन ज्योतिष पीठ के

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती और स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती के लंबित मुकदमे का जिक्र किया गया है। नोटिस प्रयागराज मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक मेला क्षेत्र में आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रमों और शिविरों को लेकर प्रशासन पहले से ही सतर्क है। सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए सभी धार्मिक आयोजनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए गए हैं। किसी भी पद, उपाधि या पहचान का गलत इस्तेमाल प्रशासन के लिए गंभीर विषय माना जा रहा है।

नोटिस के बाद संत के समर्थकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि शंकराचार्य एक परंपरागत धार्मिक पद है और इस पर प्रशासनिक हस्तक्षेप उचित नहीं। समर्थकों का आरोप है कि मेला प्रशासन धार्मिक भावनाओं को आहत कर रहा है। वहीं, कुछ लोगों का यह भी कहना है कि कोर्ट के आदेशों का पालन सभी के लिए अनिवार्य है, चाहे वह धार्मिक व्यक्ति ही क्यों न हो। सुप्रीम कोर्ट के प्रार्थना पत्र के उपरोक्त खंड को पूर्णतया स्वीकार करते हुए 14 अक्टूबर 2022 को आदेश दिया गया था। नोटिस में कहा गया है कि इस अपील संख्या की ताजा स्थिति के रूप में कोई अन्य आदेश पारित नहीं हुआ है। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। जब तक सुप्रीम कोर्ट की ओर से अपील का निस्तारण नहीं कर दिया जाता या कोई अग्रिम आदेश प?ट्टाभिषेक के मामले में पारित नहीं होता, तब तक कोई भी धर्माचार्य ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य के तौर पर सुशोभित नहीं हो सकता है।

मुंबई मेयर के लिए जादुई आंकड़े 114 से महज 6 कदम दूर हैं हम

-बीएमसी के सिंहासन पर कब्जा करने शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने फोड़ा बम

मुंबई (एजेंसी)। देश की सबसे अमीर मुंबई महानगरपालिका बीएमसी के सिंहासन पर कब्जा करने के लिए खेल अब तीखा और पेंचीदा हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने एक ऐसा बम फोड़ा है, जिसने महायुति के खेमे में खलबली मचा दी है। राउत ने दावा किया कि वे बहुमत के जादुई आंकड़े 114 से महज 6 कदम दूर हैं, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर ये 6 कदम कहां से पूरे होंगे?

संजय राउत जब कहते हैं कि उनके पास 108 का आंकड़ा है जिसमें उद्धव गुट (65), कांग्रेस (24), शरद पवार की एनसीपी और अन्य छोटे दलों को मिलाकर भी यह आंकड़ा 108 तक नहीं पहुंचता। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी पर्दे के पीछे से

उद्धव ठाकरे को समर्थन देने को तैयार है? सियासी गलियारों में चर्चा है कि क्या बीजेपी को रोकने के लिए उद्धव अब ओवैसी के साथ जाने का जोखिम उठाएंगे?

अगर 108 के आंकड़े में मुस्लिम बहुल सीटों वाले पार्षद शामिल होते हैं, तो इसका मतलब साफ है, बीजेपी को सत्ता से बाहर रखने के लिए विपक्षी गठबंधन किसी भी हद तक जाने को तैयार है। राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बड़ा प्रहार करते हुए कहा कि शिंदे अपने ही पार्षदों से डरे हुए हैं। राउत के मुताबिक शिंदे सेना के पार्षदों को बांद्रा और कल्याण-डोंबिवली के तीन अलग-अलग होटलों में नजरबंद किया गया है। राउत का दावा है कि जो शिंदे कल तक ईडी के डर से उद्धव का साथ छोड़ गए थे, आज उन्हें डर है कि उनके पार्षद पाला बदल लेंगे। राउत ने कहा कि हमारे (यूबीटी) पार्षद खुलेआम घूम रहे हैं, घरों पर मजे कर रहे हैं, हमें किसी का डर नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक बीएमसी चुनाव के बाद भले ही महायुति सबसे मजबूत दिख रही हो, लेकिन अंदरूनी कलह चरम पर है। बीजेपी किसी भी कीमत पर अपना मेयर चाहती है। सूत्र बताते हैं कि वे ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर भी राजी नहीं हैं और साफ कह चुकी है 30 जनवरी को बीएमसी में बीजेपी का मेयर बनेगा। एकनाथ शिंदे अपने 29 पार्षदों के दम पर ढाई साल का मेयर पद या सबसे पावरफुल स्टैंडिंग कमेटी का अध्यक्ष पद मांग रहे हैं।

इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारत में बने हथियार होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में सेना की नवगठित 'भैरव' लाइट कमांडो बटालियन, 'शक्तिबाण' तोपखाना रेजिमेंट और लद्दाख स्काउट्स माउंटेन इन्फैंट्री रेजिमेंट प्रमुख आकर्षण होंगे। यही नहीं, वायुसेना के फ्रांसीसी मूल के दसॉ राफेल और स्वदेशी रूप से निर्मित रूसी मूल के सुखोई एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमान भी उड़ान भरेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी और कहा कि इनमें कई उपकरण और रेजिमेंट को पहली बार युद्ध की तैयारी जैसी संचालन के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। इस साल के गणतंत्र दिवस की थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' है। परेड में 30 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी, जिनमें से छह राष्ट्रीय गीत को समर्पित होंगी। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैन्य मामलों में बढ़ी आम जानता की रुचि को देखते हुए रक्षा सचिव ने कहा कि इन उपकरणों और बटालियनों के प्रदर्शन का उद्देश्य देश को सशस्त्र बलों की परिचालन व्यवस्था को दिखाना है।

उन्होंने कहा कि विचार है कि युद्ध में उपकरणों और जनशक्ति को एक साथ कैसे लाया जाता है, इसकी एक कहानी सबके सामने लाना है। उन्होंने कहा कि इससे गणतंत्र दिवस समारोह और इसकी यह परेड आम लोगों के लिए अधिक आकर्षक और जानकारीपरक हो जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने वाले कुछ कर्मी इस तरह प्रदर्शन करेंगे मानो वे पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार हों। आत्मनिर्भरता के विषय को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी और मेड-इन-इंडिया सिस्टम से जुड़ी उपलब्धियां भी परेड में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड का लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, इंडो-रूसी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं, जिनका ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किया गया था।

रक्षा सचिव ने कहा कि परेड में दिखाई जाने वाली युद्धक सामग्री, उपकरण, प्रणाली का बड़ा हिस्सा या तो भारत में बना है या यहां डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि उल्लेखनीय रूप से एयरबस सी295 परिवहन विमान, जो अब टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा भारत में बनाए जाते हैं, अमेरिकी मूल के एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर और सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस परिवहन विमान भी देश को इस परेड में देखने को मिलेंगे। इस बार स्वदेशी तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट परेड में भाग नहीं लेगा। सूत्रों ने संकेत दिया कि वीआईपी की उपस्थिति को देखते हुए एकल-इंजन विमान को ऐसे आयोजनों के लिए आदर्श नहीं माना जाता। परेड का एक और आकर्षण होगा देश का ड्रोन तंत्र। इन ड्रोन को उड़ाया नहीं जाएगा, ये केवल प्रदर्शन के लिए रखे जाएंगे। इसका कारण भी सूत्रों ने परेड स्थल पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों की उपस्थिति बताया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**